@Qpatrika  @qaumipatrika hindi  instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 14 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 214 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## एयर इंडिया के विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

### बम होने की सूचना, फुकेट से दिल्ली आ रहा था, 156 यात्री थे सवार

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने फ्लाइट ट्रैकर फ्लाइट्रेडर24 के हवाले से

बताया कि एअर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे (स्थानीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे) टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा चक्कर लगाते हुए पलटा और करीब 20 मिनट बाद फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग की। सभी यात्री और क्रू सेफ हैं, किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। नेशन थाईलैंड ने बताया कि बम की धमकी मिलते ही फुकेट एयरपोर्ट ने एयरपोर्ट कंटिन्जेंसी प्लान (एसीपी) एक्टिवेट कर दिया।

## मिल गया डीवीआर

# अब खुलेंगे प्लेन क्रैश से जुड़े सारे राज

**● एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान का डीवीआर हुआ बरामद ● अब तक 265 शव अस्पताल लाए गए, डीएनए सैंपलिंग जारी**

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** दुर्घटनाग्रस्त प्लेन एयर इंडिया फ्लाइट नंबर एआई-171 का डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद कर लिया गया है। काफी मशक्कत के बाद इसे मलबे से बरामद किया गया है। बता दें कि इस डीवीआर से महत्वपूर्ण डेटा स्टोर रहता है जिससे विमान दुर्घटना का सही कारण पता चल पाएगा। बता दें कि फ्लाइट में लगे सीसीटीवी कैमरे बहुत कुछ रिकॉर्ड करते हैं, जिसका डाटा डीवीआर में स्टोर होता है। ये कैमरे कॉक-पिट से लेकर पैसेंजर केबिन तक सब कुछ रिकॉर्ड करते हैं। एंट्री और एग्जिट गेट के साथ इमरजेंसी गेट भी इनकी नजरों से बच नहीं पाते। इन कैमरों में रिकॉर्डिंग स्टोर भी होती है। घटना की पुष्टि करते हुए घटनास्थल पर मौजूद एटीएस अधिकारी ने कहा कि यह एक डीवीआर है, जिसे हमने मलबे से बरामद किया है। एफएसएल टीम जल्द ही यहां आएगी और डीवीआर की जांच करेगी। जो दुर्घटना की ओर ले जाने वाली घटनाओं के बारे में महत्वपूर्ण सुराग दे सकती है। अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर आ रही है। इससे पहले शुक्रवार सुबह पीएम मोदी अहमदाबाद पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद वे सिविल अस्पताल गए, जहां वे करीब 10 मिनट पीड़ितों से मिले। मृतकों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल हैं, जबकि सिर्फ एक यात्री की जान बची है।

## पीएम मोदी ने पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से की मुलाकात

पीएम मोदी ने गांधीनगर में विजय रूपाणी के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि विजयभाई अब हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता था। हमने साथ मिलकर काम किया, कंधे से कंधा मिलाकर, कई मुश्किल दौरों में भी। विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, और पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह समर्पित थे। उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं और बाद में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ईमानदारी से सेवा की।

## अहमदाबाद विमान हादसे में 60 विदेशी यात्रियों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस हादसे में 60 विदेशियों की भी मौत हो गई है। हादसे में एक ब्रिटिश पैसेंजर जिंदा बच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे घटना को प्लेन हादसों के इतिहास में सबसे बुरी दुर्घटनाओं में से एक बताया है।

व्हाइट हाउस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह एक भयानक दुर्घटना थी। हम जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे। ट्रंप ने कहा- किसी को कुछ पता नहीं चला कि क्या हुआ। ऐसा लग रहा था कि वह ठीक-ठाक उड़ रहा था। वहीं जांच में शामिल होने के लिए ब्रिटेन की एक टीम भी आएगी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने यह जानकारी संसद में दी है। वह अपने नागरिकों को लेकर काफी चिंतित हैं।

## प्लेन क्रैश में बचे इकलौते यात्री ने बताया कैसे जिंदा बचा

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** अहमदाबाद प्लेन हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार ने बताया कि मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। शायद दरवाजा टूटा और सीट समेत नीचे गिर गया। मुझे कुछ याद नहीं था। रमेश कुमार अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। पीएम

मोदी ने शुक्रवार को उनसे मुलाकात की और हालचाल जाना। दोनों के बीच करीब 10 मिनट बातचीत हुई। इसके बाद रमेश ने डीडी न्यूज से बातचीत में कहा, पीएम ने उनका हालचाल जाना और पूछा कि हादसा कैसे हुआ। रमेश प्लेन की 11ए सीट पर बैठे थे। हादसे के बाद वे घटनास्थल से खुद पैदल चलकर बाहर निकले। उधर सिविल अस्पताल में एक के बाद एक शवों से भरी एंबुलेंस सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में भेजी जा रही है। अब तक 265 शवों के पोस्टमॉर्टम किए जा चुके हैं। गुजरात सरकार ने मृतकों और घायलों के परिजन की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर- 9978405304 और 079 232 51900 जारी किए हैं।

## भाग्य पर व्याख्यान देने के बजाय जवाबदेही तय करें गृहमंत्री: कांग्रेस

### -पार्टी इस सामूहिक दुख और पीड़ा के समय में राष्ट्र के साथ खड़ी है

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में हुई मौतों पर शुक्रवार को दुख जताया और गृहमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि घटनास्थल का दौरा करने के बाद गृह मंत्री अमित शाह भाग्य पर व्याख्यान देने के बजाय जवाबदेही तय करने का वादा कर सकते थे। बता दें शाह विमान हादसे के कुछ घंटे बाद अहमदाबाद पहुंचे थे और कहा था कि दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान का तापमान ईंधन जलने के कारण इतना ज्यादा था कि किसी को बचा पाने की गुंजाइश ही नहीं थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया जिसमें कांग्रेस एआई-171 विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी यात्रियों, चालक दल के सदस्यों और उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है जो दुर्घटनास्थल के आसपास मौजूद थे और हादसे का शिकार हुए। हम इस त्रासदी से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद भीषण और हृदय विदारक दुर्घटना है, जिसने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। कांग्रेस पार्टी इस सामूहिक दुख और पीड़ा के समय में राष्ट्र के साथ खड़ी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेत पवन खेड़ा ने अमित शाह के बयान का संक्षिप्त वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया- जब एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और लोगों की मौत हो गई, तो गृह मंत्री कम से कम जवाबदेही का वादा कर सकते हैं, न कि भाग्य पर व्याख्यान दें। खेड़ा के मुताबिक गृह मंत्री ने कहा था कि दुर्घटनाओं को कोई नहीं रोक सकता। खेड़ा ने सवाल किया कि यदि कुछ भी रोका नहीं जा सकता, तो हमारे पास मंत्रालय हैं ही क्यों? उन्होंने कहा कि विमानन दुर्घटनाएं दैवीय कृत्य नहीं हैं उन्हें रोका जा सकता है। इसीलिए हमारे पास विमानन नियामक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संकट के समय प्रतिक्रिया की प्रणालिया हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह के तर्क के मुताबिक क्या हमें सुरक्षा बुनियादी ढांचे, विनियमन, या संकट की तैयारी में निवेश करना पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए? उन्होंने सवाल किया कि क्या इसे भाग्य पर छोड़ देना चाहिए?

## एयर इंडिया के बोइंग 787-8 पर रोक की तैयारी

केंद्र सरकार बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 विमान को उड़ान भरने से रोकने पर विचार कर रही है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सिक्योरिटी रिव्यू के लिए विमानों को ग्राउंड किया जा सकता है। यह फैसला अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश के बाद लिया गया है। एअर इंडिया का 787-8 विमान 12 जून को अहमदाबाद में क्रैश हुआ था। इसमें अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के पूर्व जॉइंट सेक्रेटरी सनत कौल ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा- डीजीएसए (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) ने एअर इंडिया को कई बार लेटर लिखा था। जिसमें सिक्योरिटी, गलत तरह से चेकिंग और अन्य खामियों से जुड़ी बातें बताई गई थीं। अब जब हादसा हो गया तो एअर इंडिया पर सवाल उठ रहा है।

## मंदिर के पास 'बीफ' मिलने के बाद धुबरी में तनाव

**● सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने दिए गोली मारने के आदेश**

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** असम के धुबरी में दो समुदायों के बीच तनाव की घटना के बाद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा है कि धुबरी में एक विशेष वर्ग हमारे मंदिरों को क्षति पहुंचाने की नीयत से सक्रिय हो चुका है। इसके बाद हमने देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए हैं। धुबरी में एक मंदिर के पास मांस फेंकने की घटना के बाद बवाल खड़ा हो गया था। यह भी कहा गया था कि यह

बीफ है। इसके बाद धुबरी शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। अब सीएम ने शूट एड साइड के ऑर्डर दिए हैं। असम के धुबरी में रविवार को मंदिर के पास मांस मिलने के बाद विरोध शुरू हुआ था। इसके बाद इलाके में तनाव फैल गया था। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर प्रदर्शनकारियों को काबू में किया था। पुलिस ने इलाके में शांति बहाल करने के लिए हिंदू-मुस्लिम समेत सभी धर्मों के लोगों को शामिल करके शांति कमेटियां बनाई थीं। इसके बाद गुवाहाटी से आए कानून-व्यवस्था के महानिरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह और दूसरे अधिकारियों ने भी दौरा किया था। तब यह माना गया था कि हालात पूरी तरह सामान्य हैं, लेकिन धुबरी में तनाव खत्म नहीं हो रहा है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा था कि ईद पर्व के एक दिन बाद असम के कई स्थानों पर अवैध रूप से मवेशियों का वध किया गया और उनके मांस के टुकड़े कई जगहों पर फेंके गए, जिससे राज्य में तनाव की स्थिति बनी। प्रशासन की सक्रियता और दोनों समुदायों के सहयोग से धुबड़ी में अब शांति बहाल हो गई है। सीएम हिमंता ने कहा है कि हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने की कोशिश हो रही है।

### इजरायल-ईरान झगड़े में अब कूद गया भारत, परमाणु ठिकानों पर अटैक के बाद तुरंत एक्शन में आया

## प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल पीएम नेतन्याहू से बातचीत की, शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली पर जोर दिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया, जिन्होंने उन्हें ईरानी ठिकानों पर इजरायल के हवाई हमलों के बाद उभरती सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर पश्चिम एशिया में उभरते हालात की जानकारी दी। मोदी ने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर बल दिया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया। उन्होंने मुझे मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। मैंने

भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।' इजराइल ने शुक्रवार की सुबह ईरान पर हमला किया जिसमें शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए और परमाणु और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिससे पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका बढ़ गई है। यह 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला था। इससे पहले दिन में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों से 'बेहद चिंतित' है और उभरती स्थिति पर 'करीब से नजर रख रहा है'। भारत ने 'दोनों पक्षों से तनाव बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचने' का आग्रह किया।

## अनुष्का से रिश्ता कबूलने के बाद बनारस में दिखे 'तेज'

**● लालू के लाल ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी**

**वाराणसी (एजेंसी)।** बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव हाल ही में अपने व्यक्तिगत जीवन को लेकर सुर्खियों में आए थे। अनुष्का यादव के साथ फेसबुक पर उनकी फोटो वायरल हुई। इसके बाद लालू यादव ने उनको राजद से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इन विवादों के बीच तेज प्रताप यादव वाराणसी में नजर आए। उन्होंने यहां काशी विश्वनाथ का दर्शन किया। फिर सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में तेज प्रताप यादव भक्ति अवतार में

नजर आ रहे हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है-बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद हो, मां गंगा का निर्मल पवित्र घाट हो, पूरी दुनिया को मैं भूल जाऊं। बनारस में मेरा भोला मुझे याद हो, हर हर महादेव बोलना ही होगा। आपको बता दें कि तेज प्रताप यादव पहले भी दर्शन कर चुके हैं।

## मुस्लिमों पर हो रहे जुल्म को लेकर मौलाना तौकीर देंगे गिरफ्तारी

**-कहा- इस बार कोई समझौता नहीं करेंगे, बरेली प्रशासन अलर्ट**

**बरेली (एजेंसी)।** इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। बरेली में मौलाना तौकीर ने एक बयान जारी कर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने ऐलान किया कि रविवार को वह गिरफ्तारी देंगे और इस बार कोई समझौता नहीं करेंगे।

मुस्लिम समुदाय पर हो रहे अत्याचार को लेकर मौलाना तौकीर रजा ने बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इंसाफ पाने के लिए बात किससे करें? जो हमारा, हमारे बच्चों के जानी दुश्मन हैं। हमारी मस्जिदों के दुश्मन हैं। मौलाना तौकीर ने कहा कि सीएम योगी कैसी-कैसी गुस्ताखियां करते हैं। हम सिर्फ खामोश इसलिए हैं क्योंकि हम अपने देश में अमन चाहते है। बड़े आंदोलन की चेतावनी देते हुए तौकीर रजा ने कहा कि हमारे नौजवान गिरफ्तारी देने के लिए निकलेंगे और अगर दंगा होता है, तो उसकी जिम्मेदारी यूपी पुलिस और बरेली पुलिस की होगी।

उन्होंने कहा कि या तो मेरी बात सुनो या फिर मुझे जेल में डाल दो। पहले भी हम लोगो ने कर्फ्यू तोड़कर संगीनों के साए में नमाजें अदा की थीं और एक बार फिर से तारीख दोहराने का समय आ गया है। हालिया दिनों में हैदरी दल पर बरेली पुलिस ने कार्रवाई की, तो इस पर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई। मौलाना तौकीर ने हैदरी दल पर कार्रवाई को लेकर पुलिस प्रशासन और सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बरेली में जो लड़कियां बहक गई थी, उनको मुस्लिम युवाओं ने कहा कि नकाब का मजाक मत उड़ाओ और ऐसे लड़कों पर पुलिस ने कार्रवाई की। ऐसा करके उन्होंने मुसलमानों को भड़काने का काम किया।

मौलाना ने कहा अब खामोश बैठने का वक्त नहीं है। ऐसी आजादी किसी काम की नहीं है। लंबे समय से भंग चल रही इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल संगठन को फिर से बहाल कर दिया गया है। गुरुवार को नई टीम की घोषणा की गई, जिसमें शमशाद बाबू को बरेली का जिलाध्यक्ष और पार्षद अनीस सकलेनी को बरेली महानगर का अध्यक्ष बनाया गया है। सिटी स्टेशन के सामने स्थित मदरसा परिसर में जिले के सीनियर कार्यकर्ताओं के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान मौलाना तौकीर रजा ने मौजूदा हालात पर चिंता जाहिर की।

मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि जो लोग आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के तलवे चाट रहे थे, उस समय सच्चे देशभक्त मुसलमानों पर अंग्रेज लाठियां बरसा रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि सच्चे हिंदुस्तानी मुसलमान देश के लिए अपनी जान तक दे सकते हैं, उन्हीं पर पुलिस लाठियां चला रही है, जो गद्दार देश को लूट रहे हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती और न कोई कर सकता है। उन्होंने मुसलमानों से अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने अन्याय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, जब तक बेईमानी हो रही है, हमारे बच्चों की लिंचिंग हो रही है। बहन-बेटियों को बेइज्जत किया जा रहा है, जब तक यह तरीका बंद नहीं किया जाता तब तक हमें आज़ाद रहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने मुसलमानों को कब्र की गर्मी की परवाह करने की सलाह दी और हिम्मत होते हुए भी कुछ न करने पर जवाबदेही का सवाल उठाया।

## लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर का विवादित पोस्ट, लिखा

**लखनऊ (एजेंसी)।** लखनऊ विश्वविद्यालय के एक और शिक्षक ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट किया है। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत चंदन ने आरएसएस पर निशाना साधा है। अपने पोस्ट में उन्होंने नेहरू का जमकर बखान भी किया। वहीं, दूसरी तरफ प्रोफेसर का विवादित पोस्ट सामने आने के बाद एबीवीपी से जुड़े छात्रों में जबरदस्त आक्रोश है। अहम बात ये है कि ये पहली बार नहीं है जब रविकांत चंदन का नाम विवादों में आए हैं। वे पहले भी विवादों में रहे हैं। साल 2022 में वाराणसी के काशी विश्वनाथ-ज्ञानव्यापी प्रकरण में उन्होंने विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद विश्वविद्यालय कैंपस में स्टूडेंट्स ने उनका जबरदस्त विरोध किया था। 18 मई 2022 को उनसे छात्रों ने मारपीट भी की थी। जिसके बाद एक छात्र को विश्वविद्यालय से निष्कासित कर दिया गया था।

प्रोफेसर रविकांत चंदन ने लिखा है कि मुस्कान और सोनम रघुवंशी जैसी महिलाएं संघी विचार की उपज हैं। ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, डॉ. अंबेडकर ने महिलाओं के हाथ में कलम

और किताब दी। नेहरू ने वो अवसर उपलब्ध कराए। महिलाओं ने शिक्षा हासिल करके सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीने का सलीका सीखा। पिछले दशकों में महिलाओं ने बड़े-बड़े मुकाम हासिल किए। लेकिन आरएसएस ने अपने हिंदुत्व की प्रयोगशाला के लिए बेटियों के हाथों में त्रिशूल और तलवार पकड़ा दी। उनके मन में विधर्मियों के खिलाफ हिंसा और नफरत पैदा की। इसका प्रभाव गुजरात और दिल्ली के दंगों में दिखाई दिया। जाहिर तौर पर इस हिंसा और नफरत का इस्तेमाल भीतर भी होना ही था। आज महिलाएं अगर अपने पतियों की हत्या करवा रही हैं तो इसके लिए सिर्फ और सिर्फ आरएसएस की हिंसा और नफरत की मानसिकता जिम्मेदार है।

### पूर्व छात्र ने हसनगंज थाने में तहरीर दी

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र कार्तिक पांडेय ने हसनगंज थाने में एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत चंदन के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पांडेय ने तहरीर में लिखा- एसोसिएट प्रोफेसर की सोशल मीडिया फेसबुक पर की गई पोस्ट न केवल मानहानि करने वाली है। बल्कि सांप्रदायिक सद्भाव और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाला है।

## संक्षिप्त समाचार

### लॉस एंजिलिस के घटनाक्रम में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए उम्मीद, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम बने हीरो

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिसि में जारी दंगे और हिंसा ने कहीं न कहीं डेमोक्रेटिक पार्टी को नई संजीवनी दी है। दरअसल ट्रंप की लोकप्रियता और उनकी आक्रामक नीतियों के चलते डेमोक्रेटिक पार्टी फिलहाल हाशिए पर है और उन्हें ट्रंप का मुकाबला करने के लिए कोई मुद्दा नहीं मिल रहा था। अब लॉस एंजिलिस की घटना ने डेमोक्रेटिक पार्टी को नई ताकत दी है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम डेमोक्रेटिक पार्टी के हीरो बनकर उभरे हैं। जिस तरह से वे ट्रंप प्रशासन का विरोध कर रहे हैं और लगातार अप्रवासियों के प्रति सहानुभूति जता रहे हैं, उससे उनकी लोकप्रियता बढ़ रही है। गेविन न्यूसम का कहना है कि जिन लोगों को ट्रंप प्रशासन द्वारा गिरफ्तार कर निर्वासित किया जा रहा है, वे अपराधी नहीं बल्कि मेहनती लोग हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ नेता चक शूमर ने भी गेविन की तारीफ की और कहा कि उन्हें गेविन पर गर्व है। वे ट्रंप से डरने से मना कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी अब अप्रवासियों के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन को घेरने की कोशिश करेगी। अमेरिका में एक करोड़ से ज्यादा अप्रवासी हैं, जिनके पास पर्याप्त वैध दस्तावेज नहीं हैं। ट्रंप प्रशासन इन अप्रवासियों के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि उनकी इस नीति का जमकर विरोध भी हो रहा है। लॉस एंजिलिस ने इस विरोध को हवा दे दी है और अब देश के कई हिस्सों में ऐसे विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लॉस एंजिलिस तो बीते हफ्ते से दंगे की चपेट में है। ट्रंप ने हालात को काबू करने के लिए नेशनल गार्ड्स और मरीन कमांडो की तैनाती की है। इससे लोगों में भारी गुस्सा है और इस गुस्से और नाराजगी में ही डेमोक्रेटिक पार्टी को अपने लिए अवसर दिखाई दे रहा है।

### दावा- ईरान पर हमले को तैयार इजराइल: अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट से गैर-जरूरी स्टाफ को हटाया

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** इजराइल, ईरान पर हमले के लिए पूरी तरह तैयार है। उसने अमेरिका को इसके बारे में बता दिया है। यह जानकारी सीबीएस न्यूज ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है। अमेरिका को आशंका है कि अगर इजराइल ने हमला किया, तो ईरान बदले में इराक में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना सकता है। यही वजह है कि अमेरिका ने बुधवार को मिडिल-ईस्ट से कुछ अमेरिकी नागरिकों और अधिकारियों को निकालने का फैसला किया। अमेरिकी विदेश विभाग ने इराक में तैनात गैर-जरूरी सरकारी अधिकारियों को लौटने का आदेश दे दिया है, क्योंकि वहां तनाव बहुत बढ़ गया है। इस बीच, मिडिल-ईस्ट में ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ अभी भी ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम पर छठे दौर की बातचीत की तैयारी कर रहे हैं। यह बातचीत कुछ ही दिनों में होनी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि अमेरिका मिडिल-ईस्ट के कुछ देशों से अपने सैनिकों को हटा रहा है, क्योंकि वहां हालात खतरनाक हो सकते हैं। ट्रम्प ने कहा, हमने नोटिस दे दिया है कि सैनिकों को हटाया जाए। ये इलाके खतरनाक बन सकते हैं, आगे क्या होता है, देखते हैं। दूसरी तरफ ट्रम्प ने ईरान के परमाणु हथियारों से जुड़े कार्यक्रम को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिल सकते। बहुत सीधी बात है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय और सेना ने यह साफ किया था कि इस क्षेत्र से गैर-जरूरी स्टाफ और उनके परिवार को हटा दिया जाएगा, ताकि किसी बड़े संकट की स्थिति में नुकसान से बचा जा सके। इसके साथ ही बहरीन और कुवैत में मौजूद गैर-जरूरी स्टाफ और उनके परिवारों को भी वापस लौटने की छूट दी गई है। इसके साथ ही बहरीन और कुवैत में मौजूद गैर-जरूरी स्टाफ और उनके परिवारों को भी वापस लौटने की छूट दी गई है। ईरान के विदेश मंत्री और वरिष्ठ राजनयिक अब्बास अराघची ने बुधवार को यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है कि अगर वे ईरान के खिलाफ परमाणु कार्यक्रम पर किसी भी तरह का प्रस्ताव पास करते हैं, तो ईरान उसकी कड़ी प्रतिक्रिया देगा। यह बयान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसीकी जून बैठक से पहले आया है।

### हवाई में फिर फटा दुनिया का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी

**हवाई , एजेंसी।** हवाई द्वीप पर मौजूद दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक, किलाउए ज्वालामुखी ने एक बार फिर लावा उगलना शुरू कर दिया है। बुधवार को इसके उत्तर दिशा वाले वेंट से तेजी से लावा निकलने लगा। यह इसी ज्वालामुखी के लगभग छह महीने पहले शुरू हुए विस्फोट की 25वीं कड़ी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस बार लावा की धाराएं 330 फीट (करीब 100 मीटर) तक ऊपर उठीं और कई दिशाओं में बहने लगीं। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के हवाई ज्वालामुखी वेधशाला के अनुसार, इन लावा की ऊंचाई और भी ज्यादा बढ़ सकती है। मंगलवार को विस्फोट से पहले गैस-पिस्टनिंग नाम की प्रक्रिया देखी गई। इसमें ज्वालामुखी के वेंट में गैस इकट्ठा होती है, जिससे लावा का स्तर ऊपर-नीचे होता है। जब गैस दबाव बनाकर बाहर निकलती है, तो लावा स्प्लैश या धाराओं के रूप में बाहर आता है। इस तरह की गतिविधि मंगलवार को हर घंटे 10 बार तक देखने को मिली और फिर बुधवार को यह एक स्थिर डोम फव्वारे में बदल गई, जिससे क्रेटर के फर्श पर लावा फैलने लगा।

# अदालत से ट्रंप को झटका; जज ने कहा- फलस्तीन समर्थक खलील को रिहा करें, अपील का दिया समय

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** संघीय अदालत से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को झटका लगा है। एक संघीय जज ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी और कोलंबिया के पूर्व छात्र महमूद खलील को रिहा करे। हालांकि, जज ने सरकार को अपील दायर करने के लिए शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) तक का समय दिया है। गौरतलब है कि महमूद खलील फलस्तीन के समर्थन में हो रहे प्रदर्शन में शामिल हुए थे, जिसके बाद ट्रंप प्रशासन ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। इस मामले में न्यू जर्सी में अमेरिकी जिला जज माइकल फायरबियार्ज ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को फैसला सुनाया। इस दौरान जज ने सरकार को उसे रिहा करने का निर्देश दिया। हालांकि, खलील को अभी कम से कम शुक्रवार तक जेल में रहना होगा ताकि सरकार के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का समय मिल सके।

**पत्नी को खलील के जल्द घर लौटने की उम्मीद :** खलील के वकील रामजी कासेम ने कहा कि अदालत का फैसला महमूद के अधिकारों को मान्यता देता है, लेकिन जब तक वह अपने परिवार के पास घर नहीं लौट जाते, तब तक हमें राहत नहीं मिलेगी। वहीं, खलील की पत्नी और अमेरिकी नागरिग डॉ. नूर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई है कि खलील जल्द रिहा हो जाएं, ताकि वे अपने बेटे दीन के साथ न्यूयॉर्क में अपना पहला फादर्स-डे मना सकें। उनका बेटा तब पैदा हुआ, जब खलील लुइसियाना

के जेना में संघीय हिरासत केंद्र में बंद थे।

**फैसले के खिलाफ अपील दायर करेगा होमलैंड सुरक्षा विभाग :** दूसरी तरफ, होमलैंड सुरक्षा विभाग ने जज के फैसले के खिलाफ अपील करने की तैयारी शुरू कर दी है। एजेंसी की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा कि आज का फैसला अनुच्छेद 2 के तहत राष्ट्रपति की सांविधानिक रूप से निहित शक्तियों को कमजोर करता है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि उच्च न्यायालय इस मामले में हमें दोषमुक्त करेगा। 8 मार्च को हुई थी महमूद खलील की गिरफ्तारी 8 मार्च को खलील को संघीय आव्रजन एजेंटों ने उनके विश्वविद्यालय के अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी उन छात्रों पर कार्रवाई की शुरुआत थी जो गाजा युद्ध के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद खलील को लुइसियाना की जेल में भेज दिया गया। इसके बाद, खलील के वकीलों ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने की कोशिश कर रहा है, उन्होंने महमूद की हिरासत को अदालत में चुनौती दी। सरकार ने खलील का ग्रीन कार्ड रद्द किया अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि वे खलील को निर्वासित कर सकते हैं, क्योंकि खलील ने अपने आव्रजन आवेदन में जरूरी जानकारी नहीं दी। इसलिए उनका ग्रीन कार्ड रद्द कर दिया गया है। हालांकि, जज ने पहले फैसला सुनाया था कि इन आधारों पर खलील को अमेरिका से निष्कासित करना संभवतः असांविधानिक है। हिरासत से खलील के अधिकारों को हुई अपूरणीय क्षतिः जज बुधवार को अपने नए फैसले में, जज माइकल ने कहा कि खलील की निरंतर हिरासत से करियर, परिवार और उसके मुक्त भाषण अधिकारों को अपूरणीय क्षति हुई है। जज ने पिछले सप्ताह खलील के अदालत में दिए बयान का हवाला दिया कि उनके ग्रीन कार्ड को रद्द करने से उनके कैरियर की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने उनकी नीति सलाहकार के रूप में नौकरी की पेशकश को रद्द कर दिया है। न्यायाधीश ने यह भी उल्लेख किया कि इस निर्णय ने खलील को सांविधानिक रूप से संरक्षित विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने से रोक दिया।

### ऑस्ट्रिया में स्कूल में गोलीबारी के बाद शोक मनाया

**विएना, एजेंसी।** ऑस्ट्रिया के एक स्कूल में हुई गोलीबारी में 10 लोगों की मौत पर देशवासियों ने बुधवार को एक मिनट का मौन रखकर शोक मनाया। इस हमले को अंजाम देने वाले बंदूकधारी ने बाद में आत्महत्या कर ली। हालांकि, इस गोलीबारी को अंजाम देने की उसकी मंशा अब भी अस्पष्ट है। ऑस्ट्रिया ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद देश में सबसे बड़े हमले के बाद तीन दिनी राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। इस बीच, जांचकर्ताओं को संदिग्ध के घर की तलाशी में एक विदाई पत्र और एक निष्क्रिय पाइप बम मिला। पुलिस ने कहा है कि उसने दो हथियारों- एक शॉटगन और एक हैंडगन का इस्तेमाल किया, जो उसने कानूनी रूप से प्राप्त की थीं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि पत्र के आधार पर वे किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाए हैं। ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय ने भी पत्र मिलने की पुष्टि की है। एजेंसी एरिजोना की गवर्नर केटी हॉब्स ने उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया है, जिसके तहत राज्य के सरकारी स्कूलों, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में यहूदी-विरोधी शिक्षा देने पर प्रतिबंध लगाया जाना था। प्रस्ताव में नए नियमों का उल्लंघन करने वाले शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई व मुकदमा चलाने का प्रावधान भी था। डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़ी गवर्नर ने कहा, यह विधेयक यहूदी-विरोध को लेकर नहीं है, बल्कि शिक्षकों पर हमला करने को लेकर है।

### यूनुस के राज में राष्ट्रगान लिखने वाले टैगोर का भी अपमान, उपद्रवियों ने पुश्तैनी घर में मचाया उत्पात

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के राज में अराजकता बढ़ती ही जा रही है। देश के राष्ट्रपिता बंगबंधु मुजीबउर रहमान के अपमान के बाद अब बांग्लादेश के उपद्रवियों ने महान दार्शनिक और लेखक रवींद्रनाथ टैगोर के पुश्तैनी घर में उत्पात मचाया है। बुधवार को सिराजगंज के शहजादपुर में टैगोर को समर्पित एक संग्रहालय में कुछ कर्मचारियों और लोगों के बीच पार्किंग को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसके बाद गुस्साई भीड़ में रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर धावा बोल दिया और तोड़फोड़ भी की। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि परिवार के साथ आए एक पर्यटक का पार्किंग को लेकर म्यूजियम के कर्मचारियों से झगड़ा हो गया। कथित तौर पर कर्मचारियों ने उसे बंधक बना लिया और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद स्थानीय लोग बड़ी संख्या में जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का एक समूह जबरन रवींद्र कचहरीबाड़ी परिसर में घुस गया। यह नोबेल पुरस्कार विजेता टैगोर का खास आवास था। भीड़ ने संग्रहालय के सभागार सहित कई जगहों को नुकसान पहुंचाया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भीड़ में कथित तौर पर जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम से जुड़े लोग शामिल थे। उपद्रवियों ने टैगोर के खिलाफ अपमानजनक नारे लगाए और एक कर्मचारी पर भी हमला किया। हिंसा के बाद पुरातत्व विभाग ने एक जांच समिति बनाई है और समिति को पांच दिनों के भीतर रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया है। वहीं इस ऐतिहासिक स्थल को फिलहाल बंद कर दिया गया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब देश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के खिलाफ पहले से भीड़ सड़कों पर है। सुरक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है और पुलिस ने नियंत्रण बनाए रखने के लिए राजधानी ढाका के कई प्रमुख हिस्सों में सार्वजनिक समारोहों पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच विरोध प्रदर्शन तेज होने के कारण यूनुस के आधिकारिक आवास, जमुना गेस्ट हाउस को सील कर दिया गया है।

## नेपाल में दो मामलों में आठ भारतीय गिरफ्तार

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल की राजधानी काठमांडू में बुधवार को दो अलग-अलग मामलों में आठ भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पहले मामले में आभूषणों के अवैध कारोबार की सूचना पर नेपाल पुलिस ने न्यू रोड पर भारतीय नागरिकों द्वारा संचालित मुन्ना जेम्स एंड ज्वैलर्स में छापा मारा। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान हरिबोर शेख (43 वर्ष), सुरजीत दास (39 वर्ष), तमोल सदरा (40 वर्ष) और एक 16 वर्षीय लड़के के रूप में हुई है। सभी मूलरूप से कोलकाता के रहने वाले हैं। अभी काठमांडो मेट्रोपॉलिटन सिटी में रह रहे हैं। एसएसपी बिश्वो अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के पास से दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के आभूषण और अन्य कीमती पत्थर बरामद हुए हैं। दूसरी ओर नेपाल पुलिस ने काठमांडू के बाहरी इलाके में ग्रांडी अस्पताल के पास सुंधरा से दो भारतीय नागरिकों और तोखा से दो भारतीय नागरिकों को 200 ग्राम ब्राउन हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। तोखा से गिरफ्तार दो आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के शशिक आलम (40 वर्ष) और बिहार के मोहम्मद आलम (20 वर्ष) के रूप में हुई है। गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर हमला करने के कारण दोनों को गोली लगी है।

## ट्रम्प का पाक प्रेम बढ़ रहा, मुनीर को न्योता दिया: यूएस आर्मी की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल होंगे; इमरान की पार्टी विरोध करेगी

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर इस हफ्ते अमेरिका दौरे पर पहुंचेंगे। वे शनिवार यानी 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल होंगे। इस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है। इस मौके पर राजधानी वॉशिंगटन में एक परेड का आयोजन होगा। मुनीर का पहला अमेरिकी दौरा 2023 में हुआ था, तब उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन, तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की थी।

उस वक्त भारत ने कहा था कि पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद का समर्थन और क्रॉस-बॉर्डर हमलों को लेकर हमारी चिंताएं जगजाहिर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अन्य देश भी आतंकवाद के खिलाफ गंभीरता से कदम उठाएंगे। इमरान खान की पार्टी मुनीर का अमेरिका में विरोध करेगी मुनीर के दौरे से पहले ही विरोध के स्वर भी सुनाई देने लगे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ ने इस दौरे के दौरान प्रदर्शन की धमकी दी है। पीटीआई के ओवरसीज अफेयर्स सेक्रेटरी सज्जाद बुरकी ने शनिवार को वॉशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास के बाहर प्रदर्शन की अपील की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- व्हाइट हाउस को बताएं कि इस सरकार के साथ कोई भी समझौता पाकिस्तान की जनता

स्वीकार नहीं करेगी। अमेरिकी मिलिट्री अफसर बोले- पाकिस्तान मजबूत सहयोगी मुनीर के दौरे से पहले पाकिस्तान को लेकर अमेरिका के सुर भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला का कहना है कि अमेरिका को भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ रिश्ते बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना इस्लामी स्टेट खुरासान के खतरे से निपटने के लिए जरूरी है। उन्होंने यह बयान मंगलवार को हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की सुनवाई के दौरान दिया।

जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूत सहयोगी बताया। उन्होंने कहा- अमेरिका को पाकिस्तान और भारत दोनों से रिश्ते रखने होंगे। ये बाइनरी स्विच नहीं है कि एक से रिश्ता रखेंगे तो दूसरे से नहीं रख सकते। हमे रिश्तों के फायदों को देखना चाहिए। रिपोर्ट्स का अनुमान- मुनीर के दौरे के पीछे चीन फैक्टर मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनीर के दौरे की वजह चीन से भी जुड़ी हो सकती है। बीते कुछ वक्त में पाकिस्तान और चीन की नजदीकी बढ़ गई है। अमेरिका मुनीर को अपने यहां परेड में शामिल करके अमेरिका चीन के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान में लीथियम, तांबा, सोना और दुर्लभ खनिजों का भंडार है, लेकिन उसके पास जरूरी टेक्नोलॉजी और लागत की कमी है। ऐसे में पाकिस्तान में अमेरिका के लिए निवेश का मौका बन सकता है। मुनीर का दौरा अमेरिका और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण सुरक्षा संबंधों को सुधारने की कोशिश भी हो सकता है।

## पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा, अमेरिका ने अपने अतिरिक्त सैनिकों और उनके परिवारों को वापस बुलाया

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है। एक तरफ इस्राइल और हमास के बीच लड़ाई जारी है। वहीं ईरान और इस्राइल में भी तनातनी बढ़ रही है। अमेरिका के साथ ईरान की परमाणु समझौते पर भी बातचीत पटरी से उतरती दिख रही है। ऐसे में बिगड़ते हालात के बीच अमेरिका ने एक बड़ा कदम उठाया है और पश्चिम एशिया से अपने गैर जरूरी और अतिरिक्त सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

**सैनिकों के परिजनों को भी निकाला जा रहा :** इस्राइली मीडिया के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि अपनी ताजा समीक्षा के बाद हमने इराक स्थित अपने दूतावास से कर्मचारियों की संख्या घटाने का फैसला किया है। साथ ही बहरीन और कुवैत से भी अतिरिक्त सैनिकों और दूतावास कर्मचारियों के साथ ही उनके परिवार के लोगों को भी बुलाने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी अतिरिक्त कर्मचारियों को पश्चिम एशिया से वापस बुलाने की मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा कि हमारे लोगों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे अहम है।

**पश्चिम एशिया में बढ़ रहा तनाव :** गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर काफी बातचीत के बाद भी सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं ईरान तेजी से परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे इस्राइल में चिंता का माहौल है। राष्ट्रपति ट्रंप के एक हालिया बयान ने चिंता को और बढ़ाया है। सैनिकों के परिवारों और अतिरिक्त कर्मचारियों को पश्चिम एशिया से वापस बुलाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया एक खतरनाक जगह हो सकती है। इसलिए हमने नोटिस दिया है कि लोग वापस आ सकते हैं। बाकी हम देखेंगे कि आगे क्या करना है। अमेरिकी विदेश विभाग पेंटागन के साथ मिलकर समन्वय से काम कर रहा है और इराक, बहरीन, कुवैत के साथ ही इरबिल, इराकी कुर्दिस्तान में स्थित अमेरिकी दूतावासों से अतिरिक्त कर्मचारियों को वापस बुलाया जा रहा है।

## 6500 किमी की यात्रा, राजाओं की तरह स्वागत; घोड़े पर सवार होकर मक्का पहुंचे हज यात्री

**मक्का , एजेंसी।** इस वर्ष हज के लिए सऊदी अरब पहुंचे 15 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों में से सिर्फ तीन ऐसे थे जिन्होंने यह यात्रा घोड़े की पीठ पर तय की। वह भी स्पेन से मक्का तक लगभग 4,000 मील का सफर पूरा कर तीनों हज के लिए पहुंचे। तीनों स्पेनिश मुस्लिम तीर्थयात्री अब्देलकादेर हर्कासी आइदी, अब्दुल्ला राफाएल हर्नान्देज़ मानचा और तारिक रोड्रिग्ज ने इस ऐतिहासिक यात्रा को हज ऑन हॉर्सबैक नाम दिया है। इस अनोखी यात्रा की तैयारी में चार साल लगे, जिसमें घोड़े पालने, अभ्यास यात्रा करने और फंड इकट्ठा करने जैसे कई चरण शामिल थे। उन्होंने अक्टूबर 2024 में दक्षिणी स्पेन से घोड़े लेकर प्रस्थान किया और 12 देशों से होते हुए मक्का पहुंचे। रास्ते में इटली के बर्फीले टनलों, बोस्निया के बारूदी सुरंगों से भरे इलाकों, और सीरिया के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से गुजरते हुए उन्हें कई जानलेवा कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

**सोशल मीडिया से मिली ताकत :** इस यात्रा को सोशल मीडिया पर जबरदस्त लोकप्रियता मिली। 345,000 से ज्यादा इंस्टाग्राम फॉलोअर्स, 250,000 से अधिक टिकटॉक फॉलोअर्स और 5.5 लाख से अधिक व्यूज हैं। कई लोग उनकी मदद के लिए आगे आए। लोगों ने खाना, रहने की जगह और आर्थिक सहायता दी। एक अमेरिकी कलाकार ने उनके लिए अरबी शैली में एक प्रतीक चिन्ह भी डिजाइन किया। हर देश में सीमाओं पर परेशानी हुई।

घोड़ों को अलग करना पड़ा। स्थानीय घोड़े उधार लेने पड़े। कभी-कभी अधिकारियों की अनुमति लेना कठिन हो गया। फिर भी हर देश में मिले सामान्य लोगों के स्नेह और मदद ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। सऊदी अरब में अधिकारियों ने इन तीर्थयात्रियों का स्वागत राजाओं की तरह किया। मक्का पहुंचने के बाद उन्होंने लिखा, शब्दों में वह भावना नहीं समा सकती जो हमें यहां खड़े होकर महसूस हो रही है। हम प्रार्थना करते हैं कि हर मुसलमान को यह अवसर प्राप्त हो। अब यह तीर्थयात्री अपनी इस यात्रा पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाने की योजना बना रहे हैं।

## व्हाइट हाउस- ट्रम्प ने मस्क की माफी स्वीकार की, मस्क बोले थे- पछतावा है; उपराष्ट्रपति वेंस ने लड़ाई खत्म करने की पहल की थी

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मस्क की माफी को स्वीकार कर लिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को प्रेस को बताया कि- राष्ट्रपति ने मस्क के पोस्ट को सराहा। हम अब अमेरिका के जनता पर ध्यान दे रहे हैं। मस्क के सरकारी अनुबंधों की समीक्षा के बारे में पूछने पर प्रेस सचिव ने कहा कि अभी तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है। सीएनएन के अनुसार, मस्क ने 9 जून की रात ट्रम्प से फोन पर बात की थी। इससे पहले 6 जून को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स ने मस्क से फोन पर बात की थी। इस बातचीत में वेंस ने मस्क से विवाद खत्म करने की पहल की थी। दरअसल, मस्क ने डोनाल्ड ट्रम्प से बहस को लेकर खेद जताया था। उन्होंने 11 जून को इसे लेकर एक सोशल मीडिया ङ्ग पर एक पोस्ट किया था। मस्क और ट्रंप के बीच विवाद से टेस्ला के शेयरों में गिरावट आई, जो इस साल 19त्न नीचे हैं। जो लगभग 300 बिलियन डॉलर (26 लाख करोड़) के बराबर है। यूरोप, चीन और अमेरिका में टेस्ला की बिक्री घटी है, क्योंकि मस्क की दक्षिणपंथी राजनीति से ग्राहक दूरी बना रहे हैं। मस्क ड्राइवरलेस तकनीक पर जोर दे रहे हैं, लेकिन यह तकनीक शुरुआती चरण में है। ट्रंप के साथ तनाव से टेस्ला की रोबोटैक्सी योजनाओं पर असर पड़ सकता है। मस्क ने पिछले कुछ पोस्ट में उन्होंने ट्रम्प के बयानों और नीतियों का समर्थन भी किया है। उन्होंने लॉस एंजिलिस में अवैध अप्रवासियों पर हुई छापेमारी को लेकर खुशी भी जताई। इससे पहले एक इंटरव्यू में जब अमेरिका के

राष्ट्रपति ट्रम्प से मस्क को लेकर सवाल पूछा गया था, तो उन्होंने बेहद शांत लहजे में जवाब दिया। ट्रम्प ने कहा, हमारे बीच अच्छे संबंध थे और मैं बस उनके अच्छे होने की कामना करता हूं। ट्रम्प का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इससे ही जुड़े एक वीडियो पर इलॉन मस्क ने 'रेड हार्ट' इमोजी कमेंट किया था।

**ट्रम्प से जुड़ी अपनी पोस्ट हटा चुके हैं मस्क :** मस्क पहले ट्रम्प के खिलाफ की गई अपनी कुछ पुरानी पोस्ट हटा चुके हैं। उन पोस्ट में ट्रम्प का रिश्ता एक यौन अपराधी एप्स्टीन से जोड़ा गया था। इसके अलावा ट्रम्प के महाभियोग की भी मांग की थी। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने 7 जून को कहा था कि उनका इलॉन मस्क के साथ रिश्ता खत्म हो गया है। हृक्ष्ट न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने मस्क को चेतावनी दी थी कि अगर विपक्षी डेमोक्रेट्स का साथ दिया तो गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

**बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर भिड़े थे मस्क और ट्रम्प :** ट्रम्प और मस्क 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर आमने-सामने आ गए थे। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। यह बिल हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 22 मई को सिर्फ 1 वोट के अंतर से पास हो चुका है। इसके समर्थन में 215 और विरोध में 214 वोट मिले थे। अब यह सीनेट में विचाराधीन है, जहां इसे 4 जुलाई 2025 तक पास किया जाना है। मस्क अब ट्रम्प के इस विधेयक के रास्ते में बड़ी रुकावट बनते दिख रहे हैं। ट्रम्प का दावा है कि यह 'देशभक्ति से भरा हुआ' कानून है। इसके पारित होने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और चीन पर निर्भरता घटेगी। जबकि मस्क इसे पोर्क फिल्ड यानी कि बेकार खर्चों से भरा बिल मानते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बिल को पास होने से रोकने के लिए मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के 3 सांसदों को अपनी तरफ कर लिया है।

# संभावनाओं को सच में तब्दील करने को योगी सरकार प्रतिबद्ध

लखनऊ। योगी सरकार के प्रयासों से आने वाले समय में यूपी में पर्यटन को और पंख लगेंगे। द वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्लूटीटीसी) ने राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन के परिदृश्य के बारे में जो पूर्वानुमान जताया है उससे तो इस बात के पुख्ता संकेत मिल रहे हैं। इन संकेतों में छिपी संभावनाओं को सच में तब्दील करने को योगी सरकार पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से प्रतिबद्ध भी है। प्रदेश में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की आमद बढ़ने के साथ ही इनके द्वारा यात्रा, रहने, खाने और यादगार के रूप में स्थानीय उत्पादों के खरीदे जाने से अर्थव्यवस्था तो सुधरेगी ही, इससे जुड़े ट्रांसपोर्टेशन, होटल, होम स्टे, गाइड आदि सेक्टर्स में रोजी-रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 के राष्ट्रीय पर्यटन संबंधी आंकड़े 2019 के सभी मानकों को पीछे छोड़ चुके हैं। संस्था ने 2030 तक के लिए जो पूर्वानुमान जताए हैं वे बेहद ही संभावनाओं वाले हैं। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या, राधाकृष्ण की जन्मभूमि और कर्मस्थली ब्रजभूमि उत्तर प्रदेश में ही है। तीरथराज प्रयाग, विश्व की सबसे पुरातन नगरी एवं तीनों लोकों से न्यारी शिव की काशी, दुनिया को शांति और अहिंसा के संदेश से प्रकाशित करने वाले भगवान बुद्ध से जुड़े सभी प्रमुख स्थल कुशीनगर, सारनाथ, कपिलवस्तु भी उत्तर प्रदेश में हैं। इन सब वजहों से देश में बढ़ते पर्यटन के कारण यूपी में पर्यटन की संभावना भी बढ़ जाती है। यह हो भी रहा है। सरकारी आंकड़े इसकी तस्दीक भी कर रहे हैं। ऐसा हो इसके लिए संभावना वाले टूरिज्म स्पॉट को केंद्र बनाकर योगी सरकार पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए वैश्विक स्तर की बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है। प्राथमिकता बनाकर चरणबद्ध तरीके से यह काम हो भी रहा है। इसमें केंद्र सरकार का भी विभिन्न योजनाओं के जरिये भरपूर सहयोग मिल रहा है। इन आंकड़ों में ही उत्तर प्रदेश के टूरिज्म सेक्टर की भी संभावनाएं छिपी हैं। खासकर धार्मिक पर्यटन के लिहाज से। सरकार भी इसे जानती और स्वीकार करती है। इसीलिए ऐसे स्थलों के विकास पर उसका सर्वाधिक फोकस भी है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसार, धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने के प्रयास न केवल आस्था को आह्लादित करते हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाते हैं। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन, प्रसाद तथा रामायण, कृष्ण, बौद्ध सर्किट जैसी योजनाओं ने पर्यटन विकास को गति दी हैं। उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने इन क्षेत्रों में सड़क, परिवहन, रुकने की सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। पर्यटन के प्रति बढ़ते रुझान और सरकार की प्रभावशाली नीतियों के चलते प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों में अभूतपूर्व वृद्धि के साथ स्थानीय स्तर पर युवाओं के लिए रोजी-रोजगार के अवसर बढ़े हैं। स्थानीय हस्तशिल्प एवं स्थान विशेष की पहचान बने उत्पादों को खूब लाभ मिला है। इन पर्यटन स्थानों में हुए विकास से युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स को भी नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नि:संदेह उत्तर प्रदेश ने अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित एवं पुनरुद्धार कर पर्यटन के नए हब के रूप में अपनी पहचान बनाई है। 4560 करोड़ रुपये की लागत से धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले 272

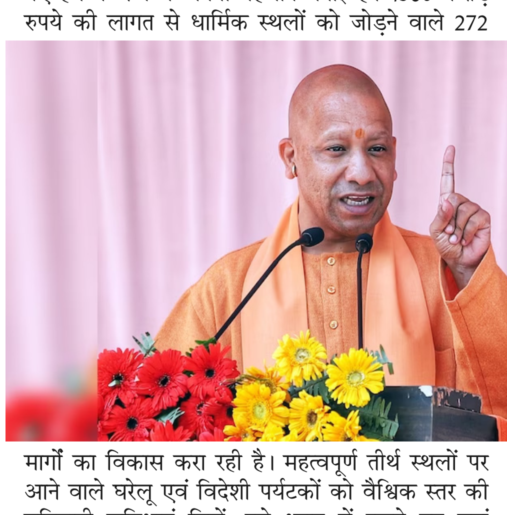

मार्गों का विकास करा रही है। महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों पर आने वाले घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों को वैश्विक स्तर की बुनियादी सुविधाएं मिलें, इसे ध्यान में रखते हुए वहां विकास कार्य हो रहे हैं। मसलन लखनऊ, प्रयागराज, कपिलवस्तु में हेलीपोर्ट सेवा शुरू हो चुकी है। कुछ अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों को भी शीघ्र ही इस सेवा का लाभ मिलने लगेगा। अयोध्या शोध संस्थान का उच्चीकरण, अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान की स्थापना भी हो रहा है। कुशीनगर में बुद्धा थीम पार्क परियोजना, सीतापुर स्थित नैमिषारण्य तपोस्थली पर वेद विज्ञान अध्ययन केंद्र की स्थापना के साथ नैमिष तीर्थ एवं शुक्र तीर्थ का पुनरुद्धार किया गया है। गोरखपुर में परमहंस योगानंद जी की जन्मस्थली के पुनरोद्धार के साथ गंगा के किनारे जिस श्रृंगवेरपुर में वनगमन के दौरान भगवान श्रीराम और निषादराज गुहा का मिलन हुआ था, जहां से वे गंगा पार कर प्रयागराज होते हुए चित्रकूट गए थे उसे सरकार पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर रही है। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में पड़ने वनगमन मार्ग के उन सभी प्रमुख स्थलों को विकसित कर रही है जहां राम ने पत्नी सीता एवं भाई लक्ष्मण सहित कुछ समय गुजारे थे। पूरे वनगमन मार्ग पर उसी तरह के पौधरोपण की भी योजना है जिनका जिक्र तुलसीदास के रामचरित मानस या अन्य धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। पर्यटकों को लुभाने के लिए सरकार चित्रकूट, बरसाना एवं अष्टभुजा-कालीखोह में पीपीपी मॉडल पर रोपवे परियोजनाओं की शुरुआत कर चुकी है। प्रयागराज और काशी में भी सरकार रोपवे शुरू करेगी। कॉरिडोर, विकास परिषद एवं सर्किट बनाकर योगी सरकार प्रमुख तीर्थ स्थलों समेत टूरिज्म के लिहाज से महत्वपूर्ण अन्य स्थानों का भी विकास करा रही है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम, मीरजापुर जिले में स्थित विंध्य धाम कॉरिडोर, बरेली स्थित नाथ कॉरिडोर के जरिये इन जगहों का विकास किया जा रहा है। कुछ जगहों पर काम हो चुका है। बाकी में युद्ध स्तर पर जारी है सरकार ने इसी उद्देश्य से तीर्थ विकास परिषदों का भी गठन किया है। श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद, श्री देवीपाटन तीर्थ विकास परिषद, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, श्री विंध्य धाम तीर्थ विकास परिषद, श्री चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद,उत्तर प्रदेश श्री शुक्र तीर्थ विकास परिषद इसके उदाहरण हैं। नियोजित विकास के लिए, योगी सरकार ने अलग-अलग पर्यटन सर्किट बनाएं हैं। इनमें रामायण, महाभारत बौद्ध, शक्तिपीठ, जैन, आध्यात्मिक, कृष्ण ब्रज, सूफी कबीर धार्मिक लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा हाल के वर्षों में लोगों की पसंद बने एडवेंचर, इको टूरिज्म के लिए बुंदेलखंड एवं वाइल्ड लाइफ इको टूरिज्म सर्किट भी हैं। प्रदेश की बेहद संपन्न परंपरा को टूरिज्म के जरिये बढ़ावा देने के लिए शिल्प सर्किट भी है। स्थान विशेष पर परंपरागत रूप से चले आ रहे मेलों को प्रोत्साहन देने के लिए योगी सरकार ने कुछ मेलों का प्रांतीयकरण भी किया है। इसमें अयोध्या में लगने वाला मकर संक्रांति एवं बसंत पंचमी, बुलंदशहर के अनूप शहर में लगने वाला कार्तिक पूर्णिमा, गंगा स्नान मेला और हाथरस में आयोजित होने वाला लख्खी मेला श्री दाऊजी महराज।

# मुख्यमंत्री ने आई.टी.बी.पी. भानु ने पंचकूला में आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया

चंडीगढ़, 13 जून: हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को ऐतिहासिक बनाने के लिए जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। 21 जून को प्रदेश के 22 जिलों और 121 खंडों में एक साथ आयोजित होने वाले योग कार्यक्रमों में 11 लाख से अधिक लोग भाग लेंगे। इस वर्ष का राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के पवित्र ब्रह्मसरोवर पर आयोजित किया जाएगा, जहां भगवान श्री कृष्ण ने संसार को कर्म का उपहार दिया था। इस ऐतिहासिक स्थल पर आयोजित योग सत्र में स्वयं गुरु स्वामी रामदेव उपस्थित रहेंगे और लोगों को योगाभ्यास करवाएंगे। इस आयोजन में एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके माध्यम से न केवल योग को जन-जन तक पहुंचाया जा सकेगा, बल्कि एक नया विश्व कीर्तिमान भी स्थापित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री भानु के पंचकूला स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल प्राथमिक प्रशिक्षण केन्द्र में आयुष विभाग, हरियाणा योग

आयोग एवं आईटीबीटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री, अन्य अतिथियों एवं आईटीबीपी के जवानों ने अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में जान गंवाने वालों के प्रति दो मिनट का मौन रखकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। श्री नायब सिंह सैनी ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवानों के अद्वितीय योगदान को नमन करते हुए कहा कि यह स्थान अनुशासन, सेवा, त्याग और देशभक्ति की जीवंत परंपरा है। हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में दिन-रात पूर्वोत्तर सीमाओं की रक्षा करते हैं। आपदा राहत, बचाव कार्यों, आंतरिक सुरक्षा सहित अंतरराष्ट्रीय खेलों में आईटीबीपी के जवानों की भागीदारी हमेशा अग्रणी रही है। उन्होंने हरियाणा योग आयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि आयोग केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए योग को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही खिलाड़ियों को योगासन में तैयार भी कर रहा है। आज का योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह आगामी 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 से एक सप्ताह पहले आयोजित किया जा रहा है। योग हमें अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने के साथ-साथ टीम भावना, आपसी सहयोग और अनुशासन भी सिखाता है, इसलिए योग और जवानों के बीच गहरा संबंध है।

# इंजीनियर विकास योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रदेश के सभी विभागों में कार्यरत इंजीनियरों का आह्वान किया कि राज्य की विकास से जुड़ी प्रत्येक योजना समय पर पूरी हो और आम जन तक उसका शतप्रतिशत लाभ पहुंचे। इंजीनियर आधुनिक समय के विश्वकर्मा हैं जो जीवन को सरल, सुगम ओर सुरक्षित बना रहे हैं। शुक्रवार को उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के द्वादश द्विवार्षिक महाधिवेशन में मुख्यमंत्री ने 23 सूत्री मांग पर सुनने के बाद यह भी कहा कि आज दो तीन घोषणाएं नहीं करेंगे बल्कि संघ पूरे मांग पत्र पर सकारात्मक रूप से बिंदुवार मंथन करने के बाद हर जायज मांग को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा गढ़ी कैंट में नींबूवाला में स्थित हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र में आज अधिवेशन का दूसरा दिन अहमदाबाद विमान हादसे की वजह से बेहद सादगी के साथ आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री के साथ सभी अधिकारियों और डिप्लोमा इंजीनियरों ने दो मिनट का मौन रख हादसे का शिकार बने लोगों को श्रद्धाजंलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे की वजह से उन्होंने अपने ज्यादातर कार्यक्रम स्थगित कर दिए थे। लेकिन महासंघ में सैकड़ों लोगों के प्रदेश भर से आने की वजह से यहां आने का निर्णय किया। कहा कि जहां डाक्टर जीवन को बचाने का काम करते हैं, शिक्षक जीवन को संवारने का काम करते हैं, इंजीनियर जीवन को सरल, सुगम और सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जबसे उन्हें प्रदेश के मुख्य सेवक की जिम्मेदारी मिली है, तब से ही वो हर समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। इंजीनियरों की कई मांगों को पहले भी पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, जबरन धर्मांतरण विरोधी कानून आदि अपने ऐतिहासिक फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि आज उत्तराखंड तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होने की ओर बढ़ रह है। राज्य के फैसले दूसरे राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं। मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने इंजीनियरों को अधिवेशन की बधाई देते हुए उनसे निर्माण स्थल के सतत निरीक्षण और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने की अपील की। कहा कि सृजन के वक्त ऐहतियात बरतने से योजना का निर्माण भी बेहतर होता है। मुख्य सचिव ने सलाह देते हुए कहा कि सभी लोग वक्त के अनुसार अपने ज्ञान, कौशल को भी अपडेट करते रहें। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने संघ की पुस्तक का विमोचन भी किया। महामंत्री मुकेश रतूड़ी ने सीएम का सम्मान पत्र ओर संघ के मांगपत्र को पढ़ा। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष एसएस चौहान, राज्य कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष अरुण पांडे, महामंत्री शक्ति भट्ट, पीसी जोशी, हरीश नौटियाल, वाहन चालक संघ अध्यक्ष सबर सिंह, पीएस रावत, मिनिस्टीरियल एसोसिएशन से मुकेश बहुगुणा, वीएस रागंढ़, वीडी जोशी, भरत सिंह डांगी आदि मौजूद रहे।

# गाजियाबाद से आएगी रिज पर लगने वाली वीरभद्र की प्रतिमा

शिमला, 12 जून। राजधानी शिमला के रिज मैदान पर लगने जा रही पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की प्रतिमा को गाजियाबाद में बनवाया गया है। इसे दिवंगत वीरभद्र सिंह की जन्मतिथि के उपलक्ष्य पर 23 जून को रिज मैदान पर लगाया जा रहा है। पहले इसका खर्च खुद राजा वीरभद्र सिंह फाउंडेशन ने उठाने की बात की थी, मगर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इसे सरकारी खर्च पर लगाने के निर्देश दिए तो अब इसे राज्य लोक निर्माण विभाग की ओर से लगवाया जा रहा है। इस प्रतिमा को लगवाने और वीरभद्र सिंह की जन्म तिथि पर अन्य आयोजनों पर चर्चा के लिए 15 जून को राज्य अतिथि गृह पीटरहॉफ शिमला में फाउंडेशन की ओर से एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया जा रहा है। वीरभद्र सिंह के बेटे और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को भी आमंत्रण दे चुके हैं। उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी न्योता दिया है। यही नहीं, विक्रमादित्य सिंह राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को आमंत्रण दे चुके हैं। विक्रमादित्य सिंह ने अपने सोशल मीडिया पर एकाउंट पर सभी प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर पर सुबह दस बजे शिमला के ऐतिहासिक मैदान पर दस बजे आकर इस पल के साक्षी बनें। वीरभद्र सिंह का जो योगदान हिमाचल प्रदेश के विकास में रहा है और इसे अलग पहचान देने में रहा है। यह गैर राजनीतिक कार्यक्रम है। इसमें नई दिल्ली से कांग्रेस के सभी नेताओं के अलावा समस्त दलों के मुख्य नेताओं और सभी लोगों को बुलाया गया है। सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर श्रद्धांजलि देने के लिए आमंत्रित किया गया है।

## केंद्र सरकार की 11 साल की उपलब्धियों पर लगाई प्रदर्शनी

सोनीपत, 12 जून। केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा गुरुवार को लघु सचिवालय परिसर स्थित सरल केंद्र में तीन दिवसीय भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने फीता काटकर किया। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि यह प्रदर्शनी विकसित भारत की दिशा में देश की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें संयुक्त रूप से कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से नागरिकों को न केवल सुविधाएं प्राप्त हुई हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भर और सशक्त भी बने हैं। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने देश की सुरक्षा और अखंडता को मजबूत करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।

# दिल्ली वालों को गर्मी से नहीं मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 12 जून। इन दिनों उत्तर भारत के कई राज्य समेत राजधानी दिल्ली और एनसीआर में गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट को बदलकर रेड अलर्ट में तब्दील कर दिया। यानी गर्मी का कहर बढ़ सकता है। हालांकि गुरुवार रात को दिल्ली-एनसीआर में आंधी और हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। इसके बावजूद शुक्रवार को तापमान 45 डिग्री रहने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि, दिल्ली-एनसीआर के लोगों को इस वीकेंड पर गर्मी से राहत मिल सकती है। बुधवार को न्यूनतम तापमान में मामूली कमी आई। लेकिन, नमी का स्तर बीते मंगलवार की तुलना में अधिक रहा। इसकी वजह से भले अधिकतम तापमान 43.3 डिग्री रहा, लेकिन लोगों ने 50.8 डिग्री वाली गर्मी महसूस की। अधिकतम तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री रहा। लगातार तीसरे दिन राजधानी में कुछ जगहों पर लू की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग का कहना है कि,दिल्ली-एनसीआर के कुछ क्षेत्रों में 14 से 17 जून तक तापमान में थोड़ी कमी आएगी। इस दौरान रात को हल्की बारिश की संभावना है। बारिश की गतिविधियां 16 और 17जून को अधिक होंगी। 14 और 16 जून को आंधी के दौरान हवाओं की गति 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है। 14 से 17 जून के बीच अधिकतम तापमान 37 से 42 और न्यूनतम 26 से 29 डिग्री तक रह सकता है। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर का कहना है कि, दिल्ली-एनसीआर के तापमान में गुरुवार-शुक्रवार को मामूली बदलाव देखने को मिल सकता हैं, लेकिन अगले 2-3 दिनों में पारा अचानक नीचे नहीं आएगा। वीकेंड तक तापमान में लगभग 2 डिग्री की गिरावट आ सकती है। इस समय पंजाब और आस-पास के सीमावर्ती क्षेत्रों पर एक कमजोर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। आमतौर पर दिल्ली के पास बनने वाली पूर्व-पश्चिम की ट्रफ लाइन इस समय सक्रिय नहीं है। पश्चिमी विक्षोभ भी बहुत कमजोर है और पर्वतीय क्षेत्रों में ही सीमित है, इसलिए यह दिल्ली और मैदानी इलाकों के मौसम पर कोई असर नहीं डाल रहा है। हालांकि पिछले तीन दिनों में बढ़ी हुई गर्मी से प्री-मानसून गतिविधियों की संभावना को बढ़ा दिया है। लेकिन अगले 3-4 दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। दिल्ली आने वाले दिनों में भी तेज गर्मी की चपेट में बनी रहेगी।


## अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नीरज शर्मा S/o स्व. टेक चंद शर्मा पताः ए-6-302, गार्डेनिया ग्लोरी सेक्टर-46, नोएडा यूपी और डी-102 टीडीआई सिटी मुरादाबाद यूपी ने सीटी केस संख्या 6976/2019 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत** थानाः कंझावला, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नीरज शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नीरज शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीटी केस संख्या 6976/2019 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत थाना कंझावला, दिल्ली के उक्त नीरज शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

**आदेशानुसार**
**अपूर्व भारद्वाज**
**न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी**
**(उत्तरी वेस्ट) कोर्ट नं.113, प्रथम तल**
**रोहिणी न्यायालय, दिल्ली**

DP/7425/RD/2025

## NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT. LTD.
**Corp. Off.: ROF Group, Building No. 80, First Floor, Sector-44, Gurgaon-122003, Ph. 0124-4399399**

Notice is hereby given to the Public at large that the following booking of residential apartments in the Affordable Housing Project "ROF AALAYAS -II" being developed by M/s NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT.LTD situated at Sector 102, Gurugram , Haryana vide license no. 82 of 2018 dated 06.12.2018 has been cancelled due to non –payment of installments or allotment amount by successful allottee (s ) of their apartments till its due date or any other reason, the information/reminders of which has been given them according to terms of the Haryana Affordable Housing Policy 2013, dated 19/8/2013 (as amended ).

| Application No. | Carpet Area(Sq. Ft.) | Apartment No. |
|---|---|---|
| 1114 | 645, 3 BHK (TYPE-13) | J-503 |

Therefore, all the person/allottee (s) are hereby informed to submit claims/objections in writing, if any, for the cancellation of the said apartments to the undersigned company/developer along with the relevant documents to support their claims/ objections within 7 days from the date of publication hereof.

In the absence of any claim within the stipulated period above, it shall be presumed and/or deemed that the allottee (s) or concern has no such claims/objections by virtue of this notice and, if any, the same have been waived or abandoned without any reference to such claims/objections made thereafter and necessary action will be taken as per rules for the process of re-allotment.

For NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT.LTD
Place: Gurugram (Haryana) Director

## नाम परिवर्तन

सूचित करना है कि मैं प्रीति दुबे उम्र 35 वर्ष पत्नी Army No 15712141A हवलदार अजय कुमार निवासी ग्राम-सकरौला, पोस्ट-भरखनी, जिला-हरदोई, उत्तर प्रदेश, की निवासी हूँ, शपथपूर्वक यह बयान करती हूँ कि मेरा नाम अन्य दस्तावेजों में प्रीति दुबे अंकित है और कुछ दस्तावेजों में प्रीति देवी अंकित है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रीति देवी और प्रीति दुबे दोनों मेरे ही नाम हैं और मुझे प्रीति दुबे के नाम से जाना जाये।

## NAME CHANGE

I, MAYA STEPHIN is legally wedded spouse of No. 15728138K Rank-NAIK Name- STEPHIN FRANCIS R/o VALIA VEETIL HOUSE, KIZHAKKE ANGADI, KUNNAMKULAM, P O-KUNNAMKULAM, H O-THRISSUR, KERALA-680503 have changed my name from MAYA STEPHIN to MAYA VARGHESE for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13/06/2025. Before Notary Public New Delhi.

## NAME CHANGE

I, KHEM RAJ GAUTAM S/o GOPAL R/o 9, MAN SINGH ROAD, NIRMAN BHAWAN, CENTRAL DELHI, DELHI-110011 have changed my minor son's name from PRINCE B K to PRINCE GAUTAM for all future purposes.

## PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client (1) Mr. Harish Sharma S/o Mr. Om Prakash Gaur & (2) Mr. Lavish Gaur S/o Mr. Satish Gaur are the owner of Freehold Residential Plot No. C-38 area measuring 250 sq. Yds. i.e. 209 Sq. Mtrs. out of Killa No. 11 & 12 Mu. No. 10, Situated at Revenue Estate of Village Msatiala Delhi State Delhi Colony Known as Mansa Ram Park, in Block-C, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Sale Deed dated 10.01.2025 Vide Doc. No. 2025/25/I/1104, Vol. No. 13626, Book No. 1, Pages No. 69-88, SR-West Janakpuri., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Third Floor with Roof Rights Back Side LHS Portion area measuring 55 sq. Yard. sold too be Mr. Chetan Madan & Mr. Shrik Madan and same has been finance by IndusInd Bank Ltd. Branch: Janakpuri New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432



## PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client (1) Mr. Harish Sharma S/o Mr. Om Prakash Gaur & (2) Mr. Lavish Gaur S/o Mr. Satish Gaur are the owner of Freehold Residential Plot No. C-38 area measuring 250 sq. Yds. i.e. 209 Sq. Mtrs. out of Killa No. 11 & 12 Mu. No. 10, Situated at Revenue Estate of Village Msatiala Delhi State Delhi Colony Known as Mansa Ram Park, in Block-C, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Sale Deed dated 10.01.2025 Vide Doc. No. 2025/25/I/1104, Vol. No. 13626, Book No. 1, Pages No. 69-88, SR-West Janakpuri., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Third Floor with Roof Rights Back Side LHS Portion area measuring 55 sq. Yard. sold too be Mr. Chetan Madan & Mr. Shrik Madan and same has been finance by IndusInd Bank Ltd. Branch: Janakpuri New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432



## PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 06.11.2020 EXECUTED BY OM DUTT SHARMA HUF THROUGH KARTA MR. OM DUTT SHARMA IN FAVOUR OF MRS. ARTI SRIVASTAVA IN RESPECT OF RESIDENTIAL PLOT NO. 135, LAND AREA MEASURING 50 SQ. YARDS., PART OF KHASRA NO. 439, SITUATED AT SHIVA FILM CITY COLONY, IN THE VILLAGE ACCHEJA, PARGANA AND TEHSIL DADRI DISTRICT GAUTAM BUDH NAGAR U.P, DULY REGD. AS DOC. NO. 20517 IN BOOK NO. 1, VOL. NO. 16165 ON PAGES NO. 261-280 ON DT. 06.11.2020 IN THE OFFICE OF SRO- DADRI, HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MRS. ANITA SINGH W/O MR. HEMANT SINGH, R/O P 135, KH NO. 439, SHIVA FILM CITY, ACHEJA, U.P. AND SAID OWNER MRS. ANITA SINGH PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 17.06.2021 EXECUTED BY MRS. ARTI SRIVASTAVA NOW MR. ANKIT SON OF MR. RAMESH KUMAR, R/O SANTOR SARUPGARH (160) BHIWANI HARYANA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. ANITA SINGH, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED DT. 06.11.2020 IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

**ADITYA VERMA, ADVOCATE**
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

## सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, कृष्णा पाल पुत्र श्री लखमी चंद और जागृती धर्मपत्नी श्री कृष्णा पाल निवासी मकान नंबर 3, गली नो. 6/C, मोलर बंद विस्तार, बदरपुर, साउथ दिल्ली, दिल्ली -110044 ने अपने पुत्र दीपेश उम्र लगभग 25 वर्ष और उसकी पत्नी सोनिया पांचाल उम्र लगभग 24 वर्ष को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का उनसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उनसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

## NAME CHANGE

I hitherto known as Pradeep Kumar Kushwaha S/O Dhanu Mahto R/O F/B-4, Phase-3, JJ Cluster, Madanpur Khadar, Sarita Vihar, PO Sarita Vihar, Dsit South Delhi, Delhi-110076 have changed my name and shall hereafter be known as Pradeep Prasad.

## NAME CHANGE

I, KHEM RAJ GAUTAM S/o GOPAL R/o 9, MAN SINGH ROAD, NIRMAN BHAWAN, CENTRAL DELHI, DELHI-110011 have changed my minor daughter name from SHIVANYA BK to SHIVANYA GAUTAM for all future purposes

## PUBLIC NOTICE

I hitherto known as RAMAN KUMAR S/O B S PRABHAKAR R/O H.No-3141, Gali No- 71-A, Block-E2, Molarband Extn., Badarpur, South Delhi, Delhi-110044, have changed my name and shall hereafter be known as RAMAN PRABHAKAR.

## NAME CHANGE

I, KHEM RAJ GAUTAM S/o GOPAL R/o 9, MAN SINGH ROAD, NIRMAN BHAWAN, CENTRAL DELHI, DELHI-110011 have changed my minor daughter name from SUNAKSHI to SUNAKSHI GAUTAM for all future purposes

## NAME CHANGE

I, PRITI DEVI wife of Army No 15712141A Rank HAV, Name- AJAY KUMAR residing at-VILL- SAKROULI, PO-BHARKHNI, DIST-HARDOI, UTTAR PRADESH-241001, have changed my name from PRITI DEVI to PRITI DUVEY for all future purposes vide Affidavit dated 13/06/2025 before Notary Public, Delhi.

## NAME CHANGE

I, LOKKOWA mother of NO-2609197M, Rank-HAV Name-AJEET HALINGALI residing at VILL-GOLABHAVI, TEHSIL-JAMAKHADI, DIST-BHAGALKOT, KARNATAKA-587315, have changed my name from LOKKOWA to LAKKAVVA APPASAB HALINGALI for all future purposes vide Affidavit Dated 13/06/2025 before Notary Public, Delhi.

## NAME CHANGE

I, hitherto known as DIMPLE daughter of GOVIND PRASAD GOEL wife of JASVINDER SINGH R/O H NO-B-1/1, NEW GOBIND PURA, GALI NO-9, VISHWAS NAGAR, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name and shall hereafter be known as DIMPLE KAUR. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

## NAME CHANGE

I, NO-4283316L Rank-HAV Name-JAY PRAKASH SINGH residing at VILL-LODIPUR, PO-BEAPUR, DIST-PATNA, BIHAR-801503, in my service record my minor son's (AAYUSH KUMAR SINGH) date of birth wrongly mentioned as 17/06/2009 instead of his correct date of birth as 17/03/2009 Vide Affidavit dated 13/06/2025 before Notary Public Delhi.

## NAME CHANGE

I, MEDHA TIWARI BHARDWAJ W/O SREEJAN BHARDWAJ R/O FLAT NO-703,TOWER-6,EMAAR IMPERIAL GARDEN, SECTOR-102, BASAI(50), GURGAON, HARYANA-122006 HAVE CHANGED MY NAME TO MEDHA TIWARI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

## PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Prince Tomar S/o Mr. Naresh Kumar is the owner of Freehold Residential Upper Ground Floor without roof rights Built-on House No. A-98 land area measuring 97 sq. yds. out of Khasra No. 22/24, Situated at Block-A, Hardey Nagar Gali No.-1, in the area of Village Jiiaroda Mazra Burari Delhi-110084. by virtue of Gift Deed dated 04.06.2025 as Doc. No. 2025/19/I/7029, in Book No. 1, Vol. No. 12303, on Pages 133-148, on Dated 04.06.2025, SR- I, Kashmere Gate., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432



## PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Prince Tomar S/o Mr. Naresh Kumar is the owner of Freehold Residential Upper Ground Floor without roof rights Built-on House No. A-98 land area measuring 97 sq. yds. out of Khasra No. 22/24, Situated at Block-A, Hardey Nagar Gali No.-1, in the area of Village Jiiaroda Mazra Burari Delhi-110084. by virtue of Gift Deed dated 04.06.2025 as Doc. No. 2025/19/I/7029, in Book No. 1, Vol. No. 12303, on Pages 133-148, on Dated 04.06.2025, SR- I, Kashmere Gate., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432



## NAME CHANGE

I, hitherto known as PAWAN S/O HARPAL R/O 108/3 MADANGIR VILLAGE DR AMBEDKAR NAGAR SOUTH DELHI 110062 NEW DELHI 110059, have changed my name and shall hereafter be known as PAWAN GILL S/O HARPAL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

## NAME CHANGE

I, KRISHNA BAHADUR THAPA is legally father of No. 13776553W Rank-NK Name-ROSHIT THAPA, R/o VILL-GLENBURN TEA ESTATE, VIL NO-08, PO-SINGRIMTAM, PS-RANGLI RANGLIOT DIST-DARJEELING, (WEST EBNGAL)-734213 have changed my name from KRISHNA BAHADUR THAPA to KRISHNABAHADUR MANGAR THAPA for all future purposes. Vide Affidavit No.IN-DL00639254454158X Dated 11/06/2025 before Notary Public New Delhi.

## NAME CHANGE

I, SHASHIKALA THAPA is legally mother of No. 13776553W Rank-NK Name-ROSHIT THAPA, R/o VILL-GLENBURN TEA ESTATE, VIL NO-08, PO-SINGRIMTAM, PS-RANGLI RANGLIOT DIST-DARJEELING, (WEST EBNGAL)-734213 have changed my name from SHASHIKALA THAPA to SASHIKALA MANGER for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL00638936477561X dated 11/06/2025 before Notary Public New Delhi.

## NAME CHANGE

I, ANNEY THAPA is legally wedded spouse of No. 13776553W Rank-NK Name-ROSHIT THAPA, R/o VILL-GLENBURN TEA ESTATE, VIL NO-08, PO-SINGRIMTAM, PS-RANGLI RANGLIOT DIST-DARJEELING, (WEST EBNGAL)-734213 have changed my name from ANNEY THAPA to ANNEY TAMANG for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL00639036371440X Dated 11/06/2025 before Notary Public New Delhi.



**कौमी पत्रिका**

**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
**मोबाइल नंबर :** 9312262300

**E - mail address :** qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## मुख्यमंत्री ने किया राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मेंकेंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को दर्शाने वाली एक राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह प्रदर्शनी नहीं, बल्कि 11 वर्षों में बदलते आधुनिक भारत के विकास की कहानी है। प्रदर्शनी में देश के विकास की गाथा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिखा गया है। प्रदर्शनी में पिछले 11 वर्षों में हुए विकास कार्यों को आंकड़ों के माध्यम से दर्शाया गया है। संकल्प से सिद्धि की थीम के तहत इस प्रदर्शनी को तैयार किया गया है। प्रदर्शनी में हर क्षेत्र की उपलब्धियों को दर्शाया गया है। आधारभूत संरचना के विकास के तहत दिखाया गया है कि पिछले 11 वर्षों में देश में विकासात्मक परियोजनाओं का ग्राफ कैसे बढ़ा है। इसी प्रकार अन्य विभागों की प्रगति का उल्लेख विभिन्न स्लाइडों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल, सूचना जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के मकरंद पांडुरंग, पूर्व अतिरिक्त निदेशक कुलदीप सैनी सहित कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

## जब सफाई से पार्षद संतुष्ट होंगे तभी होगा भुगतानः डा. आयुष सिन्हा

**गुरुग्राम।** नगर निगम मानेसर के आयुक्त आयुष सिन्हा ने निगम क्षेत्र में घरों से कूड़ा उठाने व सड़कों की सफाई करने वाली एजेंसियों के साथ बैठक की। उन्होंने साफ कहा कि तय शर्तों के अनुसार संसाधन नहीं मिले तो नियमानुसार पैनल्टी लगाई जाएगी। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) पोर्टल पर रोजाना डाटा अपलोड करना होगा। वार्ड में पार्षदों से संतुष्टि पत्र मिलने के बाद ही एजेंसी को भुगतान किया जाएगा। आयुक्त आयुष सिन्हा ने निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए एजेंसियों के प्रतिनिधियों से हिदायत देते हुए कहा कि कूड़े का उठान करने वाली सभी गाड़ियों में जीपीएस लगा होना चाहिए। निगम क्षेत्र से रोजाना कूड़ा उठाना एजेंसी की जिम्मेदारी है। जीवीपी प्वाइंट्स को भी रोजाना साफ करना होगा। रिहायशी इलाकों में एक दिन में दो चक्कर लगाकर कूड़ा उठाया जाना चाहिए, जरूरत पड़ने पर फेरों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। जिन गांवों में मार्केट एरिया लगता है, वहां पर कूड़ा उठाने **की गाडियां सुबह नौ बजे के बाद जाएं।**

## नगर निगम हाऊस की बैठक में हंगामा, मेयर ने अधिकारियों की लगाई क्लास

**रोहतक।** जिला विकास भवन के सभागार में हुई नगर निगम हाऊस की बैठक हंगामेदार रही। निगम पार्षदों ने अधिकारियों पर काम न करने व जनप्रतिनिधियों की अनदेखी का आरोप लगाया और कहा कि वार्ड के लोग अपनी अपनी समस्याएं लेकर उनके पास आते है और जब वह अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराते है तो समस्याओं का कोई समाधान नहीं किया जाता है, जिसके चलते लोगों की बाते उन्हें सुननी पड़ती है। इतना ही नहीं अधिकारियों ने हाउस की बैठक में रखे जाने वाले एजेंडे की कॉपी तक तक उन्हें समय पर उपलब्ध नहीं करवाई, जिस पर मेयर राम अवतार वाल्मीकि गुस्सा हो गए और अधिकारियों की क्लास लगा दी। मेयर ने साफ कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान करना पहली प्राथमिकता है और अगर भविष्य में किसी भी अधिकारी ने अपने काम में कोताही बरती और चुने गए जनप्रतिनिधियों की अनदेखी की तो अधिकारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। नगर निगम हाउस की बैठक में विकास कार्यो को लेकर 14 एजेंडे रखे गए, जिसे सर्वसम्मति से प्रारित किया गया। बैठक में पार्षदों ने अपने अपने वार्डो में सफाई व्यवस्था, सीवर व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, गंदे पानी की निकासी, फैमिली आईडी, प्रोपर्टी आईडी व बुढापा पेंशन संबंधित कई समस्याएं भी प्रमुखता से उठाई। साथ ही पार्षदों ने आरोप लगाया कि वह कई बार अधिकारियों से वार्डो में लगे सफाई कर्मचारियों की सूची मांग चुके है, लेकिन अभी तक अधिकारियों द्वारा उन्हें लिस्ट जारी नहीं करवाई गई, जिस पर मेयर राम अवतार वाल्मीकि ने कड़ा संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तुरंत पार्षदों को सफाई कर्मचारियों की लिस्ट देने के भी निर्देश दिए।

## पीएम मोदी ने तुष्टिकरण की राजनीति को परफार्मेंस की राजनीति में बदलाःडा. अर्चना गुप्ता

**गुरुग्राम।** भाजपा प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्षों को विकसित भारत का अमृत काल, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी और वैश्विक मंच पर सशक्त राष्ट्र की पहचान बनाई। डा. गुप्ता गुरुवार को यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में पत्रकारों से बात कर रही थी। उन्होंने मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि आज विकसित भारत और अमृतकाल जैसे संकल्प जमीन पर दिखाई दे रहे हैं। इन 11 वर्षों में मोदी सरकार ने कांग्रेस के समय से चली आ रही तुष्टिकरण की राजनीति को बंद करके परफार्मेंस की राजनीति में बदला है। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रहित में ऐतिहासिक और निर्णायक फैसले लिए हैं। देश की जनता कहने लगी है कि मोदी है तो मुमकिन है। मोदी सरकार ने धारा-370 को हटाया, तीन तलाक का खात्मा किया और नया वक्फ कानून लेकर आई।

# सीएम ने हरियाणा के 250 लाभार्थियों को सौंपी दुकानों की रजिस्ट्रियां

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को तोहफा देते हुए प्रदेश के सभी जिलों के 250 पात्र लाभार्थियों को उनकी दुकानों की रजिस्ट्रियां सौंपी। इससे पहले भी इस योजना के तहत प्रदेश में लगभग 6 हजार पात्र लाभार्थियों को यह लाभ दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने पंचकूला के सेक्टर-1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री वितरण समारोह में प्रदेशभर से आए लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दुकानों की यह रजिस्ट्रियां केवल कागज का टुकड़ा नहीं बल्कि उनके सपनों का भण्डार है। इन रजिस्ट्रियों के रूप में आज जो सूर्य उदय हुआ है, उसकी रोशनी हरियाणा के हर घर आंगन तक पहुंचेगी। हमारी सरकार का ध्येय कोई भी पात्र

नागरिक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आज हम यहां केवल कुछ कागजात, कुछ रजिस्ट्रियां सौंपने के लिए ही एकत्रित नहीं हुए हैं। हम यहां आपके सपनों को पंख देने के लिए, आपकी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने और आपको आपकी अपनी जमीन का, अपनी दुकान का कानूनी रूप से मालिक बनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों में कई ऐसी बस्तियां और कॉलोनियां थीं, जहां सालों से बसे परिवारों के पास अपनी संपत्ति का मालिकाना हक नहीं था। शहरों में भी हमारे भाई-बहन इस समस्या से लंबे समय से जूझ रहे हैं। इसको देखते हुए प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया कि 20 साल से अधिक समय से किराये या लीज अथवा लाइसेंस फीस पर चल रही पालिकाओं की दुकानों व मकानों की मलकीयत उन पर काबिज व्यक्तियों को ही दी जाएगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हर पात्र लाभार्थी को उसका हक मिले इसके लिए प्रदेश सरकार ने पिछले 11 वर्षों में अनेक कानूनी विवादों का समाधान किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लम्बे समय से ऐसे अनेक पट्टेदार किसान थे जो सालों से भूमि पर काश्त करते आ रहे थे परंतु वे मालिकाना हक से वंचित थे। इसी प्रकार पंचायत भूमि पर 20 वर्षों से अधिक समय से मकान बनाकर रह रहे लोगों को भी सरकार ने मालिकाना हक दिया है।

## फसलों में बीमारियों की पहचान के लिए शुरू होगा ड्रोन पायलट प्रोजेक्ट

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ हरियाणा लिमिटेड (दृश्या) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश में ड्रोन तकनीक के विविध उपयोगों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि फसल स्वास्थ्य की निगरानी और बीमारियों की पहचान के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ड्रोन का उपयोग किया जाए। इससे किसानों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराकर फसल हानि को रोकने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री सैनी ने सुझाव दिया कि पायलट चरण में आलू, चना, कपास, धान और सब्जियों जैसी फसलों को शामिल किया जाए, जिनमें सामान्यत~ बीमारियों की संभावना अधिक होती है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की पैदावार में सुधार होगा और फसलों के नुकसान में कमी आएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 'ड्रोन दीदी योजना' के तहत प्रदेश में 5,000 महिलाओं को ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने दृश्या के अधिकारियों को अगली एक तिमाही में लगभग 500 महिलाओं को प्रशिक्षण देने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह पहल महिलाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ड्रोन तकनीक का उपयोग प्राकृतिक खेती, विशेष रूप से जीवामृत के छिड़काव के लिए किया जाए। दृश्या के सीईओ फूल कुमार ने बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि दृश्या द्वारा एचटी पावर लाइन निरीक्षण, लार्ज स्केल मैपिंग, आपदा प्रबंधन, यातायात प्रबंधन निगरानी, अवैध खनन निगरानी और फसल स्वास्थ्य निगरानी आदि जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

## स्क्रीनिंग टेस्ट से होगी पीएम श्री व संस्कृति मॉडल स्कूलों में अध्यापकों की नियुक्ति

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के राजकीय संस्कृति मॉडल और पीएमश्री स्कूलों में अध्यापकों की नियुक्ति स्क्रीनिंग टेस्ट के आधार पर की जाएगी। शिक्षा निदेशक ने हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) की उस मांग को खारिज कर दिया है जिसमें टीचर ट्रांसफर पॉलिसी मेरिट प्वाइंट के आधार पर नियुक्ति करने की मांग की जा रही थी। स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) के राज्य प्रधान सतपाल सिंधु के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा निदेशक जितेंद्र दहिया से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कई मांगों पर सहमति बनी तो कई मांगों को शिक्षा निदेशक से सिरे से नकार दिया। बैठक के दौरान सहमति बनी कि यदि स्क्रीनिंग प्रक्रिया के बाद योग्य शिक्षक शॉर्टलिस्ट हो जाता है तो उसे तैनाती ड्राइव में भाग लेना अनिवार्य नहीं होगा। यह ऐच्छिक होगा और शिक्षक पर निर्भर करेगा कि उसे भाग लेना है या नहीं इसके साथ ही तैनाती ड्राइव में भाग लेने के बाद च्वाइस के तौर पर भरे गए विद्यालयों में से यदि तैनाती ड्राइव में में भाग लेने का इच्छुक है तो उस अध्यापक को एनीव्हेयर श्रेणी में शामिल किया जाएगा। राज्य प्रधान सतपाल सिंधु ने

कोई विद्यालय नहीं मिलता है तो अध्यापकों एनीव्हेयर श्रेणी में शामिल नहीं किया जाएगा। जीएमएस और पीएमएस में कार्यरत अध्यापक जिसका कार्यकाल उक्त विद्यालय में 3 साल से कम हुआ है और वह बताया कि प्रतिनिधिमंडल की मांग पर सेंटा के द्वारा विगत में लिए गए टेस्ट को क्वालीफाई किए हुए प्रत्येक अध्यापक को योग्य मानने के लिए संबंधित अध्यापकों की संख्या के आधार पर निर्णय लिया जाएगा ।

## केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों पर झज्जर में लगी जागरूकता प्रदर्शनी

**एजेंसी**

**झज्जर।** केंद्र में भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सरकार और संगठन की ओर से एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय झज्जर के परिसर में जिला स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। भाजपा नेता ओम प्रकाश धनखड़ ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी विकसित भारत के अमृत काल के थीम पर आधारित है और सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित है।

प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक करना है कि पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने किस प्रकार से समावेशी विकास के जरिए देश को आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सशक्त और वैश्विक मंच पर प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए बड़े स्तर कार्य किए हैं। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा पिछले 11 वर्षों में चलाई गई प्रमुख

जन कल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों को रचनात्मक और दृश्य माध्यमों के जरिए प्रस्तुत किया गया है। काफी संख्या में लोग प्रदर्शनी देखने के लिए आए। इस दौरान नागरिकों ने विभिन्न सेक्शन में जाकर योजनाओं की जानकारी ली ।इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका चेयरमैन प्रवीण गर्ग, मनीष बंसल, कोबी प्रधान प्रवीण गर्ग, पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, डीआईपीआरओ सतीश कुमार, एआईपीआरओ डॉ. मनप्रीत सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

## चालान नहीं सलाम मिलेगा मुहिम में गुरुग्राम पुलिस ने पांच ट्रैफिक हीरो किए सम्मानित

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** यातायात के नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों के लिए यातायात पुलिस द्वारा चालान नहीं सलाम मिलेगा मुहिम की अधिकारिक शुरुआत कर दी गई है। इस मुहिम के तहत पांच ट्रैफिक हीरो को यातायात पुलिस उपायुक्त डा. राजेश मोहन ने सम्मानित किया। यातायात पुलिस उपायुक्त डॉ. राजेश मोहन ने अपने कार्यालय में नई मुहिम चालान नहीं सलाम मिलेगा का शुभारंभ किया। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/ हाईवे सत्यपाल यादव, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात पूर्व विरेंद्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात पश्चिम जयसिंह, यातायात निरीक्षक संदीप सिंह, उपनिरीक्षक राकेश कुमार व पांच ट्रैफिक हीरो, श्याम, अजय, प्रिया, ममता, सुरेन्द्र सहित अन्य यातायात पुलिस

अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। चालान नहीं सलाम मिलेगा अभियान के तहत एक मई 2025 से 30 मई 2025 तक अपने सफर के दौरान यातायात नियमों की पालना करते हुए अपने वाहन का चालान जारी न होने के आधार पर सबसे ऊपर चुने गए पांच ट्रैफिक हीरो को प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। डॉ. राजेश मोहन ने बताया कि जैसे फिल्म के हीरो का लोग अनुसरण करते हैं, उसी प्रकार गुरुग्राम वासियों से अपील है कि वे भी इन चुने गए ट्रैफिक हीरो की तरह यातायात नियमों का पालन करें। इस अनोखी मुहिम की शुरुआत करने का मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों की पालना करने के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करना, उनको सुरक्षित रखना है। इसके अलावा यातायात नियमों की पालना करने वाले वाहन चालकों की संख्या को अधिक से अधिक बढ़ाकर लोगों को प्रोत्साहित करना है।भविष्य में इन ट्रैफिक हीरो की तादाद को भी बढ़ाया जाएगा। डा. मोहन के मुताबिक वर्ष 2024 में 30 मई तक जनवरी में चालानों का आंकड़ा 2 लाख 90 हजार था, जो वर्ष 2025 में मई महीने तक 5 लाख 23 हजार तक पहुंच गया है। इस अभियान के तहत लोगों को जागरुक करके लगभग दोगुनी चालान संख्या को भी करना है, ताकि लोगो पर आर्थिक बोझ भी नहीं पडेगा।

## केन्द्र सरकार ने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का पहुंचाया लाभः मनीष ग्रोवर

**एजेंसी**

**रोहतक।** पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश लगातार विश्व गुरू बनने की और अग्रसर है और केन्द्र सरकार ने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक विचारधारा का शासन चल रहा है, जिससे विश्व में देश का गौरव बढ़ा है। यह बात उन्होंने गुरुवार को सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में स्थानीय जिला विकास भवन के सभागार में सात दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ करते हुए कही। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों का अवलोकन भी किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा गत 11 वर्षों में धर्म, जाति व क्षेत्रवाद के भेदभाव के बिना देश के सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास किया है। केंद्र सरकार द्वारा हर वर्ग के कल्याण के लिए कल्याणकारी योजनाएं व कार्यक्रम क्रियान्वित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि गत दिनों पहलगाम में पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा की गई निर्मम हत्या के बाद देश की जनता में अपार गुस्सा था। देश में स्वदेशी हथियारों को सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है तथा इन स्वदेशी हथियारों से ही पाकिस्तान को भारी नुकसान भारतीय सेना ने पहुंचाया। भारतीय सेना विशेषकर महिला अधिकारियों ने आतंकवादियों के अड्डे को ध्वस्त किया। हमें देश के सैनिकों पर गर्व है।

## राज्य में 31 आईएएस व पांच एचसीएस का तबादला, राजा शेखर वंडरू बने मत्स्य विभाग के एसीएस

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 31 आईएएस और पांच एचसीएस सहित 36 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। सरकार के नए आदेश में राजा शेखर वंडरू को मत्स्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और विनीत गर्ग को स्कूल शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से गुरुवार को नई नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। वर्ष 1990 बैच के आईएएस डॉ. राजा शेखर वंडरू को कृषि विभाग से बदलकर मत्स्य विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग को स्कूल शिक्षा विभाग का भी जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा विजेयद्रा कुमार को सहकारिता विभाग का एसीएस, डी. सुरेश को रेजीडेंट आयुक्त हरियाणा भवन नई दिल्ली और प्रधान सचिव डीएफएससी बनाया गया है। आदेश के अनुसार राजीव रंजन को प्रधान सचिव युवा सशक्तिकरण एवं अधिकारिता विभाग, पंकज अग्रवाल को मुख्य चुनाव अधिकारी चुनाव विभाग, अमनीत पी कुमार को आयुक्त एवं सचिव डिर्पाटमेंट आफ फ्यूचर, मोहम्मद शाइन को आयुक्त एवं सचिव वित्त विभाग का अतिरिक्त प्रभार, अमित कुमार अग्रवाल को आयुक्त एवं सचिव उद्योग एवं वाणिज्य विभाग और सूचना, जनसंपर्क भाषा विभाग, आशिमा बराड़ को आयुक्त एवं सचिव आबकारी विभाग, सीजी रजनीकांथन को आयुक्त एवं सचिव वित्त विभाग, संजीव वर्मा को महानिदेशक खेल विभाग और अंबाला मंडलायुक्त, साकेत कुमार को आयुक्त एवं सचिव पंचायत विभाग, जे गणेशन को एचवीपीएनएल के एमडी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही अतुल कुमार को राज्यपाल के सचिव के साथ परिवहन विभाग आयुक्त का जिम्मा सौंपा गया है। डीके बेहरा को महानिदेशक पंचायत विभाग, अंशज सिंह को महानिदेशक डीएफएससी, यश गर्ग को एमडी आईटीआई, अशोक कुमार गर्ग को हिसार नगर प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जयबीर सिंह आर्य को सचिव हरियाणा मानव अधिकार आयोग, डॉ. शालीन को एमडी टूरिज्म कारपोरेशन का अतिरिक्त प्रभार, सुशील सारवान को डीसी सोनीपत, मनोज कुमार को आयुक्त फूड एंड ड्रग्स, अनीश यादव को विशेष सचिव हरियाणा शिकायत विभाग, राहुल नरवाल को निदेशक ग्रामीण विकास विभाग, डॉ. ब्रह्मजीत सिंह रांगी को प्रशासक एचएसवीपी रोहतक, साहिल गुप्ता डीसी भिवानी, अनुपमा अंजलि प्रशासक एचएसवीपी फरीदाबाद, राहुल मोदी एडीसी रेवाड़ी का अतिरिक्त प्रभार, लक्षित सरीन एडीसी सोनीपत, सोनू भट्?ट एडीसी करनाल, एचसीएस महावीर प्रसाद को एडीसी कुरुक्षेत्र, महेंद्र पाल को एडीसी अंबाला, वीरेंद्र सिंह सहरावत को एडीसी सिरसा का अतिरिक्त प्रभार, जयदीप कुमार को एडीसी पलवल, चिनमई गर्ग को ओएसडी एचएसएससी नियुक्त किया गया है।

## एक माह से बिजली संकट झेल रहे ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** जिले के मुबारिकपुर गांव व आसपास की कॉलोनियों में एक महीने से बिजली आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। काफी संख्या में लोग फर्रुखनगर बिजली निगम कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों पर ट्रांसफॉर्मर लगाने के नाम पर पैसों की मांग करने का आरोप भी लगाया। सरपंच सत्तबीर ने कहा कि गांव की चार कॉलोनियां बुद्धो माता कॉलोनी, राजेन्द्र की ढाणी, धर्मू की ढाणी और सरपंच की ढाणी बिजली बाधित होने से प्रभावित हैं। स्थानीय निवासी लाला, धर्मेंद्र, हरविंदर, प्रेम सिंह, सुनील, रामकुमार, जीतू, भगतजी, जमुना, ममता, निर्मला, फूलो, गीता, ललिता, प्रिया, कोमल, पूजा, अत्रो, संनिता, संतरां, बीरमती ने बताया कि भीषण गर्मी में बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों का हाल बेहाल है। गांव मुबारिकपुर में कई बार शिकायत देने के बावजूद समाधान नहीं हुआ। मांग की गई कि सरकारी मिडिल स्कूल के पास की गली में 63 केवी का ट्रांसफॉर्मर लगाया जाए। प्रताप सिंह, रामकुमार, छोटूराम की ढाणियों में 25 केवी के ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएं। धर्मू की ढाणी में पहले से एक टंकी है, जिस पर लोड अधिक है। इसलिए एक और 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया जाए।

## साइबर क्राइम रोकने वाले अधिकारियों को डीजीपी ने किया सम्मानित

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बैंक और टेलीकॉम कंपनियों के नोडल अधिकारियों, 1930 हेल्पलाइन टीम और फील्ड पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय 'साइबर वॉरियर्स' सम्मान समारोह में पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि बीते डेढ़ वर्षों में हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में मिशन मोड में कार्य किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि जहां पहले हर माह साइबर ठगी से 70-80 करोड़ रुपये की हानि होती थी, वह अब घटकर लगभग 38 करोड़ रुपये रह गई है। उन्होंने कहा कि 11 बैंकों के 16 नोडल अधिकारी हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर 1930 हेल्पलाइन सेंटर पर कार्य कर रहे हैं। डीजीपी ने कहा कि टेलीकॉम कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी अपराध नियंत्रण में सक्रिय सहयोग दिया है। महिला सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए प्रदेशभर में 497 असुरक्षित रूट और 1887 हॉटस्पॉट चिन्हित कर वहां सीसीटीवी कैमरे और पुलिसकर्मियों

की तैनाती की गई। राज्य में 5521 बदमाश प्रवृत्ति के व्यक्तियों की पहचान कर उनकी निरंतर निगरानी की जा रही है। कपूर ने मीडियाकर्मियों से भी अपील की कि वे अपराधियों के अनावश्यक प्रचार-प्रसार से बचें, क्योंकि पब्लिसिटी अपराधियों के लिए ऑक्सीजन का काम करती है। डीजीपी हरियाणा ने बैंक और टेलीकॉम कंपनियों के नोडल अधिकारियों, साइबर हेल्पलाइन 1930 के कर्मियों और फील्ड में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके समर्पण, सेवा भावना और समन्वय के लिए बधाई दी और कहा कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार मिशन मोड में अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते रहें।

## पीएम मोदी ने तुष्टिकरण की राजनीति को परफार्मेंस की राजनीति में बदलाः डा. अर्चना गुप्ता

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** भाजपा प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्षों को विकसित भारत का अमृत काल, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी और वैश्विक मंच पर सशक्त राष्ट्र की पहचान बनाई। डा. गुप्ता गुरुवार को यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में पत्रकारों से बात कर रही थी। उन्होंने मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि आज विकसित भारत और अमृतकाल जैसे संकल्प जमीन पर दिखाई दे रहे हैं। इन 11 वर्षों में मोदी सरकार ने कांग्रेस के समय से चली आ रही तुष्टिकरण की राजनीति को बंद करके परफार्मेंस की राजनीति में बदला है। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रहित में ऐतिहासिक और निर्णायक फैसले लिए हैं। देश की जनता कहने लगी है कि मोदी है तो मुमकिन है। मोदी सरकार ने धारा-370 को हटाया, तीन तलाक का खात्मा किया और नया वक्फ कानून लेकर आई। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में अब निर्णायकर्ता और आक्रामकता एक न्यू नॉर्मल बन गई है।सरकारी योजनाओं का लाभ बिचौलिए खा जाते थे। कांग्रेस के समय में देश की अर्थव्यवस्था हिचकौले लेती थी।डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए हरियाणा की नायब सरकार तीन गुणा गति से प्रदेश के विकास में जुटी है। लोगों को पीएम आवास योजना, हर घर नल से जल मिल रहा है। हरियाणा में नायब सरकार गरीब परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दे रही है। हरियाणा में 1668 अस्पतालों में चिरायु और आष्युमान कार्ड से लोगों का इलाज हो रहा है। भाजपा सरकार में वृद्धावस्था सम्मान भत्ता तीन गुना बढ़ा है। इससे पूर्व उन्होंने पार्टी कार्यालय में प्रोफेशनल मीट में भी अपनी बात रखी।

# साइकिल पर नर्मदा परिक्रमा: एक महिला की आत्म-खोज की कहानी

**पुणे, एजेंसी।** पुणे की रहने वाली ज्योति भक्त, आप और हम जैसी ही एक साधारण महिला जिन्होने 23 साल नोकरी भी की और अपने घर को भी अच्छे से सांभाला. जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता गया, वह अपने कर्तव्यों को पूरा करके अपने जीवन में उम्र के उस पड़ाव पर पहुंची जहा उन्हे थोडा खालीपन महसूस होने लगा. पचास की उम्र के आसपास, जब उनके बेटे ने अपनी मास्टर डिग्री पूरी कर ली, तो ज्योति को नौकरी के चक्र से बाहर निकलने और यह पता लगाने की ज़रूरत महसूस हुई कि वह जीवन में क्या करना चाहती है। दिन-ब-दिन, आत्म-खोज की यह इच्छा प्रबल होती गई और बहुत सोचने के बाद, ज्योति ने 2017 में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ने का साहसिक निर्णय लिया. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद, ज्योति ने देश-विदेश में खूब यात्राएँ कीं। फिर भी, उन्हें ऐसा कुछ नहीं मिला जो उनके आनंद दे सके। उस समय, दुनिया मे कोविड का संकट मंडरा रहा था। लेकिन इस दौरान ज्योति को उसका सच्चा साथी मिल गया - एक साइकिल! कोविड काल में, उन्होंने घर पर ही व्यायाम शुरू किया। प्रतिबंधों में थोड़ी ढील मिलने के बाद, उन्होंने अपनी सहेली के साथ 16 किलोमीटर साइकिल चलाई। सायकलिंग करने के बाद, ज्योति के मन में विचार आया कि साइकिल से ही नर्मदा परिक्रमा करनी चाहिए।

## लेओ ड्रायफ्रूट्स अँड स्पायसेसका एच2 एफवाय25 में 346 प्रतिशत का शुद्ध लाभ वृद्धि

**मुंबई, एजेंसी।** लेओ कैटरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले मसालों, सूखे मेवों और किराना उत्पादों की सोर्सिंग, प्रोसेसिंग, ट्रेडिंग और मार्केटिंग में एक भरोसेमंद नाम है, ने एच2 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री कौशिक शाह ने कहा- एफवाय25 की दूसरी छमाही और पूरे वर्ष में हमारी जबरदस्त परफॉर्मेंस ऑपरेशनल एफिशिएंसी, नए ऑर्डर और हमारे मसालों व ड्रायफ्रूट्स की गुणवत्ता के कारण संभव हुई है। बीएसइ एसएमइ प्लेटफॉर्म पर हमारी सफल लिस्टिंग पारदर्शिता, सुशासन और दीर्घकालिक निवेशक मूल्य को दर्शाती है।

# हॉस्पिटल चलाने वाली फर्म से थी रोपवे चलाने की तैयारी?

### मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो टेंडर ही रद्द हो गया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रोपवे चलाना टेक्निकल काम माना जाता है। इसमें जरा सी चूक जा जाए तो लोगों की जान का खतरा हो जाता है। लेकिन हरिद्वार के मनसा देवी रोपवे को चलाने के लिए ऐसे फर्मों या कंपनियों से निविदा मंगा ली गई, जो हॉस्पिटल चला रहे थे, सड़क और पुल बना रहे थे या कंस्ट्रक्शन सेक्टर में काम कर रहे थे। तभी तो सुरक्षा और पारदर्शिता संबंधी चिंताओं को लेकर उत्तराखंड हाई कोर्ट की तीखी आलोचना मिली। इसके बाद निविदा मंगाने वाले हरिद्वार नगर निगम ने मनसा देवी मंदिर के लिए अपने नवीनतम रोपवे टेंडर को ही रद्द कर दिया।

**फैसला आने से पहले ही टेंडर वापस-** इस मामले का फैसला कुछ ही दिन में आने वाला था। मंगलवार को इस पर नियमित सुनवाई हुई थी। इस सुनवाई में निगम के वकील संदीप कोठारी ने मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक माहरा की खंडपीठ को बताया कि टेंडर वापस ले लिया गया है।

क्यों मामला पहुंचा कोर्ट

विवाद बीते अप्रैल में तब शुरू हुआ जब नगर निगम ने 44 साल पुराने मनसा देवी रोपवे के संचालन और रखरखाव के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध जारी किया। पहले की निविदाओं के विपरीत, इस बार रोपवे के क्षेत्र में अनुभव न रखने वाली सड़क और निर्माण फर्मों को भी बोली लगाने की अनुमति दी गई। इसने गंभीर चिंताएं पैदा कर दीं, विशेष रूप से उषा ब्रेको लिमिटेड की ओर से, जो वास्तविक रोपवे विशेषज्ञता वाली एकमात्र कंपनी है। मूल रूप से, निविदा प्रक्रिया रोपवे चलाने में अनुभव रखने वाली कंपनियों तक ही सीमित थी। लेकिन मार्च में, पात्रता मानदंड को चुपचाप बढ़ा दिया गया और इसमें राजमार्ग, पुल, सुरंग, दूरसंचार और यहां तक कि अस्पताल जैसे क्षेत्रों की फर्मों को भी शामिल कर लिया गया। चार शॉर्टलिस्ट किए गए बोलीदाताओं में से केवल एक उषा ब्रेको के पास वास्तव में रोपवे का अनुभव था। वह इस केबल कार की शुरूआत (1981) से ही इस परियोजना का प्रबंधन कर रही है।

### रोपवे क्या होता है

रोप वे में दो चीजें शामिल हैं, रोप और वे। रोप का मतलब होता है रस्सी, और वे का मतलब होता रास्ता। लोहे के मोटे-मोटे तारों या रस्सों पर फिट एक ट्रॉली में बैठकर लोग नीची जगह से ऊपर की तरफ जाते हैं। इसका संचालन बिजली से होता है। इसे ही आम आदमी की भाषा में रोपवे कहा जाता है। रोपवे की एक ट्रॉली में पर्याप्त जगह होती है। इसमें एक साथ 8-10 लोग आराम से बैठ सकते हैं। यह सुविधा अधिकतर उन मंदिरों में होती है जो बहुत ऊंचाई पर हैं। वहां पहुंचने के लिए वृद्ध और दिव्यांग श्रद्धालु इसकी मदद लेते हैं। क्योंकि वे सीढ़ियों से ऊपर नहीं जा सकते हैं। यह बिजली से चलती है और कई किलोमीटर के रास्ते को मात्र 2 से 5 मिनट में पूरा कर लेती है।

## टीवीएस अपाचे के दो दशकों का जश्न

**भविष्य के लिए डिज़ाइन की गई मोटरसाइकल ओबीडी2बी कम्प्लायन्ट है तथा आधुनिक टेक्नोलॉजी, शानदार परफोर्मेन्स एवं नए बोल्ड ग्राफिक्स का संयोजन है**

**बैंगलुरू, एजेंसी।** दोपहिया और तिपहिया सेगमेन्ट में ग्लोबल लीडर टीवीएस मोटर कंपनी ने 20 सालों की रेसिंग की धरोहर, इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता एवं दुनिया भर में 6 मिलियन से अधिक राइडरों के भरोसे का जश्न मनाते हुए नई 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी का अनावरण किया। रेस के मैदान से उत्पन्न और सड़क के लिए निर्मित टीवीएस अपाचे मोटरसाइकलें रेसिंग में शानदार परफोर्मेन्स देती हैं। इन्हें खासतौर पर उन राइडरों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपनी मोटरसाइकल से पावर, कंट्रोल और रिफाइनमेन्ट की उम्मीद रखते हैं। अपाचे सीरीज़ बेजोड़ विश्वसनीयता और रोमांच के साथ सेगमेन्ट में अग्रणी परफोर्मेन्स देना जारी रखे हुए है।

## कोर डिजिटल ने एफवाय25 में 212 प्रतिशत की आय वृद्धि दर्ज की

**मुंबई, एजेंसी।** कोर डिजिटल लिमिटेड जो दूरसंचार अवसंरचना विकास और संबंधित सहायक सेवाओं की प्रमुख प्रदाता कंपनियों में से एक है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिट किए गए वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कोर डिजिटल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री रविंद्र दोशी ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमें एफवाय25 में शानदार प्रदर्शन की रिपोर्ट करते हुए गर्व हो रहा है, जिसमें कुल आय में 200 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यह हमारी निष्पादन क्षमता और रणनीतिक निर्णयों का सशक्त प्रमाण है। यह वृद्धि मुख्य रूप से समृद्धि महामार्ग परियोजना के सफलतापूर्वक प्रारंभ होने के कारण हुई है, जो सुचारू रूप से प्रगति कर रही है।.
जैसे-जैसे हम अपने कार्यों का विस्तार कर रहे हैं, प्रतिष्ठित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में मुख्य ठेकेदार के रूप में हमारी भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। हमारे समेकित प्रदर्शन को हमारी सहायक कंपनियों के बढ़ते योगदान से भी मजबूती मिली है, जो अब अधिक मात्रा में व्यवसाय संभाल रही हैं। इस रणनीतिक बदलाव ने हमें विभिन्न इकाइयों के बीच कार्य निष्पादन को विविध रूप से वितरित करने की अनुमति दी है, जिससे संचालन में दक्षता और बाज़ार में व्यापक पहुंच प्राप्त हुई है।

## शेरा एनर्जी ने ज़ाम्बिया की कॉपर सुविधा के साथ वैश्विक एकीकरण को और गहराया

**मुंबई, एजेंसी।** शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है, ने अपनी अंतरराष्ट्रीय विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है। कंपनी ने जाम्बिया में एक चालू कॉपर कैथोड निर्माण संयंत्र का अधिग्रहण किया है। यह अधिग्रहण इसकी विदेशी सामग्री सहायक कंपनी शेरा जाम्बिया लिमिटेड के माध्यम से किया गया है और यह शेरा की दीर्घकालिक रणनीति में एक बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य कच्चे माल की सुनिश्चित आपूर्ति और वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना है। यह संयंत्र जाम्बिया के संसाधनों से समृद्ध कॉपरबेल्ट क्षेत्र में, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो की सीमा के पास स्थित है। संयंत्र स्थानीय रूप से प्राप्त तांबे की ऑक्साइड अयस्क से 99.99 प्रतिशत शुद्ध कॉपर कैथोड का उत्पादन करेगा, जिससे कंपनी को खरीद लागत को काफी हद तक कम करने और परिचालन दक्षता को बढ़ाने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में संयंत्र की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता 1,200 मीट्रिक टन प्रति वर्ष होगी, जिसे अगले वर्षों में बढ़ाकर 5,000 मीट्रिक टन करने की योजना है। यह पहल शेरा की बैकवर्ड इंटीग्रेशन (पिछड़ा एकीकरण) की व्यापक रणनीति और कमोडिटी कीमतों में उतार-चढ़ाव से व्यवसाय को सुरक्षित रखने की योजना के अनुरूप है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, नसीम शेख, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, शेरा एनर्जी लिमिटेड ने कहा यह रणनीतिक अधिग्रहण हमारे अंतरराष्ट्रीय सफर में एक बड़ा मील का पत्थर है। उच्च-शुद्धता कॉपर कैथोड का प्रत्यक्ष स्रोत स्थापित करके, हम न केवल अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करते है।

## पुलिस ने बड़े नकली कीटनाशक रैकेट का भंडाफोड़ किया

**छिंदवाड़ा।** तेलंगाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए राजेंद्र चेचानी को गिरफ्तार किया है - जिसे राजू चेचानी के नाम से भी जाना जाता है, जो बड़े पैमाने पर नकली कीटनाशकों के रैकेट के मुख्य आरोपियों में से एक है। पुलिस ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वित अभियान के दौरान 2 मई 2025 को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी गांव स्थित उसके फार्महाउस से उसे गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारत के कृषि क्षेत्र में नकली कीटनाशकों के बढ़ते खतरे को उजागर करती है, जहाँ भोले-भाले किसानों को अक्सर ऐसे उल्लंघनकर्ताओं द्वारा नकली उत्पादों के साथ धोखा दिया जाता है।

## प्रिमियम प्लास्ट का शुद्ध मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़ा

**मुंबई, एजेंसी।** प्रिमियम प्लास्ट लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले, सटीक प्लास्टिक घटकों के लिए जाना जाता है और विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं देता है, ने एफवाय25 के लिए अपना लेखा-परीक्षित वित्तीय प्रदर्शन जारी किया है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री चेतन दवे ने कहा- हम एफवाय25 में 50 करोड़ का महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार करने की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। यह हमारी कोर बिज़नेस की ताकत और ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

### IFL एंटरप्राइजेज लिमिटेड को राइट्स इश्यू से 49.14 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मिली

# राइट इश्यू 19 जून से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा

**मुंबई।** कृषि वस्तुओं के आयात, निर्यात और व्यापार सहित एग्री कोमोडिटी बिझनेस में लगी IFL एंटरप्राइजेज लिमिटेड (बीएसई - 540377) का 49.14 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू 19 जून, 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 30 जून, 2025 तक खुला रहेगा। राइट्स इश्यू की कीमत आकर्षक रूप से 1 रुपये प्रति शेयर रखी गई है, जो मौजूदा शेयरधारकों को कंपनी में अपनी इक्विटी बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। 9 जून 2025 को आयोजित बैठक में बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने राइट्स इश्यू पर विचार किया और उसे मंजूरी दी।

इससे पहले, कंपनी के बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने 30 दिसंबर, 2024 को और 07 मार्च, 2025 के ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर को 50 करोड़ रुपये (पचास करोड़ रुपये) तक के प्रस्तावित राइट इश्यू के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया और बीएसई लिमिटेड से 19 मई, 2025 के लेटर नंबर स्ह्ष्ठ/ऋढ्ढत॥ञ्ज/त्यस/स्नढ्ढक्र213/2025-26 के माध्यम से सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त हुआ। रिकॉर्ड तिथि - 13 जून, 2025 को इक्विटी शेयर रखने वाले शेयरधारक प्रत्येक 91 फुल्ली पेईड इक्विटी शेयरों के लिए 60 राइट इक्विटी शेयरों के अनुपात में राइट शेयरों के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। ऋश्चह्य के ऑन-मार्केट रेनुन्सिएशन की अंतिम तिथि 24 जून, 2025 है। राइट्स इश्यू में 1 रुपए अंकित मूल्य वाले 49,14,76,620 फुल्ली पेईड अप इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 49.14 करोड़ रुपए है।

इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। यह केपिटल राईझ नवनियुक्त मेनेजिंग डिरेक्टर श्री अभिषेक प्रतापकुमार ठक्कर के नेतृत्व में कंपनी की रणनीतिक दिशा का अनुसरण करता है, जिसका उद्देश्य परिचालन दक्षता को बढ़ाना और सेवा क्षमताओं का विस्तार करना है।

## सिद्धू की शायरी, कपिल के पंच, और नेटफ़्लिक्स का स्टेज — कॉमेडी के राजा फिर लौट आए हैं!

**मुंबई।** तैयार हो जाइए - क्योंकि ठोको ताली की गूंज फिर से लौट आई है, और साथ ही लौट आए हैं नवजोत सिंह सिद्धू! द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीज़न 21 जून से नेटफ्लिक्स पर शुरू हो रहा है, और इस बार एक ऐसा ट्विस्ट है जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी - हंसी के असली बादशाह फिर से अपने तख्त पर लौट आए हैं, हंसी की रानी अर्चना पूरन सिंह के साथ! हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। अब ये बना है डबल-जज कॉमेडी कोर्ट, और फैसला एकदम साफ है- डबल हंसी, डबल धमाल और यकीनन डबल ताली।नेटफ्लिक्स और कपिल ने इस महीने की शुरुआत में वादा किया था कि हर फनीवार बढ़ेगा हमारा परिवार, और इस वादे को निभाते हुए, कॉमेडी परिवार को और बड़ा बना दिया गया है - क्योंकि अब सिद्धू पाजी भी इस परिवार का हिस्सा हैं। और सिर्फ इतना ही नहीं - इस बार फैंस सिर्फ ऑडियंस में नहीं रहेंगे, बल्कि स्टेज पर भी नजर आएंगे!

# रेनालिक्स ने दुनिया की पहली स्वदेशी एआई आधारित स्मार्ट हीमोडायलिसिस मशीन लॉन्च की

● किडनी केयर को बनाया सस्ता और सुलभ ● मजबूत विनिर्माण क्षमता हासिल करने के लिए अगले चार साल में 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी कंपनी

● एंड-स्टेज रेनल डिजीज (ईएसआरडी) मरीजों के लिए पूरे भारत में डायलिसिस को सुलभ बनाने का लक्ष्य

**मुंबई, एजेंसी।** किडनी (रेनल) केयर सेक्टर की देश की अग्रणी प्रौद्योगिकीय नवाचार (टेक्नोलॉजी इनोवेशन) कंपनी रेनालिक्स हेल्थ सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने दुनिया की पहली पूरी तरह से स्वदेशी, एआई आधारित और क्लाउड सक्षम हीमोडायलिसिस मशीन रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 (ऋञ्ज 21) लॉन्च की है. इस मशीन के जरिए कहीं से रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकती है. इसके साथ ही यह क्लीनिकल कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं से भी लैस है. 6.70 लाख रुपये की शुरुआती कीमत के साथ आयातित मशीनों की तुलना में काफी कम मूल्य पर उपलब्ध रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 डायलिसिस सुविधा को बड़ी आबादी के लिए किफायती और सुलभ बनाने के साथ-साथ शहरी, अर्ध-शहरी (सेमी-अर्बन) और ग्रामीण इलाकों में मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पाट देगी.

पूरी तरह से भारत में डिजाइन की गई और विनिर्मित रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 किडनी के मरीजों, एंड-स्टेज रेनल डिजीज (ईएसआरडी) मरीजों और खासकर दिल (हार्ट), फेफड़ों और किडनी में गंभीर चोट से जुड़ी जटिलताओं वाले मरीजों को सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण देखभाल (क्वालिटी केयर) उपलब्ध कराने के लिए क्लाउड-आधारित टेलीनेफ्रोलॉजी प्लेटफॉर्म सहित अन्य नवीनतम प्रौद्योगिकी (लेटेस्ट टेक्नोलॉजीज) का इस्तेमाल करती है. रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 ने रेनालिक्स को यूरोपीय यूनियन (ईयू) सीई सर्टिफिकेशन वाली एडवांस्ड डायलिसिस मशीन बनाने वाली दुनिया की छठी और भारत की पहली कंपनी बना दिया है.

रेनालिक्स ने 2025-26 तक 5,000 मशीन की विनिर्माण क्षमता हासिल करने के लिए अगले चार साल में 800 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है. इसके साथ ही कंपनी वित्त वर्ष 2027-28 तक 1500 मशीनों की अतिरिक्त क्षमता विकसित करेगी. इसके अतिरिक्त कंपनी की भारत में ही कंज्यूमेबल्स के विनिर्माण की भी योजना है. कंपनी की विस्तार योजनाओं को सपोर्ट करने और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी की कर्नाटक के बेंगलुरु और मैसूर तथा महाराष्ट्र के मुंबई में विनिर्माण इकाइयां (मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटीज) हैं.

## शुरू हो रहा है अल्ट्रा का नया अध्याय

**गुरुग्राम, एजेंसी।** सैमसंग वर्षों से अपने यूजर्स की बात सुनता आया है और हमेशा उनकी उम्मीदों से आगे बढ़ने का वादा करता रहा है। आज की डिजिटल दुनिया में लोग चाहते हैं - बड़ी स्क्रीन, शानदार कैमरा और ऐसे स्मार्ट फीचर्स जो उनकी रचनात्मकता को नई उड़ान दें। इसी वादे को पूरा करते हुए सैमसंग लेकर आया है नया अल्ट्रा अनुभव - जो पोर्टेबिलिटी के साथ दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरा और स्मार्ट कनेक्टिविटी का बेहतरीन मेल है। गैलेक्सी का यह नया अध्याय तकनीक और कला को इस तरह जोड़ता है, जो रोज़मर्रा की ज़िंदगी को पहले से कहीं बेहतर बना देता है। भीड़भाड़ वाले मेट्रो स्टेशन से लेकर पूरे दिन की व्यस्त दिनचर्या तक - नया गैलेक्सी डिवाइस हर पल को स्मार्ट और आसान बनाता है। इसे हाथ में लेकर वॉयस कमांड से एआई की मदद लें, परफेक्ट रेस्टोरेंट ढूंढें और अपने डाइनिंग पार्टनर को तुरंत मैसेज भेजें। रास्ते में अधूरा ईमेल पूरा करें और फिर हाई-क्वालिटी कैमरे से उन पलों को तस्वीरों में कैद करें जो यादगार बन जाएं। एआई-पावर्ड टूल्स की मदद से आप दिनभर मैसेजिंग, ब्राउज़िंग और गेमिंग का मज़ा ले सकते हैं, वो भी बिना किसी बोझ या रुकावट के।

# द वेल्थ कंपनी ने भारत की रियल एस्टेट क्षमता को भुनाने के लिए लॉन्च किया 2000 करोड़ का भारत भूमि फंड

**मुंबई, एजेंसी।** पैंटोमैथ ग्रुप की अंग, द वेल्थ कंपनी एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी पांचवीं भारत वैल्यू फंड सीरीज़ के तहत भारत भूमि फंड लॉन्च किया है, जो - 1000 करोड़ का कैटेगरी-2 एआईएफ है और इसमें 1000 करोड़ का ग्रीन शू ऑप्शन है। यह फंड भारत के वृद्धि दर्ज करते रियल एस्टेट सेक्टर में प्राइवेट इक्विटी-शैली की कठोरता लाता है, जिसमें उच्च अवसर वाले कॉरिडोर और मुख्य शहरों में निष्पादन के लिए तैयार परियोजनाओं पर केंद्रित दृष्टिकोण है।

भारत भूमि फंड, द वेल्थ कंपनी के निवेश क्षितिज का विस्तार है और यह उसी मूल्य-संचालित दर्शन पर आधारित है जो इसके बाकी दृष्टिकोण को परिभाषित करता है। भारत वैल्यू फंड सीरीज़ की मज़बूत नींव और विश्वसनीयता को आगे बढ़ाते हुए - सॉवरेन फंड ऑफ फंड्स और प्रमुख फैमिली ऑफिस जैसे गुणवत्ता वाले निवेशकों द्वारा विश्वसनीय और समर्थित यह फंड रियल एसेट में निवेश को व्यापक बनाने का स्वाभाविक तरीका प्रदान करता है। दृश्यता (विज़िबिलिटी) और संपार्श्विक (कोलैटरल) समर्थन प्रदान करते हुए, रियल एस्टेट इक्विटी और निजी बाज़ार निवेश के साथ-साथ लचीला आधार बनाता है - बाज़ार चक्रों में स्थायी मूल्य प्रदर्शित करता है। द वेल्थ कंपनी के लिए, रियल एस्टेट कोई नई दिशा नहीं है, यह पोर्टफोलियो में विविधता लाने की आवश्यकता के साथ जुड़ी एक स्वाभाविक प्रगति है।

## मध्यप्रदेश में भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तात्कालिक ढांचागत सुधार जरूरी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। एनटीपीसी लिमिटेड ने राज्य में सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं सहित 20 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी क्षमता विकसित करने के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करने का संकल्प लिया है। इसके अतिरिक्त, राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2025 का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक राज्य की 50न्न बिजली आवश्यकताएं नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जाएं, जिसके लिए 2027 तक 50,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करने की योजना है। हालांकि, उत्पादन के मोर्चे पर हुई ये प्रगति आम उपभोक्ताओं के लिए भरोसेमंद बिजली आपूर्ति में तब्दील नहीं हो पाई है। साल भर, विशेषकर गर्मियों के मौसम में, निर्धारित रखरखाव कार्य या उपकरणों की खराबी के कारण बार-बार बिजली कटौती आम बात है। पिछले महीने भोपाल के लगभग 25 इलाकों में 1 से 6 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही, जिसका कारण क्षेत्र में चल रहे रखरखाव कार्य बताया गया। बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और भरोसेमंद वितरण को कमजोर करने वाला एक प्रमुख कारण डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर्स (डीटी) की बार-बार खराबी है।

# निष्क को मिला डायमंड्स डु गुड अवार्ड

### द्देश्य-आधारित अनुकरणीय नेतृत्व का सम्मान

**मुंबई, एजेंसी।** टाटा परिवार के अग्रणी ज्वेलरी ब्रांड, तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क को डायमंड्स डु गुड पर्पज़-ड्रिवन बिज़नेस लीडरशिप अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। लास वेगस में संपन्न हुए प्रतिष्ठित डायमंड्स डु गुड अवार्ड्स 2025 समारोह में यह पुरस्कार दिया गया। टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीज़न के सीईओ, श्री अजॉय चावला ने तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया। प्राकृतिक हीरों के उद्यम के मूल में नैतिकता, सस्टेनेबिलिटी और समाज की उन्नति को दृढ़ता से जोड़ने में इन ब्रांडों के नेतृत्व का सम्मान इस पुरस्कार में किया गया है।

डायमंड्स डू गुड फाउंडेशन द्वारा दिया जाने वाला, यह नामचीन पुरस्कार नैतिक सोर्सिंग, समाज की उन्नति और शिक्षा के माध्यम से प्राकृतिक हीरा उद्योग में सार्थक बदलाव लाने वाले वैश्विक नेताओं का सम्मान करता है। यह पुरस्कार तनिष्क और मिआ को न केवल आभूषण ब्रांड के रूप में, बल्कि भारत और विश्व स्तर पर ज़िम्मेदारी का ध्यान रखते हुए लक्ज़री के चैंपियन के रूप में भी सुर्खियों में लाता है।

## सिग्निफाई ने अपने हर गांव रोशन सीएसआर पहल के तहत आंध्र प्रदेश में लगभग 78,000 से ज्यादा लोगों की ज़िंदगी को रोशन किया

**मुंबई, एजेंसी।** दुनिया की मशहूर लाइटिंग कंपनी सिग्निफाई ने ब्रिदर लाइफ बेटर वर्ल्ड विज़न के अनुरूप, आंध्र प्रदेश के पर्वतिपुरम मन्यम ज़िले के लगभग 230 गांवों को अपने प्रमुख हर गांव रोशन सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत रोशन किया है। इस पहल से कुल 17,766 परिवारों को सस्टेनेबल लाइटिंग मिली है, जिससे पूरे इलाके में 78,200 से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी खुशहाल हुई है।

इस प्रोजेक्ट के आधिकारिक उद्घाटन समारोह में श्याम प्रसाद, आईएएस (जिला कलेक्टर, पर्वतिपुरम मन्यम), शामिल हुए साथ ही सिग्निफाई के सीनियर अधिकारी और उनके साझेदार संगठन जन कल्याण समिति के लोग भी मौजूद थे। इस प्रोजेक्ट को ज़मीनी स्तर की संस्था जन कल्याण समिति के साथ मिलकर लागू किया गया। इसमें गांव के लोगों की भागीदारी से यह तय किया गया कि लाइटें सही जगह लगें और उनकी ठीक से देखभाल हो। गांव के कुछ लोगों को लाइट सिस्टम की बेसिक मरम्मत की ट्रेनिंग भी दी गई, ताकि यह काम लंबे समय तक टिकाऊ और असरदार बना रहे।

निखिल गुप्ता, हेड ऑफ मार्केटिंग, स्ट्रैटेजी, गवर्नमेंट अफेयर्स और सीएसआर - सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने बताया कि, भरोसेमंद रोशनी तक पहुंच विकास की बुनियाद है।

# केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

प्रहलाद सबनानी

**वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है।**

आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतः अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है।

वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है।

भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है। इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था। अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दशार्ता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं। यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है। परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है। केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है।

## संपादकीय

### बिजली बचाने का उपक्रम

सरकार एयरकंडीशनर के तापमान को मानकीकृत करने के विषय में उपकरण विनिमार्ताओं व राज्यों से बात कर रही है। देश में ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने के लिहाज से एसी के डिफॉल्ट तापमान को 20 से 28 डिग्री के दरम्यान मानकीकृत करने के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो यानी बीईई रूप रेखा तैयार कर रहा है। इस ब्यूरो का काम ऊर्जा कुशल प्रक्रियाओं, उपकरण व प्रणालियों के इस्तेमाल को बढ़ावा देता है। न्यूनतम 20 तथा अधिकतम 28 डिग्री को स्टैंडर्ड. बनाया जा सकता है। सरकार वाहन विनिमार्ताओं के साथ भी इस संबंध में बात कर रही है। तापमान में एक डिग्री की कमी से छह फीसद ऊर्जा की बचत संभव होती है। यह घोषणा ऐसे समय की गई है, जब देश में भीषण गरमी के कारण बिजली की खपत बढ़ती जा रही है। नौ जून को यह 241 गीगा वॉट तक पहुंच चुकी थी। यह नियम दफ्तरों के अलावा आवासों पर भी लागू हो सकता है। इसके लागू होते ही एसी निमार्ता कंपनियों को ही अपने उत्पाद के हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर बदलाव के जरिए इसे सीमित किया जाएगा। फिलवक्त यह न्यूनतम 16/18 व अधिकतम 30 डिग्री होता है। बिजली अधिकारियों के अनुसार देश में अधिकतम ऊर्जा खर्च में करीब पचास गीगावॉट बिजली की खपत एसी चलने में होती है। जो अधिकतम गरमी के वक्त कुल ऊर्जा खर्च का पांचवां हिस्सा हो जाती है। देश में बिजली निर्माण में कोयले का प्रयोग सबसे ज्यादा होता है। इस पर काबू करने से प्रदूषण घटाने में भी मदद हो सकती है। महानगरों में बढ़ते औद्योगिकीकरण, शानदार-उन्नत रिहाइशों और बाजारों के वातानुकूलन में बिजली की जबरदस्त खपत होती है। जिस पर काबू करने के प्रति सरकार को प्रतिबद्ध होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान का सबसे अधिक खामियाजा आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सबसे ज्यादा चुकाना पड़ता है। बिजली की किल्लत या आपूर्ति से अधिक मांग होने पर बिजली कटौती इसी वर्ग से की जाती है। अकेले बीते वर्ष ही देश में 1.4 करोड़.यूनिट की बिक्री हुई थी। बढ़ती गरमी की चुनौतियों से जूझने के लिए सरकार को और भी कदम उठाने होंगे। ऊर्जा-कुशल बुनियादी ढ़ांचे व बेहतरीन वेंटीलेशन वाली इमारतों के निर्माण की व्यवस्था के प्रयास करने चाहिए। एसी के अतिरिक्त एलईड़ी लाइटों, पंखों व अन्य घरेलू उपकरणों का भी मानकीकरण करने की कोशिशें जरूरी हैं।

## चिंतन-मनन

### धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है। इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। यह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आत्म शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी नरक नहीं। जिसके भीतर स्वर्ग नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं। महावीर ने भीतर पर जोर दिया जबकि हम बाहर पर जोर दे रहे हैं। बाहर के स्वर्ग और नरक की चिंता में उलझे हैं। इसी चिंतन का दुष्परिणाम यह हुआ कि बाहर से जप-तप, पूजा-पाठ चल रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ छल-कपट, झूठ, शोषण, राग-द्वेष, नफरत भी पल रहे हैं।

# स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बने

ललित गर्ग

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान् दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है।

इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है। भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्यपाप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है। रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है।

# मुद्दा : वायरल होने को कुछ भी करेंगे...

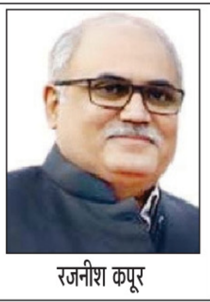

रजनीश कपूर

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी बात दुनिया तक पहुंचाने का एक शक्तिशाली मंच प्रदान किया है। यह मंच जहां एक ओर ,ङ्क ज्ञान और सकारात्मक संदेशों को फैलाने का अवसर देता है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस मंच का दुरु पयोग भी कर रहे हैं। एक चिंताजनक प्रवृत्ति जो हाल के वर्षों में उभरी है, वह है सार्वजनिक स्थानों पर अश्लीलता के जरिए वायरल होने और प्रसिद्धि हासिल करने की कोशिश। यह न केवल सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाता है, बल्कि समाज में नैतिकता और संस्कृति के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ ने कई लोगों को गलत रास्ते पर धकेल दिया है। कुछ लोग त्वरित प्रसिद्धि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यवहार, अभद्र भाषा, अनुचित कपड़े या आपत्तिजनक हरकतें करते हैं और इसे रिकॉर्ड करके ऑनलाइन डाल देते हैं। उदाहरण के तौर पर कुछ युवा सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो, बस, पार्क या बाजारों में अश्लील नृत्य, अशोभनीय टिप्पणियां या विवादास्पद कृत्य करते हैं, ताकि लोग उनकी वीडियो देखें, शेयर करें और वे रातोंरात प्रसिद्ध हो जाएं। इस तरह की सामग्री को अक्सर ह्यक्लिकबेट' के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि यह लोगों का ध्यान तुरंत खींचती हैङ्क लेकिन यह प्रवृत्ति समाज के लिए हानिकारक है। यह सवाल उठता है कि क्या प्रसिद्धि के लिए नैतिकता और सामाजिक मयार्दाओं को ताक पर रखना उचित है? आज के समय में, सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स और व्यूज को सफलता का पैमाना माना जाता है। लोग मानते हैं कि वायरल होने से उन्हें प्रसिद्धि, पैसा और अवसर मिलेंगे। इस लालच में वे अश्लीलता का सहारा भी ले लेते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम विवादास्पद और सनसनीखेज सामग्री को अधिक प्रचारित करते हैं। अश्लील वीडियो या पोस्ट को ज्यादा लाइक्स, शेयर और कमेंट्स मिलते हैं, जिससे वे ट्रेंडिंग लिस्ट में आ जाते हैं। यह क्रिएटर्स को ऐसी सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। आधुनिक समाज में कुछ हद तक नैतिकता और सामाजिक मूल्यों में कमी आई है। लोग व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर अनुचित व्यवहार को सही ठहराने लगे हैं। सोशल मीडिया पर लाखों कंटेंट क्रिएटर्स हैं और उनमें से अलग दिखने के लिए कुछ लोग गलत रास्ते चुन लेते हैं। अश्लीलता एक आसान और तेज तरीका लगता है। सार्वजनिक अश्लीलता के जरिए वायरल होने की प्रवृत्ति समाज पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। जब लोग सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यवहार करते हैं, तो यह समाज की नैतिकता और मयार्दाओं को कमजोर करता है। अश्लील व्यवहार सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद अन्य लोगों के लिए असुविधा और असहजता का कारण बनता है। इससे सामाजिक तनाव और विवाद पैदा हो सकते हैं। भारत में सार्वजनिक अश्लीलता को रोकने के लिए कई कानून मौजूद हैं। भारतीय न्याय संहिता के तहत, सार्वजनिक स्थान पर अश्लील कृत्य या शब्दों का उपयोग दंडनीय अपराध है। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत भी ऑनलाइन अश्लील सामग्री को फैलाना भी गैरकानूनी है। फिर भी, इन कानूनों का सख्ती से पालन नहीं हो पाता, क्योंकि सोशल मीडिया पर सामग्री की मात्रा इतनी अधिक है कि हर पोस्ट की निगरानी करना मुश्किल है। इस समस्या से निपटने के लिए समाज, सरकार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मिलकर काम करना होगा। सार्वजनिक अश्लीलता और ऑनलाइन अश्लील सामग्री के खिलाफ कानूनों का सख्ती से पालन करना जरूरी है। सोशल मीडिया कंपनियों को अपने एल्गोरिदम में बदलाव करना चाहिए, ताकि अश्लील और विवादास्पद सामग्री को बढ़ावा न मिले। ऐसी सामग्री को तुरंत हटाने और क्रिएटर्स के अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने की नीति लागू करनी चाहिए। समाज में नैतिकता और सामाजिक मयार्दाओं के महत्त्व को समझाने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में शिक्षित करना जरूरी है। वहीं माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर नजर रखनी चाहिए।

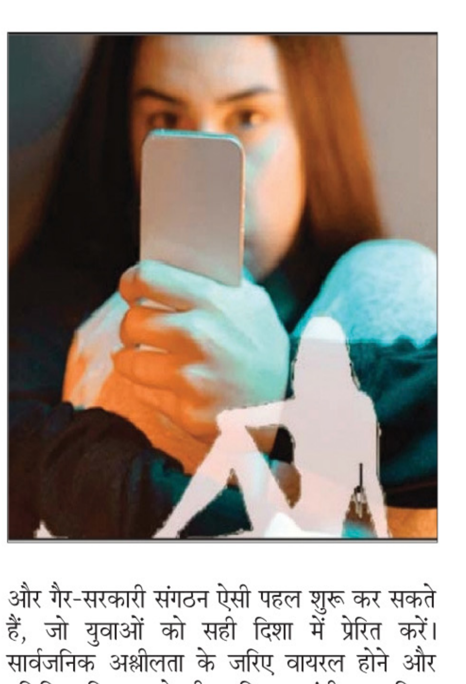

सोशल मीडिया पर सकारात्मक, रचनात्मक और प्रेरणादायक सामग्री को बढ़ावा देना चाहिए। सरकार और गैर-सरकारी संगठन ऐसी पहल शुरू कर सकते हैं, जो युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करें। सार्वजनिक अश्लीलता के जरिए वायरल होने और प्रसिद्धि हासिल करने की प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक समस्या है। समय की मांग है कि हम इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करें। कानूनी कार्रवाई, जागरूकता और सकारात्मक सामग्री को बढ़ावा देकर हम एक स्वस्थ और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं। प्रसिद्धि का असली मोल तब है, जब वह मेहनत, रचनात्मकता और नैतिकता के आधार पर हासिल की जाए, न कि सस्ते और अनुचित तरीकों से।

# पेट की गैस

## कहीं बड़ी समस्या में न बदल जाए

आजकल पेट में गैस बनना एक साधारण बात हो गई है। पाचन तंत्र में विकार उत्पन्न होने की वजह से उदर और आंतों में गैस की समस्या उत्पन्न हो जाती है है। गैस बनना किसी रोग का लक्षण भी हो सकता है। अधेड़ उम्र के लोग इससे अधिक पीड़ित रहते हैं। क्योंकि इस उम्र में पाचन क्रिया कमजोर होने लगती है। लोग अक्सर इसे आम समस्या समझकर नजर अंदाज कर दिया करते हैं।

**गैस** उदर या आंतों में बनती है। उदर व आंत शरीर के वे भाग हैं जिसमें आहार का पाचन होता है। पाचन के लिए आमाशयिक रस की जरूरत होती है। अमाशयिक रस में एंजाइम, पेप्सिन, लाइपेज और रेनिन होते हैं। पेप्सिन, हाइड्रो क्लोरिक अम्ल के साथ मिलकर प्रोटीन को पेप्टीन में बदलता है। रेनिन, दूध के केसीनोजन को गाढ़ा करता है और लाइपेज वसा का पाचन कराता है। अमाशयिक रस द्वारा ही कुछ विषैले पदार्थ जैसे विष, धातु, अल्केलोइड्स आदि निकलते हैं। अनावश्यक जीवाणुओं व कीटाणुओं का नाश भी अमाशयिक रस के द्वारा ही होता है। खाने की चीजों के पाचन के लिए अमाशयिक प्रक्रिया के दौरान पोषक तत्व सोख लिए जाते हैं, और अनचाहे अवशेष मलमूत्र के रूप में शरीर से बाहर निकल जाते हैं। पाचन क्रिया के तहत रासायनिक प्रक्रिया होती है और गैस बन जाती है। गैस का अधिक या कम बनना पाचन शक्ति, व्यक्ति की आयु, शारीरिक और मानसिक रोग और खाने की चीजों के मिश्रण आदि पर निर्भर होता है।

पेट की गैस दो प्रकार की होती है। एक तो वह जो भोजन करते समय हमारे पेट में पहुंच जाती है। जैसे? नाइट्रोजन, ऑक्सीजन। दूसरी कार्बन डाइआक्साइड, हाइड्रोजन और मीथेन है जो पाचन प्रक्रिया के दौरान आंतों में बनती है। एक स्वस्थ व्यक्ति में ये गैसें कम मात्रा में होती हैं जो कि मलद्वार या डकार से आसानी से बाहर निकल जाती हैं। परन्तु अधिक मात्रा में गैस बनने और पाचन क्रिया के दौरान इसके भोजन में मिलने के कारण इससे कष्ट देने वाले लक्षण पैदा होने लगते हैं। इन लक्षणों में मुख्य है। खाना खाने के एक या दो घंटे पश्चात पेट में भारीपन महसूस होता है और सांस लेने में भी तकलीफ होती है तथा मलद्वार से अधिक गैस निकलने के कारण आंतों में अनपचे कार्बोहाइड्रेट का बैक्टीरिया द्वारा फर्मेंटेशन होता है। ये गैसें अधिकतर हाइड्रोजन कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन होती हैं। सामान्यतः इनमें कोई गंध नहीं होती।

पेट के दर्द की वजह गैस नहीं है। दर्द आंतों की गतिशीलता में कमी की वजह से होता है। ज्यादा गैस बनना किसी गंभीर रोग से संबंधित हो सकता है। खट्टी डकारें आना, पेट का फूलना और मलद्वार से दुर्गंधमय गैस निकलने को नजरअदांज नहीं किया जाना चाहिए। इन का पूरा इलाज होना जरूरी है। उदर के रोग जैसे गैस्ट्राइटिस, पेट में अल्सर या पेप्टिक कैंसर, आंतों के रोग एंट्राइटिस, अल्सर, एमीबाइसिस तथा जिआर्डिएसिस आदि से भी गैस की समस्या हो सकती है।

इसके अलावा हवाई यात्रा में भी गैस विकार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हवाई यात्रा के दौरान इस रोग से ग्रस्त लोगों को अधिक सावधानी की आवश्यकता होती है क्योंकि हवाई जहाज में वायुमण्डल का दबाव कम होने के कारण उदर की गैस आयतन में तीस प्रतिशत की वृद्धि हो जाती है और कष्टदायक लक्षण सामने आने लगते हैं।

मुंह और सांस लेने के अंगों में विकारों की वजह से भी गैस की समस्या हो सकती है। नाक, सांस में बाधा, टौंसिल और एडिनाइड का इलाज आसानी से संभव हो सकता है और अगर गैस की समस्या इनके कारण से हो तो उसे दूर किया जा सकता है। इसी तरह दांतों के विकार और कृत्रिम दांतों की बनावट के कारण होने वाले विकार भी गैस के लक्षण हो सकते हैं।

शिशुओं में भी गैस विकार की समस्या पाई जाती है। शिशु मां से या बोतल से दूध पीते समय मुंह से हवा अंदर ले लेते हैं। इस प्रकार दूध के साथ-साथ आक्सीजन और नाइट्रोजन गैसें भी उनके पेट में पहुंच जाती हैं। यदि पेट में गैस ज्यादा मात्रा में हो जाती है तो वह दूध पीना छोड़ देता है और बेचैनी महसूस करता है, रोने लगता है और यदि यह गैस समय पर डकार द्वारा नहीं निकलती है तो या तो शिशु उल्टी कर देता है या फिर उसे असमय ही गैस के साथ मल हो जाता है।

गैस निकालने के लिए बच्चे को दूध पिलाने के बाद कंधे से लगाकर पीठ थपथपानी चाहिए, जब तक कि वह डकार न ले ले। गैस के विकार से होने वाली समस्या से बचने के लिए खाने?पीने में सफाई की आदत की जरूरत होती है। जल्दी-जल्दी जरूरत से ज्यादा खाना, खाते समय, चिंता या मानसिक तनाव से ग्रस्त होना, भोजन के समय बीच-बीच में ज्यादा पानी पीना आदि गैस की परेशानी को और अधिक बढ़ाते हैं। जुलाब की गोलियों का बार-बार इस्तेमाल भी हानिकारक होता है।

गैस के अलग-अलग शारीरिक और रोगात्मक कारण होते हैं इसलिए हर किसी के लिए एक सा भोजन उपयुक्त नहीं होता। जिन खाने की चीजों से गैस बनने की संभावना हो उनसे बचना चाहिए। कोका कोला, पेप्सी, सोड़ा आदि पेय ज्यादा गैस पैदा करते हैं क्योंकि इन सब में कार्बन डाईआक्साइड तथा सोड़े की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसी खाने की चीजों से भी बचना चाहिए जिन में लेक्टोज की मात्रा ज्यादा होती है। बच्चों को लेक्टोज रहित आहार के तहत न्यूट्रा माइजेन जैसे एमिनो एसिड, प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट या फिर सोयाबीन का दूध दिया जा सकता है। बड़ों को सभी प्रकार के दूध, आइस्क्रीम, चीज, दूध से बनी मिठाई, दूध से बने पेय, सफेद ब्रेड, बिस्कुट, क्रीम सूप, क्रीम युक्त व्यंजन और ठंडे मांसाहार से बचना चाहिए।

कुछ सब्जियां और फल भी अधिक गैस बनाते हैं। फूल गोभी, पत्ता गोभी, सूखी फलियां, ककड़ी, हरी मिर्च, सलाद, मटर, मूली, प्याज, कच्चे सेब, तरबूज, खरबूजा आदि अधिक गैस बनाते हैं। तले हुए या वसायुक्त पदार्थों से भी ज्यादा गैस बनती है। इनके इस्तेमाल से आंतों में कार्बन डाईआक्साइड बनती है।

अन्य रोगों की तरह गैस विकार की समस्या पर काबू पाने के लिए भी नियमित व्यायाम और योगाभ्यास लाभदायक होते हैं। सुबह शाम 2-4 किलोमीटर तक घूमना गैस की समस्या को दूर करने के लिए अच्छा व्यायाम है। इससे रक्त संचार भी ठीक बना रहता है। पाचन शक्ति भी सही रहती है। मानसिक तनाव से दूर रहते हुए शांति से सादा भोजन, इसका सबसे बड़ा इलाज है।

खाना खाते वक्त कम पानी पीना चाहिए। क्योंकि अधिक पानी पाचन के लिए हानिकारक होता है। रात को देर से भोजन करना भी गैस की समस्या को बढ़ाता है। भोजन को ठीक से पचने के लिए 6-8 घंटे लगते हैं। इसके लिए पूर्ण आराम और 7-8 घंटे की नींद आवश्यक होती है। इन सावधानियों को बरतने के बाद भी यदि गैस से पीछा न छूटे तो किसी विशेषज्ञ से सलाह लें।

# सेहत
## की कुछ बातें

बाल्यावस्था के दिन मौज–मस्ती और नटखटपन के होते हैं। हालांकि इसी अवस्था में शरीर का सही विकास भी होता है। इसलिए इस उम्र में बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना चाहिए। यह माता–पिता और अभिभावकों का दायित्व है कि वे अपने बच्चों में सेहत के प्रति सजगता की आदत बचपन से ही डालें। बाल्यावस्था में बच्चों में मोटापा, वजन कम होना, एनीमिया और दांतों संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। कुछ बच्चों में व्यवहार सीखने संबंधित समस्याएं भी पैदा होती हैं। ऐसे बच्चों को अपनी उम्र के अन्य बच्चों के साथ घुलने–मिलने में दिक्कत होती है।

### बहुत जरूरी है नाश्ता

सुबह का नाश्ता करने के लिए बच्चों को अवश्य प्रोत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। चिकित्सकों का कहना है कि बच्चों को संतुलित और पौष्टिक नाश्ता करवाकर ही स्कूल भेजें। बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छे विकल्प फल हैं। ड्राई फ्रूट्स भी स्नैक्स के अच्छे विकल्प हैं।

### स्कूल भी ध्यान रखें

ज्यादातर स्कूल की कैंटीन में खानपान की स्वास्थ्यकर वस्तुएं उपलब्ध नहीं होतीं। यहां समोसा, चाऊमिन और बर्गर आदि वस्तुएं ही उपलब्ध होती हैं। ये वस्तुएं कभी-कभी खायीं जाएं तो ही ठीक रहता है। प्रतिदिन जंक फूड और फास्ट फूड का सेवन बच्चों की सेहत के लिए सही नहीं रहता है। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चे को स्वास्थ्यप्रद वस्तुओं से युक्त टिफिन बाक्स देकर ही स्कूल भेजें।

### सामाजिक समारोह

बदलते दौर में माता-पिता के साथ बच्चे भी सामाजिक समारोहों में बढ़-चढ़कर शिरकत करते हैं। मसलन, बर्थ-डे पार्टी में जाना, पिकनिक पर जाना, शॉपिंग मॉल आदि जगहों पर जाना। इन स्थानों पर खाने-पीने की जो वस्तुएं उपलब्ध होती हैं, उनमें से ज्यादातर स्वास्थ्यकर नहीं होतीं। ऐसे स्थानों पर बच्चों को एक बेहतर विकल्प चुनने की राय देनी चाहिए।

### मोटापा

अपने देश में बाल्यावस्था में होने वाले मोटापे की समस्याएं बढ़त पर हैं। आप बच्चे में खानपान से संबंधित अच्छी आदतें डालकर उन्हें मोटापे से बचा सकती हैं। इसके लिए उन्हें शुगर युक्त खाद्य पदार्थो से दूर रखें और उनके आहार में सब्जियां व फलों की मात्रा बढ़ाएं। बच्चे को यह भी समझाना चाहिए कि उसे मिठाइयों व ऐसे पेय पदर्'थो से दूर रहना चाहिए, जिनमें शुगर ज्यादा रहती है। बच्चे को फल व सब्जियां खाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि पहले से ही आपका बच्चा मोटा है तो उसे शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

### वजन कम होना

कुछ बच्चों का वजन लंबाई के अनुपात में काफी कम होता है। कुछ बच्चों की आदत कम खाने की होती है। उनकी यह प्रवृत्ति माता-पिता के लिए परेशानी का कारण बन जाती है। ऐसे बच्चों के बारे में माता-पिता को यह मालूम करना चाहिए कि उन्हें कौन से खाद्य पदार्थ पसंद हैं। संभव है कि पसंदीदा खाद्य पदार्थ न मिलने के कारण वे कम खाते हों। उन्हें प्यार से समझाकर स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन दें। अगर बच्चे का वजन कम है तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसे शुगरयुक्त खाद्य पदार्थो को खाने की अनुमति प्रदान करें। शुगरयुक्त खाद्य पदर्'थो का अधिक सेवन नुकसानदेह ही होता है।

### दांतों की समस्या

दांतों में दर्द होना और कीड़ा लगना एक आम समस्या है। इस समस्या से बचने के लिए बच्चों में यह आदत डालें कि वे रात में भी सोने से पहले टूथब्रश करें। रात में शुगरयुक्त खाद्य पदार्थो को कम से कम खाने की सलाह दें।

### खून की कमी

खून की कमी अर्थात एनीमिया से ग्रस्त बच्चे थोड़ा सा काम करने पर थकान महसूस करने लगते हैं। उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती नहीं रहती। इसके चलते बच्चों की मानसिक क्षमता भी कम होने लगती है। एनीमिया की कमी दूर करने के लिए बच्चों को हरी पत्तेदार सब्जियां दें। इसके अलावा उन्हें प्रतिदिन थोड़े से ड्राई फ्रूट्स भी खाने को दें। इससे उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती बनी रहती है।

# जिंदगी के 14 साल कम कर देगी आपकी यह गलती

अगर आप अपने बढ़ते वजन पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं, न तो डाइट सेहतमंद लेते हैं और न ही खुद को फिट करने के लिए कसरत करते हैं तो आप अपने जीवन के 14 साल कम कर रहे हैं।यकीन नहीं आता तो अमेरिका के नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट द्वारा करवाए गए शोध पर गौर करें। शोधकर्ता का दावा है कि मोटापे के शिकार वे लोग जिनका बीएमआई 40 से अधिक है, उनका जीवनकाल 14 साल घट जाता है।

**कई रोगों का है खतरा** – पिछले 20 अलग-अलग शोधों के आधार पर किए गए इस अध्ययन में अत्याधिक मोटापे के कारण दिल के रोगों, कैंसर और डायबिटीज जैसे रोगों की आशंका जताई है। उन्होंने अपने अध्ययन में अधिक बीएमआई वाले लोगों के वजन की तुलना सामान्य वजन वाले लोगों से की है और इसी आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। शोधकर्ता कैरी कितहारा के अनुसार, हमने अपने अध्ययन में पाया कि मोटापे की समस्या जिन लोगों को है उनकी मृत्यु दर सामान्य वजन वाले लोगों की अपेक्षा 2.5 गुना अधिक है।

**ये उपाय हैं मददगार** – शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में माना है कि खानपान और जीवनशैली पर नियंत्रण, कसरत और सेहतमंद डाइट की मदद से वजन को नियंत्रित रखा जा सकता है और असमय मृत्यु के रिस्क को कम किया जा सकता है।

# नवजात शिशुओं को रोगों से बचाएगी यह नई थेरेपी

जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे नवजात शिशुओं को कूलिंग थेरेपी देने से उन्हें सेरेब्रल पॉल्सी जैसी बीमारी से बचाया जा सकता है।

प्रसिद्ध शोध पत्रिका न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन में यह पता चला है। इस शोध के अनुसार स्कूल जाने की उम्र में इन बच्चों का आईक्यू (इंटेलीजेंस कोशेंट) भी बेहतर होता है।

कूलिंग थेरेपी में नवजात शिशु को एक खास मैट पर तीन दिन तक 33 डिग्री सेंटीग्रेड पर रखा जाता है। इससे उनका दीर्घकालिक मानसिक क्षति से बचाव होता है।

ब्रिटेन में हर 500 में से एक नवजात शिशु को जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी का सामना करता है।

ऑक्सीजन की कमी के कारण मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं। इससे बच्चों के दिमाग़ को क्षति पहुंच सकती है, यहां तक कि कई बार उनकी मौत का ख़तरा भी रहता है।

कुछ समय पहले तक इस बीमारी का कोई स्वीकार्य तरीका नहीं था।

जीवित रहने की संभावना

साल 2009 में 300 से अधिक नवजात शिशुओं पर एक अध्ययन हुआ। उन्हें कूलिंग ट्रीटमेंट या थेरेप्युटिक हाइपोथर्मिया दिया गया।

इसके बाद पाया गया कि 18 महीने के शिशुओं में होने वाली मस्तिष्क की क्षति कम की जा सकती है।

कूलिंग थेरेपी वाले 45 फ़ीसदी नवजात शिशुओं में मस्तिष्क से जुड़ी कोई असामान्यता नहीं मिली। जबकि सामान्य उपचार वाले 28 फ़ीसदी बच्चों में दिमाग़ से जुड़ी असामान्यता पाई गई।

इसी तरह सामान्य थेरेपी वाले 36 फ़ीसदी बच्चों की तुलना में कूलिंग थेरेपी वाले केवल 21 फ़ीसदी नवजात शिशुओं में ही सेरेब्रल पॉल्सी पाई गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक़ अब अगला क़दम यह देखना होगा कि हाइपोथर्मिया के इलाज और सामान्य जीवित रहने की संभावना कैसे बढ़ाई जा सकती है।

# स्वस्थ रहने के लिए ये हैं बेहतर फूड

**स्वस्थ** रहने के लिए जरूरी नहीं किसी एक ही चीज खो आप लम्बे समय तक खाते रहें। इसके लिए बहुत से आप्शंस मौजूद हैं, जिन्हें आप आजमा कर आप स्वस्थ रह सकते हैं। दरअसल इंसान का स्वभाव है कि वह किसी एक फल या फूड को लम्बे समय तक खाते रहने से बोर हो जाता है, इसी के मद्देनजर कुछ हेल्दी फूड आप्शंस के बारे में हम आपको यहां जानकारी दे रहे हैं। इससे दिमाग भी ठीक रहेगा, इम्यूनिटी भी स्ट्रॉन्ग होगी।

**नारियल का तेल :** केमिकल रिफाइनिंग या ब्लीचिंग प्रॉसेस न होने के कारण ये खाने के लिए फिट होता है। इसमें लॉरिक फैटी एसिड

होता है। जो अच्छा एंटी वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी- फंगल एजेंट है। यूनिर्वसटिी ऑफ केरल में की गई रिसर्च के अनुसार, वर्जिन कोकोनट ऑयल सीरम और टिश्यू में लिपिड लेवल कम करता है। सलाद में डालकर खाएं।

**मटर फली कैंसर दूर भगाने में फायदेमंद :** यह फ्लैट पीज हैं। इनमें एडिबल पॉड्ज होते हैं और इन्हें सीधे खाया जाता है। इनमें खास किस्म का फायटोन्यूट्रियंट-कूमिस्ट्रॉल होता है। यह पेट के कैंसर से सुरक्षित रखता है। हफ्ते में दो बार जरूर खाएं।

**चियासीडः** ओमेगा-3 फैट्स का रिच प्लांट बेस्ड सोर्स है। रिसर्च के अनुसार, ओमेगा-3 फैट्स दिमाग, दिल और स्किन के लिए फायदेमंद होता है। सुपरमार्केट में चिया सीड के पैकेट मिलते हैं। इन्हें खाने के लिए ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं। बस इन्हें भिगो दीजिए, मिक्सी में ग्राइंड कीजिए और सीधा खा लें। चाहे तो सलाद और सूप पर डालें।

**प्रीबायोटिक्स फूड :** 80 दिनों तक प्रीबायोटिक (लहसुन, प्याज आदि) खाते हैं, उनमें बीमारी की आशंका 42 फीसद कम होती है। उन्हें रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन या गैस्ट्रो-इन्टेस्टाइनल डिसीज कम होती हैं। इम्यूनिटी सुधर जाती है। प्रीबायोटिक फूड में लाइव माइक्रोब्स होते हैं, जो गुड बैक्टीरिया की ग्रोथ बढ़ाते हैं।

**हेजलनट्स :** हैजलनट्स (पहाड़ी बादाम) एमीनो एसिड के अच्छे सोर्स हैं। इनसे ब्लड प्रेशर कम होता है और ब्लड वैसल रिलैक्स। इसमें विटामिन-ई और विटामिन-बी पाए जाते हैं। 15 से 20 नट्स ही खाएं। योगर्ट के साथ मिलाकर इसे खा सकते हैं।

**होल ग्रेन करे पेट का फैट कम :** पेंसिलवेनिया स्टेट यूनिर्वसटिी में हुई रिसर्च के अनुसार, होल ग्रेन्स खाने से दोगुनी तेजी से पेट का फैट कम होता हैं। होल ग्रेन से इंसुलिन का प्रोडक्शन कम होता है, जिससे वजन नहीं बढ़ता। यूनिर्वसटिी ऑफ टेक्सास हेल्थ साइंसेस सेंटर द्वारा किए गए शोध के अनुसार, हर रोज होलग्रेन खाने से हार्ट फेल होने की आशंका 7 फीसद कम हो जाती है।

**बेरीज भी रखे स्वस्थ :** एक दिन में चार से पांच प्रकार के फल-सब्जियां खाने की सलाह दी जाती है। आधा कप बेरीज में सिर्फ 50 कैलोरी होती है। एंटी-ऑक्सीडेंट का सबसे अच्छा सोर्स होने के कारण बेरीज को डाइट में शामिल करना फायदेमंद होता है। एंटी-ऑक्सीडेंट फ्री-रेडिकल डैमेजिंग से बचाता है। फ्रोजन बेरीज भी उतनी ही स्वादिष्ट और न्यूट्रिशनल होती हैं, जितनी फ्रेश बेरीज।

# दौड़ने से तेज होता है दिमाग, बढ़ती है याददाश्त

**वॉशिंगटन।** दौड़ने से शरीर के चुस्त और तंदरूस्त होने के बारे में तो आप सबको पता है लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि यह सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि दिमागी कसरत भी है, जिससे हमारी याददाश्त बढ़ती है।

'अमेरिकी जर्नल सेल मोटाबोलिज्म' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार दौड़ने के बाद चूहों, बंदरों और मनुष्यों के खून में ''कैथेप्सीन बी' नामक प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है, जो दिमाग को अधिक सक्रिय करता है। 'अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट' के न्यूरोसाइंटिस्ट और वरिष्ठ शोधकर्मा हेनरिट्टे वान प्राग ने कहा, 'जांच के दौरान हमने देखा कि एक प्रोटीन मांसपेशियों के उत्तकों से स्त्रवित होकर दिमाग की ओर बढ़ रहा है और मजेदार बात यह थी कि यह 'कैथेप्सीन बी' नामक प्रोटीन था। शोध के दौरान मांसपेशी की कोशिका को उस उपकरण के संपर्क में लाया गया, जो कसरत की तरह ही प्रभाव छोड़ता है। ऐसा करने पर पाया गया कि इसमें प्रोटीन 'कैथेप्सीन बी' के उत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है। कसरत के उपकरण पर रोजाना कई हफ्तों तक समय गुजारने के दौरान पाया गया कि चूहों के खून और मांसपेशियों की कोशिकाओं में प्रोटीन का स्तर अधिक है। इसके साथ ही, जब 'कैथेप्सीन बी' को दिमाग के कोशिकाओं पर लागू किया गया तो पाया कि मस्तिष्क की नई कोशिकाओं का निर्माण हो रहा है। शोध के दौरान ''कैथेप्सीन बी' स्त्रवित करने वाले चूहों और इसे स्त्रवित नहीं करने वाले चूहों के बीच एक सप्ताह तक पानी के अंदर कई स्लैब की मदद से भूलभुलैया खेल का आयोजन किया गया। इसमें शोधकर्ताओं ने पाया कि बिना 'कैथेप्सीन बी' वाला चूहे छिपे प्लेटफार्म का पता लगाने में असफल रहे जबकि 'कैथेप्सीन बी' की क्षमतावाले चूहे को रोजाना तैराकी से पहले दौड़ाया गया तो वह इस प्लेटफार्म का पता लगाने में सफल रहे। जर्मन शोधकर्ताओं के साथ इस अध्ययन के सहयोगी प्राग ने कहा, 'अध्ययन के दौरान हमने तीन प्रजातियों- चूहा, बंदर और मनुष्यों के खून में 'कैथेप्सीन बी' को अनियंत्रित देखा। उन्होंने कहा, 'मनुष्यों में चार महीनों के लगातार अध्ययन के बाद ''कैथेप्सीन बी' के स्तरों में वृद्धि के साथ-साथ उनकी याददाश्त को बेहतर पाया गया। अन्य अध्ययनों में पाया गया कि ''कैथेप्सीन बी' न्यूरोप्रोटेक्टिव है और यह एमीलॉयड प्लेक्स को साफ कर सकता है। शोधकर्ता अब यह पता लगाएंगे कि 'कैथेप्सीन बी' कैसे दिमाग की रक्त बाधाओं को पार करती है, कैसे यह न्यूरोनल संकेत, वृद्धि और जुड़ाव को सक्रिय करती है। इसके साथ ही वह यह भी पता लगाएंगे कि इसकी विभिन्न प्रजातियों में कैसा व्यवहार होता है और उम्र के साथ-साथ प्रोटीन के उत्पादन में कैसे बदलाव आता है।

> दौड़ने के बाद खून में 'कैथेप्सीन बी' प्रोटीन दिमाग को अधिक सक्रिय करता है
>
> शोध के दौरान मांसपेशी की कोशिका को उस उपकरण के संपर्क में लाया गया, जो कसरत की तरह ही प्रभाव छोड़ता है
>
> मनुष्यों में चार महीनों के अध्ययन के बाद 'कैथेप्सीन बी' के स्तरों में वृद्धि के साथ-साथ उनकी याददाश्त बेहतर पाई गई

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएे। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

## लॉफिंग ज़ौन

गुरू और चेला दोनों अव्वल दर्जे के आलसी थे। एक रात गुरू ने चेले से कहा- जरा देख, बाहर बारिश हो रही है क्या।

चेला बोला- बारिश हो रही है।

गुरू- देखे बैगर कैसे कहता है।

चेला बोला- गुरू जी अभी-अभी जो बिल्ली अंदर आई है, वह भीगी हुई है, तो बारिश हो रही है।

पांच मिनट बाद गुरू ने फिर कहा- अच्छा जरा बत्ती बुझा दे।

चेला बोला- गुरूजी आंखे बंद कर लो, अपने आप अंधेरा हो जाएगा।

गुरूजी ने झल्लाते हुए कहा- चल जरा उठकर दरवाजा तो बंद कर दे।

चेला बोला- गुरूजी, अब दो काम मैंने कर दिए। तीसरा तो आप कर लीजिए।

पागालखाने के दौरे पर आए मंत्री ने डाक्टर से कहा, ''जिस मनोरोगी से मिलवाकर आपने मुझे कहा था कि उसकी हालत में काफी सुधार हुई है, वह तो अपने आपको सन्नी दयोल कहा रहा था।''

डाक्टर, ''बड़ा सुधार हुआ है सर जब वो नया-नयायहां लाया गया था तो अपने आप को धर्मेन्द्र कहता था।''

## काकुरो पहेली - 4084

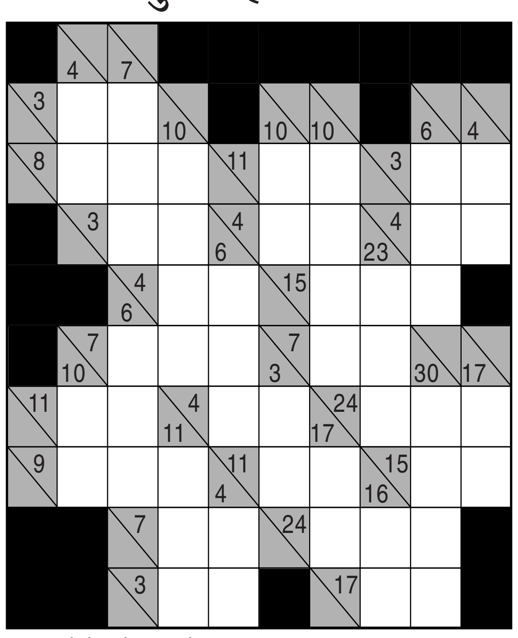

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4083 का हल

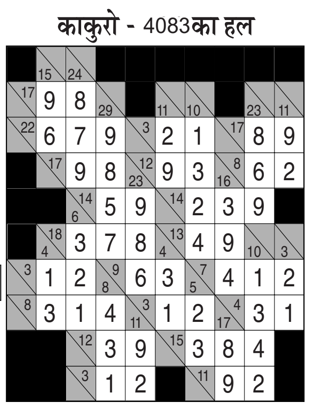

## फिल्म वर्ग पहेली- 4084

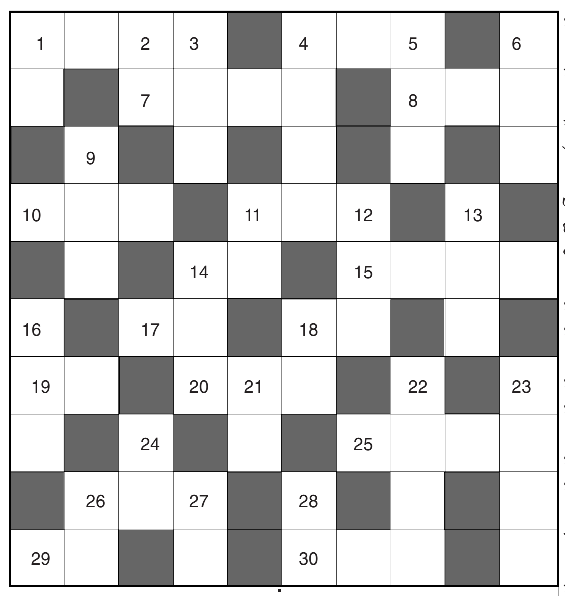

**बायें से दायें:-**

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4083

## सूडोकु -4084

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | | | | 9 | 6 | | |
| | | | | | | 1 | 4 | |
| | | | 2 | 8 | | | | |
| | | | 8 | | | | 5 | 2 |
| 6 | | | | | | | | 7 |
| 1 | 4 | | | | 3 | | | |
| | | | | 4 | 1 | | | |
| | 2 | 5 | | | | | | |
| | | 3 | 7 | | | | | 4 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4083 हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |

## शब्द पहेली - 4084

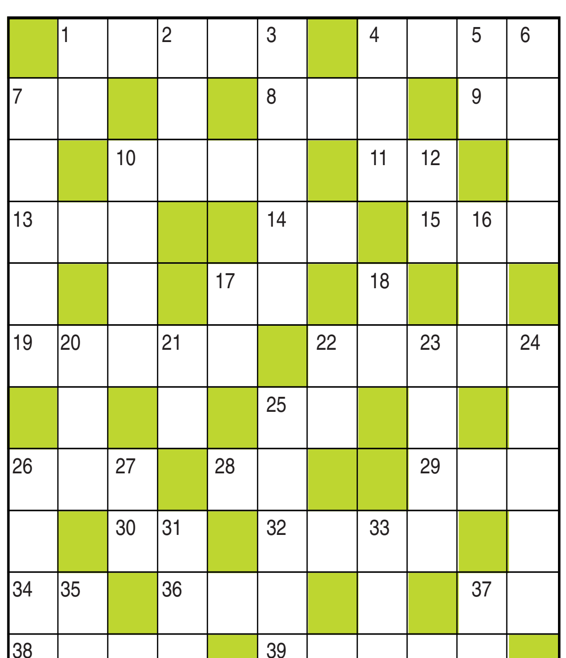

**बाएँ से दाएँ**

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

**ऊपर से नीचे**

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -4083 का हल

## डॉ. सोनल मानसिंह को राज्यपाल ने श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार से किया सम्मानित

**एजेंसी**

**गुवाहाटी।** कला, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के भव्य उत्सव के रूप में गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक विशेष समारोह में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने भारत की प्रतिष्ठित शास्त्रीय नृत्यांगना पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह को श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राज्यपाल ने अपने संबोधन में श्रीमंत शंकरदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भारत की सांस्कृतिक एकता, सौहार्द्र और समावेशिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि शंकरदेव केवल असम या पूर्वोत्तर के संत नहीं थे, बल्कि भारत की सामूहिक सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे। शंकरदेव द्वारा प्रचारित एक शरण नाम धर्म की चर्चा करते हुए कहा कि उनके योगदानों - जैसे बरगीत, अंकिया नाट और भागवत पुराण के अनुवाद ने सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया और जातिगत भेदभाव को तोड़ा। उन्होंने असम की सांस्कृतिक पहचान को आकार देने में शंकरदेव की भूमिका को अमूल्य बताया। राज्यपाल ने असम सरकार द्वारा बटद्रवा थान, पटवाउसी सत्र, शंकरदेव कलाक्षेत्र और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में श्रीमंत शंकरदेव पीठ की स्थापना जैसे प्रयासों की सराहना की।

## राहुल को उनकी ही पार्टी गंभीरता से नहीं लेती : नितिन गडकरी

**नागपुर।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बारे में कहा कि वे ऐसे नेता है, जिनको उनकी खुद की पार्टी गंभीरता से नहीं लेती। गडकरी ने राहुल की ओर से प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र पर टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को कोई भी चिट्ठी भेज सकता है, लेकिन हर खत का जवाब देना और उस पर बात करना जरूरी नहीं है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेस में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार की उपलब्धियों को बताया। उन्होंने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री को भेजी गई एक चिट्ठी पर अपनी राय रखी। पीएम मोदी को पत्र लिखकर राहुल ने कहा है कि दलित, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए आवासीय छात्रावासों की स्थिति बहुत दयनीय है। वंचित वर्ग के छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति में देरी को हल करने का आग्रह करते हुए राहुल गांधी कहा कि ये दोनों मुद्दे इन वर्गों के 90 प्रतिशत छात्रों के शिक्षा के अवसर में बाधा डालते हैं। इस बारे में जब केंद्रीय मंत्री से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को खुद उनकी पार्टी गंभीरता से नहीं लेती। इस बारे में मुझे कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। प्रजातंत्र में प्रधानमंत्री को कोई भी खत लिख सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर खत का जबाब दिया जाए। गडकरी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वह राहुल की हर बात पर बयान देना उचित नहीं मानते।

## मीठी नदी सफाई घोटाला मामले में अभिनेता डिनो मोरिया से ईडी ने की फिर पूछताछ

**मुंबई।** मुंबई में मीठी नदी की सफाई में हुए 65 करोड़ रुपये के घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया से पूछताछ कर उनका बयान रिकार्ड किया है। डिनो मोरिया आज सुबह करीब 10.30 बजे दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट स्थित ईडी के कार्यालय में पहुंचे थे। इस मामले में ईडी ने 6 जून को मुंबई और केरल के कोच्चि में 15 से अधिक स्थानों पर तलाशी ली थी थी, जिसमें यहां बांद्रा इलाके में डिनो मोरिया के परिसर, उनके भाई सैंटिनो से जुड़े परिसर, मुंबई नगर निगम के कुछ अधिकारी और ठेकेदार शामिल हैं। कोच्चि में तलाशी ली गई, क्योंकि बीएमसी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को गाद निकालने के उपकरण उपलब्ध कराने वाली कंपनियों में से एक इसी शहर में स्थित है। इस तलाशी अभियान के बाद पिछले सप्ताह ईडी ने डिनो मोरिया को समन जारी कर ईडी दफ्तर में पेश होने को कहा था। इसके फलस्वरुप आज डिनो मोरिया ईडी के समक्ष पेश हुए हैं और उनका बयान रिकार्ड किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने भी इस मामले में 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले में केतन कदम और जय जोशी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इन दोनों से पूछताछ के बाद डिनो मोरिया का नाम सामने आया है और अब मामले की छानबीन ईडी की टीम कर रही है।

## सीबीआई ने नेहू के प्रोफेसर को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा

**गुवाहाटी।** शैक्षणिक संस्थानों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (नेहू) के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और गुवाहाटी के एक व्यवसायी को 3.43 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार प्रोफेसर की पहचान निर्मलेन्दु साहा के रूप में हुई है, जो नेहू में स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के डीन और जुलॉजी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उनके साथ बेलतला, गुवाहाटी के व्यवसायी प्रांजल शर्मा को भी पकड़ा गया, जो सप्लाई फर्म का मालिक है और मामले में सह-आरोपित बताया गया है। सीबीआई को वैज्ञानिक उपकरण और लैब सामग्री की आपूर्ति से जुड़े अनुबंधों में गड़बड़ी की ठोस सूचना मिली थी। जांच एजेंसी का कहना है कि प्रोफेसर और कारोबारी मिलकर ठेकों को प्रभावित कर रहे थे और बिलों की क्लियरेंस के बदले रिश्वत ली जा रही थी।

# अहमदाबाद प्लेन क्रैशः ओम बिरला ने कहा, 'पूरा देश हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के साथ खड़ा है'

**जेंसी**

**जयपुर।** भाजपा के वरिष्ठ नेता और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को लेकर दुख व्यक्त किया। दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में देश उनके परिजनों के साथ खड़ा है। उन्होंने इस संबंध में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के साथ दुख की इस घड़ी में पूरा देश खड़ा है। भगवान सभी को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। हम सभी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों के संदर्भ में कहा कि हमारी भगवान से प्रार्थना है कि वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। पूरा देश इस हादसे के बाद दुखी है। इस हादसे ने न सिर्फ भारत, बल्कि कई देशों को दुखी किया है। कई देशों ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने इस बात

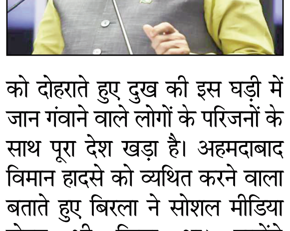

को दोहराते हुए दुख की इस घड़ी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के साथ पूरा देश खड़ा है। अहमदाबाद विमान हादसे को व्यथित करने वाला बताते हुए बिरला ने सोशल मीडिया पोस्ट भी किया था। उन्होंने लिखा,'अहमदाबाद, गुजरात में विमान दुर्घटना की खबर जानकर व्यथित हूं। इस हादसे में हताहत हुए सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल यात्रियों की रक्षा करें।' वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति की समीक्षा की। इसके अलावा, उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों के परिजनों से भी मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया। अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। तबाही दुखद है। अधिकारियों और टीमों से मुलाकात की जो घटना के बाद अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी संवेदना। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि उनके पीछे जो खालीपन रह गया है, उसे आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा। ओम शांति।एयर इंडिया ने भी हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के लिए मित्र एवं सहायता केंद्र स्थापित किए हैं। एयरलाइंस ने बताया कि इस केंद्र का मुख्य मकसद हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों की मदद करना है। यह सहायता केंद्र मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली, मुंबई और गैटविक हवाई अड्डे पर स्थापित किए गए हैं।

## दुरई दयानिधि के खिलाफ ईडी की कार्रवाई, सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने का आरोप

**एजेंसी**

**मदुरै ।** पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरी के बेटे दुरई दयानिधि के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बड़ा कदम उठाया है। उन पर ओलंपस ग्रेनाइट्स कंपनी के जरिए सरकारी जमीन से अवैध रूप से ग्रेनाइट निकालने का आरोप है, जिससे सरकार को 259 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस मामले में मदुरै की सीबीआई कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दुरई ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए मामले से बरी होने की याचिका दायर की है। मामला मुदरै जिले के मेलूर के कीलावलावु क्षेत्र से जुड़ा है। ओलंपस ग्रेनाइट्स और इसके हितधारकों, जिनमें दुरई दयानिधि और एस. नागराजन शामिल हैं, पर सरकारी जमीन से गैरकानूनी तरीके से ग्रेनाइट निकालने का आरोप है। 2012 में कीलावलावु पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। 2018 में मेलूर न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में 5,191 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई, जिसमें दुरई और नागराजन सहित कई लोगों के नाम थे।ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अलग से जांच शुरू की और दुरई की 40.34 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया, जिसमें मदुरै और चेन्नई में 25 जमीन के पार्सल, इमारतें और बैंक में सावधि जमा शामिल हैं। शुक्रवार को मदुरै की सीबीआई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। दुरई की कानूनी टीम ने उनकी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए बरी करने की मांग की। ईडी ने कोर्ट में तर्क दिया कि दुरई को व्यक्तिगत रूप से पेश होना चाहिए।

## अहमदाबाद विमान हादसे पर बोले कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत-इसकी तकनीकी जांच होनी चाहिए

**एजेंसी**

**लखनऊ ।** गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटना की तकनीकी जांच होनी चाहिए। शुक्रवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह बेहद दुखद हादसा है। कई लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मैं बस यह कहना चाहता हूं कि इस पूरे घटना की तकनीकी जांच होनी चाहिए। जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि किस कारण यह दुर्घटना हुई और जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, सभी तरह के बोइंग विमान को उड़ान भरने से रोक दिया जाना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने केंद्र सरकार से मांग की है कि जितने भी बोइंग विमान हैं, सभी की जांच कराई जाए। जांच में सही पाए जाने पर विमान को उड़ने की इजाजत दी जाए। विमान हादसे को लेकर पूरी कठोरता से जांच होनी चाहिए और जो भी इसके पीछे दोषी हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस विमान हादसे में सहायता राशि देगी।

लेकिन, सरकार से मेरी मांग है कि इस हादसे में जान गंवाने वाले उन लोगों के परिजनों को भी 10 से 20 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जाए, जो अपने हॉस्टल में खाना खा रहे थे और उसी दौरान विमान हादसा हुआ।विमान हादसे को लेकर कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा गया, ÷अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे की खबर बेहद दुखद है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कई लोगों की मृत्यु और घायल होने की सूचना है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति दें और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। इस दुख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

## ममता बनर्जी ने टैगोर के पैतृक घर पर हमले को बताया बर्बरता, प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

**एजेंसी**

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के सिराजगंज स्थित गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास में हुई तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को सभ्यता पर हमला करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर तत्काल और कड़ा राजनयिक कदम उठाने की मांग की है।मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा कि यह हमला केवल एक इमारत पर नहीं बल्कि उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक धरोहर और रवींद्रनाथ टैगोर की अमर रचनात्मकता पर सीधा हमला है। टैगोर अक्सर सिराजगंज स्थित अपने इस पैतृक आवास में आते थे और कई कालजयी रचनाएं यहीं लिखी गई थीं। ममता बनर्जी ने कहा, यह घर सिर्फ एक मकान नहीं बल्कि एक ऐसी प्रेरणा-स्थली है जो हमारे सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने इस कृत्य को राष्ट्र की अस्मिता और सांस्कृतिक विरासत पर कुठाराघात बताया और कहा कि टैगोर की विरासत पर हमला समूचे बंगाल और भारत की आत्मा पर आघात है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से अपील की कि वे इस मामले को बांग्लादेश सरकार के समक्ष सख्ती से उठाएं और सुनिश्चित करें कि दोषियों को शीघ्र सजा मिले। साथ ही, भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी अंतरराष्ट्रीय कदम उठाने की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर एक्स पोस्ट में कहा, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर केवल बंगाल का गौरव नहीं, बल्कि वैश्विक सभ्यता की एक महान विभूति हैं। सिराजगंज में उनके पैतृक आवास में तोड़फोड़ एक बर्बर कृत्य है, जिसने करोड़ों लोगों की भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है। यह केवल एक इमारत को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि हमारी साझी सांस्कृतिक धरोहर और टैगोर के आदर्शों पर सीधा हमला है। ऐसे कृत्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, मैंने माननीय

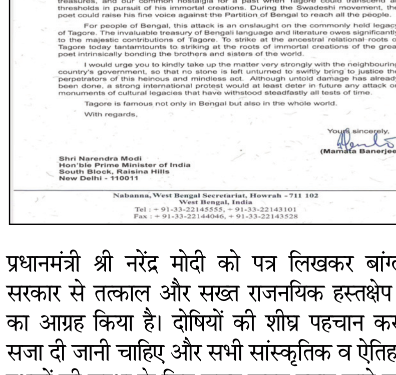

ममता ব্যানার্জী
ममता बनार्जी
Mamata Banerjee
No. 20- CM/2025

মুখ্যমন্ত্রী, পশ্চিমবঙ্গ
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल
CHIEF MINISTER, WEST BENGAL
June 12, 2025

Respected Prime Minister,

I am writing to express my deepest anguish over the incident of vandalisation of a historic ancestral house of Gurudev Rabindranath Tagore in Sirajganj, Bangladesh. Tagore frequented the place repeatedly in his lifetime, and many of his finest works were conceived or written while he was there. The poet's creativity was intertwined with his association with this ancestral estate of theirs in an intimate manner. What has been vandalised is not a mere house, but a towering fountain of creativity in our subcontinent.

The incident of vandalisation is not only shocking, but also unfortunate for our national pride and cultural legacy. It is a vile attack on our sensibilities, our cherished treasures, and our common nostalgia for a past when Tagore could transcend all thresholds in pursuit of his immortal creations. During the Swadeshi movement, the poet could raise his fine voice against the Partition of Bengal to reach all the people.

For people of Bengal, this attack is an onslaught on the commonly held legacy of Tagore. The invaluable treasury of Bengali language and literature owes significantly to the majestic contributions of Tagore. To strike at the ancestral relational roots of Tagore today tantamounts to striking at the roots of immortal creations of the great poet intrinsically bonding the brothers and sisters of the world.

I would urge you to kindly take up the matter very strongly with the neighbouring country's government, so that no stone is left unturned to swiftly bring to justice the perpetrators of this heinous and mindless act. Although untold damage has already been done, a strong international protest would at least deter in future any attack on monuments of cultural legacies that have withstood steadfastly all tests of time.

Tagore is famous not only in Bengal but also in the whole world.

With regards,

Yours sincerely,
(Mamata Banerjee)

Shri Narendra Modi
Hon'ble Prime Minister of India
South Block, Raisina Hills
New Delhi - 110011

Nabanna, West Bengal Secretariat, Howrah - 711 102
West Bengal, India
Tel : + 91-33-22145555, + 91-33-22143101
Fax : + 91-33-22144046, + 91-33-22143528

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बांग्लादेश सरकार से तत्काल और सख्त राजनयिक हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। दोषियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें सजा दी जानी चाहिए और सभी सांस्कृतिक व ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। बंगाल दुनिया में कहीं भी अपने महापुरुषों का अपमान सहन नहीं करेगा।

# नीतियां बनने के बाद, उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना अधिकारियों की जिम्मेदारी : ओम बिरला

**एजेंसी**

**देहरादून।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सिविल सेवकों में मार्गदर्शक की भावना होनी चाहिए। उन्होंने सिविल सेवकों से समाज की बेहतरी और लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए शासन के उपकरण के रूप में नवाचार और पारदर्शिता को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नीतियां बनने के बाद, उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला लाल बहादुर शास्त्री अकादमी मसूरी में आयोजित 127वें प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने अपने

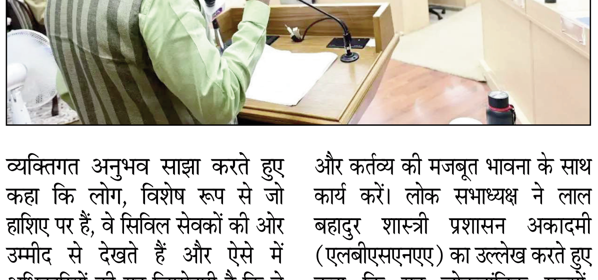

व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि लोग, विशेष रूप से जो हाशिए पर हैं, वे सिविल सेवकों की ओर उम्मीद से देखते हैं और ऐसे में अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे इन आशाओं को पूरा करने और समाज के सभी वर्गों के कल्याण में सार्थक योगदान देने के लिए करुणा, निष्पक्षता और कर्तव्य की मजबूत भावना के साथ कार्य करें। लोक सभाध्यक्ष ने लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों, सादगी और अखंडता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश करेंगे, प्रशिक्षण से उनका दृष्टिकोण व्यापक होगा और शासन के प्रति नए दृष्टिकोणों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के तीन स्तंभ हैं, जिनमें कार्यकारी शाखा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीतियां बनने के बाद, उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जीवन पर भी प्रकाश डाला। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सच्चा नेतृत्व ईमानदारी, निष्पक्षता और निरंतर सेवा में निहित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारी अक्सर जनता का गहरा विश्वास जीतते हैं।

## अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में पूर्वोत्तर की दो युवतियां क्रू मेंबर थीं

**एजेंसी**

**गुवाहाटी।** अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में पूर्वोत्तर की दो युवतियां सवार थीं। इनमें से एक मणिपुर की कंब्राइलाटापम नगंथोई शर्मा और दूसरी मिजोरम की लामनुंथीम सिंघसन हैं। ये दोनों ही विमान में केबिन क्रू मेंबर के तौर पर काम कर रही थीं। अब तक मिली रिपोर्ट के मुताबिक विमान में क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। पूर्वोत्तर की दो युवतियों क्रमश : मणिपुर की कंब्राइलाटापम नगंथोई शर्मा और मिजोरम की लमनुंथीम सिंघसन के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

# अहमदाबाद विमान हादसाः अमित शाह ने घटनास्थल का किया दौरा, बोले- पहचान के लिए करने होंगे 1000 से अधिक डीएनए टेस्ट

**एजेंसी**

**अहमदाबाद।** गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया की लंदन जाने वाली फ्लाइट AI-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद पूरा देश शोक में डूब गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देर शाम घटनास्थल का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यो का जायजा लिया और मीडिया को संबोधित किया। अमित शाह ने बताया कि हादसे के महज 10 मिनट के भीतर केंद्र सरकार को इसकी सूचना मिल गई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं स्थिति की निगरानी शुरू कर दी। केंद्र और गुजरात सरकार की सभी एजेंसियों ने समन्वित प्रयासों से राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए। इस विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर सवार थे। अब तक केवल एक यात्री के जीवित बचने की पुष्टि हुई है। गृह

मंत्री ने कहा कि विमान में सवा लाख लीटर ईंधन भरा हुआ था और तापमान अत्यधिक था, जिस कारण बचाव का कोई अवसर नहीं मिल पाया। घटनास्थल से सभी शव निकाल लिए गए हैं। अब शवों की पहचान के लिए 1,000 से अधिक DNA परीक्षण कराए जाएंगे, जिनमें से सभी गुजरात में ही किए जाएंगे। शाह ने यह भी बताया कि डीएनए सैंपल लेने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। जिन परिवारों के सदस्य विदेशों में हैं, उनसे भी संपर्क स्थापित किया जा चुका है। गुजरात की फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) और नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) मिलकर डीएनए जांच को जल्द से जल्द पूरा करेंगी। इसके बाद शवों को उनके परिजनों को सौंपा जाएगा। सरकार द्वारा प्रभावित परिवारों के लिए रहने, मानसिक सहारे और ट्रॉमा केयर की विशेष व्यवस्थाएं की गई है। साथ ही, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस त्रासदी की जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए एक उच्चस्तरीय जांच दल को तैनात किया है।

# अहमदाबाद प्लेन हादसाः सीएम पुष्कर सिंह धामी ने जताया दुख, रखा दो मिनट का मौन

**एजेंसी**

**देहरादून ।** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख जताया। उन्होंने दो मिटन का मौन भी रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना से मन व्यथित है। मैं हादसे में जान गंवाने लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

इस संबंध में उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया, जिसमें कहा, ÷आज प्रातःकाल बैठक के दौरान अहमदाबाद विमान हादसे पर शोक व्यक्त किया। बैठक से पूर्व इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में हताहत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा। इस दुःखद घटना से मन अत्यंत व्यथित है, पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इससे पहले उन्होंने गुरुवार (12 जून) को

भी अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख जताया था। उन्होंने इस संबंध में किए अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर किए अपने पोस्ट में कहा था, अहमदाबाद में हुई दुर्भाग्यपूर्ण विमान दुर्घटना में कई यात्रियों के असमय निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। इस हृदय विदारक हादसे में दिवंगत यात्रियों, मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों एवं क्रू मेंबर्स के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। उन्होंने आगे कहा था, ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिवारजनों को यह असीम पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शांतिवहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट के जरिए दर्द बयां किया। प्रधानमंत्री ने कहा, आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। तबाही बेहद दुखद है। अधिकारियों और टीमों से मुलाकात की जो घटना के बाद अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। इसके अलावा, एयर इंडिया ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए मित्र एवं सहायता केंद्र स्थापित करने की जानकारी दी है।

## उप्र के राजनीतिक दलों के अध्यक्षों ने प्लेन क्रैश पर जताया दुख

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दलों के अध्यक्षों ने अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के प्लेन बोईंग 787-8 के क्रैश होने पर दुख जताया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ में पत्रकारों से बात कर रहे थे। तभी वार्ता के दौरान अखिलेश यादव भावुक हो गए और उनका गला भर आया। अखिलेश यादव ने कहा कि बहुत दुःख की बात है कि एयर इंडिया का एयरक्रॉफ्ट क्रैश हुआ है। हमारी अपील यही होगी सरकार से कि यात्रियों को बचाएं, उनका उचित उपचार कराया जाये। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद विमान हादसे में, काफी लोगों की हुई मौत की घटना अत्यन्त दुःखद एवं अति पीड़ादायी है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं है। कुदरत उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। इसी तरह सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं उप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद में आज हुई विमान दुर्घटना से पूरा राष्ट्र स्तब्ध है। इस त्रासदी में जिन लोगों ने अपने प्राण गंवाए, उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोकाकुल परिवारों को यह आघात सहने की शक्ति दे एवं सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हो। आपातकालीन सेवाएं और प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है, हम उनके कार्य को नमन करते हैं।

## राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष रहाटकर ने की केन्द्रीय योजनाओं की समीक्षा

**एजेंसी**

**हरिद्वार।** राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, लैंगिक समानता, सुरक्षित व समावेशी समाज को बढ़ाव देने के लिए आशा की किरण के रूप में आयोग कार्य कर रहा है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं और कानूनी जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। एक दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचीं राष्ट्रीय महिला आयोग महिला की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी सुरक्षा के लिए संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में कार्य करते हुए अपने परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उत्तराखंड का नाम रोशन कर रहीं है। महिला आयोग का बहुत बड़ा काम है कि महिलाओं की तकलीफ को समझे, महिला सुरक्षा, उनका सम्मान भी हमारा काम है। महिलाओं को बराबर का सम्मान मिले। इसी के साथ महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर हो जाएं। साथ ही महिला उत्थान एवं समाज में बराबरी का अधिकार देने और योजनाओं का लाभ आखिरी गरीब महिला तक उपलब्ध हो, इसकी भी निगरानी महिला आयोग निरंतर कर रहा है। उन्होंने पीएम आवास योजना के लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि सभी बहनों में आत्मविश्वास बहुत अच्छा लगा, महिलाओं को बराबरी का सम्मान मिलना चाहिए। पीएम आवास में घर आपका है तो सम्मान निश्चित ही मिलता है। इस योजना ने आपका सामाजिक सम्मान बहुत बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि देश की बेटियों को आगे बढ़ाएं, बराबरी का स्थान दें और उनको लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि देश बेटियों को एक जैसा देख रहा हैं। आयोग चाहता है देश की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ कर देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, महिला बाल विकास,पीएम आवास शहरी, एनयूएलएम, जिला उद्योग केंद्र, समाज कल्याण, कृषि विभाग, ग्रामोत्थान, रीप एवं स्वास्थ्य विभाग की संचालित योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं की समीक्षा की। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद आगमन पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

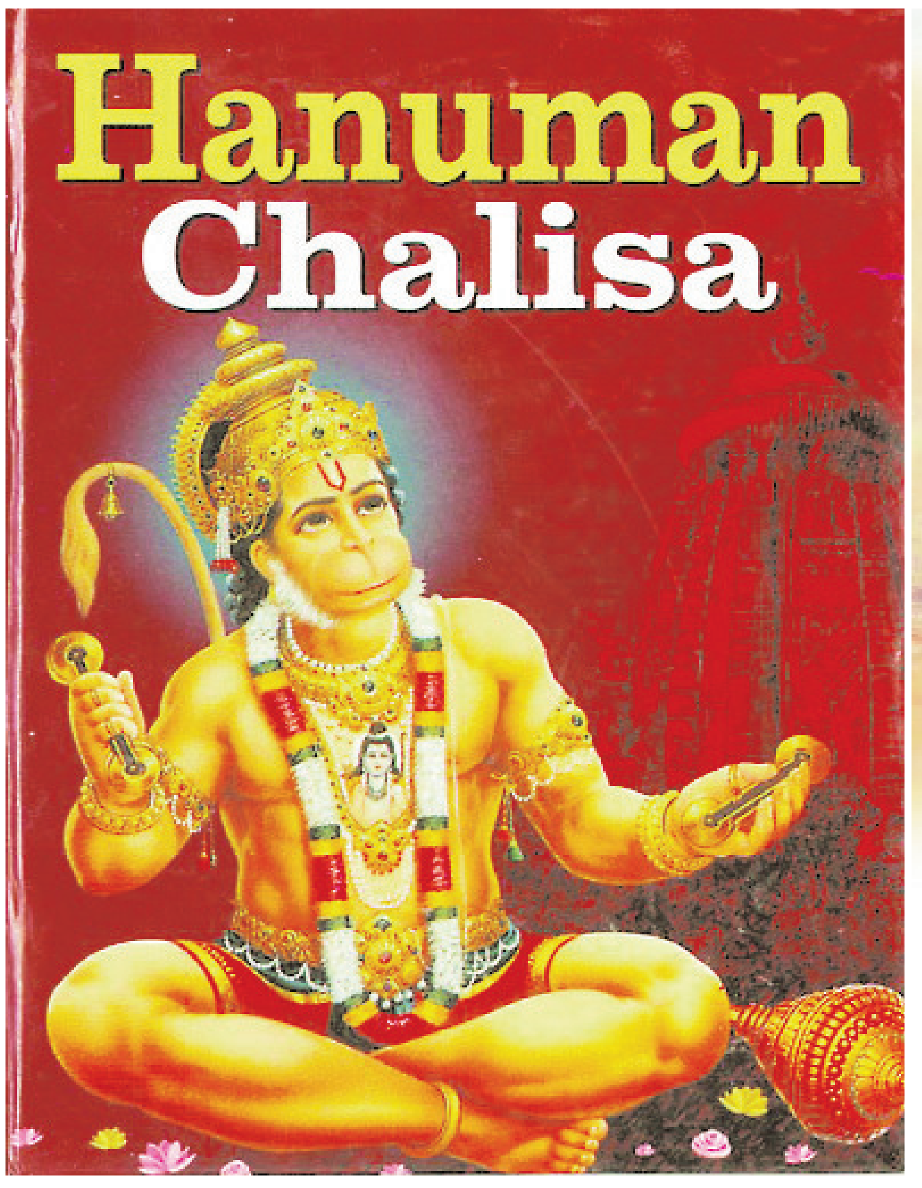


# हनुमान चालीसा की इन 5 चौपाइयों में है दिव्य शक्ति

हनुमानजी की स्तुति हनुमान चालीसा से हम सभी परिचित हैं। हनुमान चालीसा की रचना गोस्वामी तुलसीदास जी ने की थी। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है कि बाल्यकाल में जब हनुमानजी ने सूर्य को मुंह में रख लिया तब सूर्य को मुक्त कराने के लिए देवराज इंद्र ने हनुमानजी पर शस्त्र से प्रहार किया। इसके बाद हनुमान जी मूर्छित हो गए। हनुमानजी के मूर्छित होने की बात जब वायु देव को पता चली तो काफी नाराज हुए। लेकिन जब सभी देवताओं को पता चला कि हनुमानजी भगवान शिव के रुद्र अवतार हैं, तब सभी देवताओं ने हनुमानजी को कई शक्तियां दीं। देवताओं ने जिन मंत्रों और हनुमानजी की विशेषताओं को बताते हुए उन्हें शक्ति प्रदान की थी, उन्हीं मंत्रों के सार को गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा में वर्णित किया है।

हनुमान चालीसा में मंत्र नहीं हैं लेकिन हनुमानजी की पराक्रम की विशेषताएं बताई गई हैं। हनुमान चालीसा में ही ऐसी 5 चौपाईयां हैं, जिनका यदि नियमित सच्चे मन से वाचन किया जाए तो यह परम फलदायी सिद्ध होती हैं। हनुमान चालीसा का वाचन मंगलवार या शनिवार करना शुभ होता है। ध्यान रखें हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों को पढ़ते समय उच्चारण की त्रुटि न करें।

### भूत-पिशाच निकट नहीं आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

उपाय- यदि व्यक्ति को किसी भी प्रकार का भय सताता है तो नित्य रोज प्रातः और सायंकाल में 108 बार इस चौपाई का जाप किया जाये तो सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

### नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बल बीरा।।

उपाय- यदि व्यक्ति बीमारियों से घिरा रहता है तो निरंतर सुबह-शाम 108 बार जप करके तथा मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने पूरी हनुमान चालीसा के पाठ से रोगों की पीड़ा खत्म हो जाती है।

### अष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

उपाय- यदि जीवन में व्यक्ति को शक्तियों की प्राप्ति करनी है ताकि जीवन निर्वाह में मुश्किलों का कम सामना करना पड़े तो नित्य रोज, ब्रह्म मुहूर्त में आधा घंटा इन पंक्तियों के जप से लाभ प्राप्त हो सकता है।

### विद्यावान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।

उपाय- यदि किसी व्यक्ति को विद्या और धन चाहिए तो इन पंक्तियों के जप से हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। प्रतिदिन 108 बार ध्यानपूर्वक जप करने से व्यक्ति के धन सम्बंधित दुःख दूर हो जाते हैं।

### भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।

उपाय- यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान हैं या व्यक्ति के कार्य नहीं बन पा रहे हैं तो हनुमान चालीसा की इस चौपाई का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए।

# मालवा की वैष्णो देवी नीमच की भादवा माता

आज हम आपको एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी कृपा से शहर में कोई भूखा नहीं सोता। किसी के पास पैसे की तंगी नहीं रहती है। लोक कथाओं के अनुसार, हरसिद्धि मंदिर में उज्जैन के राजा रहे विक्रमादित्य की आराध्य देवी का वास है। शिवपुराण के अनुसार दक्ष प्रजापति के हवन कुंड में माता के सती हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ सती को उठाकर ब्रह्मांड में ले गए थे। इस दौरान माता सती के अंग जिन स्थानों पर गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हो गए। कहा जाता है इस स्थान पर माता के दाहिने हाथ की कोहनी गिरी थी और इसी कारण से यह स्थान भी एक शक्तिपीठ बन गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी को चंड एवं मुंड नामक राक्षस के वध के लिए भगवान शिव से सिद्धि मिली थी, इसीलिए वह हरसिद्धि कहलाईं। गर्भगृह में एक शिला पर श्रीयंत्र उत्कीर्ण है, जो शक्ति का प्रतीक है। यहां माता लक्ष्मी, महासरस्वती के साथ ही अन्नपूर्णा माता विराजमान हैं। यह स्थान उज्जैन के प्राचीन देवी स्थानों में अपना विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में मंदिर के पुनर्निर्माण का श्रेय मराठों को जाता है। मंदिर के सामने मराठा वास्तुकला के अनुसार दीप स्तंभ स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1001 दिये बने हुए हैं। दक्षिण में बनी एक बावड़ी पर 1447 संवत का एक शिलालेख भी उत्कीर्ण है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित शेषनारायण गोस्वामी ने बताया कि गर्भगृह में सबसे ऊपर विराजमान हैं मां अन्नपूर्णा, जिनकी वजह से उज्जैनी में हमेशा भंडारे चलते रहते हैं। कहा जाता है कि उनकी कृपा से उज्जैन में कोई भूखा नहीं सोता है। बीच में मां लक्ष्मी के स्वरुप में है, जिनकी वजह से किसी को भी लक्ष्मी की कमी नहीं आती। सबसे नीचे विराजित हैं महाकाली।

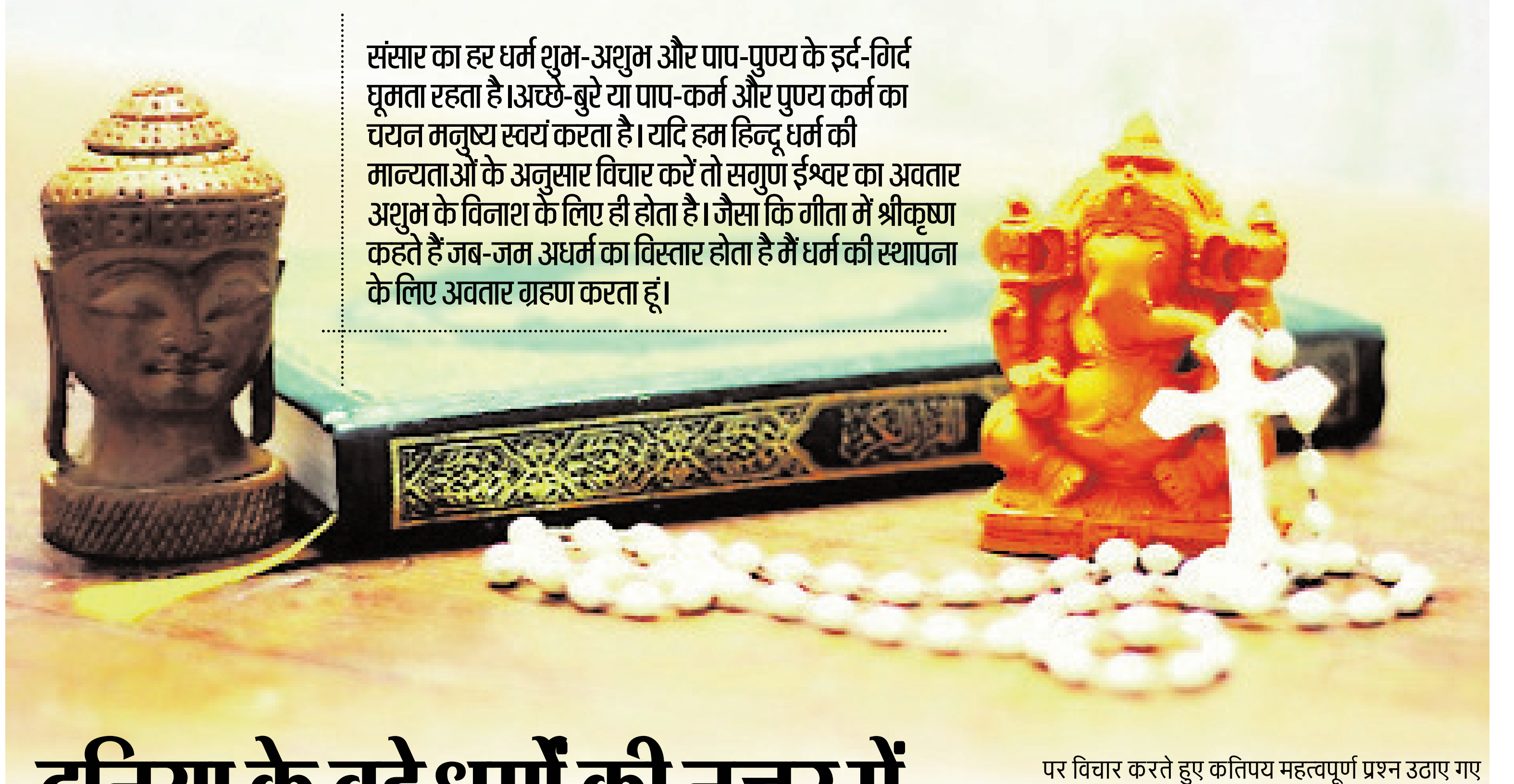

संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है।अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं।

# दुनिया के बड़े धर्मों की नजर में क्या है शुभ-अशुभ

शुभ और अशुभ व पुण्य और पाप की समस्या कर्म-फल-सिध्दांत पर आधारित हैं। जीव यदि अशुभ कर्मों की ओर प्रेरित होता है तो इसके पीछे उसकी अल्पज्ञता, अज्ञान होता है। संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। ईसाई धर्म में ईश-चिंतन के संदर्भ में उक्त विचारधारा प्राप्त होती है। ईश्वर परम शुभ है। अतः उस पर पाप या अशुभ का आरोपण नहीं किया जा सकता। बाइबिल में काम-वासना को पाप या अशुभ की संज्ञा दी गई है और उसका शैतान कहा गया है। ईसाई नीतिशास्त्र में पाप या अशुभ पर विचार करते हुए कतिपय महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इस संसार का निर्माण परमेश्वर ने किया, किन्तु संसार में सर्वत्र पाप ही पाप है। यदि ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और ईश्वर शुभ और सर्वशक्तिमान है तो सृष्टि में शुभ ही शुभ होना चाहिए। ईसाई धर्म के अनुसार ईश्वर ने मनुष्य को कर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अतः अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं। बाइबिल में ईसा मसीह को पुत्रेश्वर कहा गया है। परमेश्वर के पुत्र के रूप में ईसा मसीह संसार के पापों को दूर करने के लिये-ही धरती पर आए थे।

# बुधवार के दिन विघ्नहर्ता गणेश को ऐसे मनाएं

**विघ्नहर्ता विनायक भगवान गणेश की पूजा यदि सच्चे मन से की जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। बुधवार भगवान गणेश का दिन होता है। बुधवार को गणेश की पूजा करें तो संतान, शिक्षा और भाग्य समृद्ध होता है। गणपति की उपासना से कुंडली के अशुभ योग भी खत्म हो जाते हैं। इसीलिए कलयुग में उन्हें विघ्नविनाशक के रूप में पूजा जाता है। श्रीगणेश जी की बुधवार को पूजा करने का विधान हमारे धर्मग्रंथों में मौजूद है।**

बुधवार को प्रात:काल में स्नानादि से निवृत होकर ताम्र पत्र के श्री गणेश यन्त्र को नमक, नींबू से अच्छे से साफ करें। यंत्र को शुद्ध जल से धोने के बाद पूजा स्थल पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर के आसान पर विराजमान हो कर सामने श्री गणेश यन्त्र की स्थापना करें। आसान पर बैठने के बाद दांयी हथेली में जल ले कर आसान व भूमि पर जल छिड़कते हुए नीचे लिखे मंत्र को पढ़ें....

*ऊं अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा।*
*यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्यभ्यन्तरः शुचिः।।*

अब गणेश यंत्र को शुद्ध जल चढ़ाते हुए मंत्र बोले

*गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।*
*नर्मदे सिन्धु कावेरि जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।*

यदि आप इस मंत्र की आराधना सच्चे मन से करते हैं तो आपकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

# जैन मुनि को यह कार्य करवाना है अनिवार्य

हाल ही में गुजरात 12वीं बोर्ड में 99.99 प्रतिशत हासिल करने वाले वर्शिल शाह जैन, जैन संत बन गए हैं। वर्शिल महज 17 साल के हैं और गुजरात के ही पालड़ी के रहने वाले हैं। दर्शिल अब जैन मुनि सुवीर्य रत्न विजयजी महाराज के नाम से जाने जाएंगे। पिछले वर्षों में गौर किया जाए तो युवाओं द्वारा संन्यास लेने की सिलसिला काफी बड़ा है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भले ही यह पूरा घटनाक्रम सकारात्मक हो, लेकिन जैन धर्म के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले अनुयायी को मुनि की उपाधि दी जाती है। संन्यास लेने के बाद जैन मुनि को निर्ग्रन्थ भी कहा जाता है। मुनि शब्द पुरुषों के लिए तो आर्यिका शब्द स्त्री संन्यासियों को संबोधित किया जाता है। प्रत्येक जैन मुनि को केश-लोच करना अनिवार्य होता है।

## तो क्या इतना प्राचीन है जैन धर्म

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार यह धर्म अनादि और सनातन है। यदि आर्यों के भारत आने के बाद से भी देखा जाये तो ऋषभदेव और अरिष्टनेमि को लेकर जैन धर्म की परंपरा वेदों तक पहुंचती है। पुराणों में वर्णित है महाभारत के युद्ध के समय इस संप्रदाय के प्रमुख नेमिनाथ थे, जो जैन धर्म में मान्य तीर्थंकर हैं। आठवीं सदी में 23वें तीर्थंकर पार्श्‍वनाथ हुए, जिनका जन्म काशी में हुआ था। काशी के पास ही 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ का जन्म हुआ था। इन्हीं के नाम पर सारनाथ का नाम प्रचलित है। जैन धर्म में श्रमण संप्रदाय का पहला संगठन पार्श्‍वनाथ ने किया था। ये श्रमण वैदिक परंपरा के विरुद्ध थे। महावीर तथा बुद्ध के काल में ये श्रमण कुछ बौद्ध तथा कुछ जैन हो गए थे। इन दोनों ने अलग-अलग अपनी शाखाएं बना लीं। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म लगभग ई.पू. 599 में हुआ और जिन्होंने 72 वर्ष की आयु में देहत्यागी। महावीर स्वामी ने शरीर त्यागने से पहले जैन धर्म की नींव काफी मजबूत कर दी थी। अहिंसा को उन्होंने जैन धर्म में अच्छी तरह स्थापित कर दिया था। सांसारिकता पर विजयी होने के कारण वे जिन (जयी) कहलाए। उन्हीं के समय से इस संप्रदाय का नाम जैन हो गया।

# आप भी भगवान को फूल चढ़ाते हैं, जानें पाप कमा रहे हैं या पुण्य

राजा राम मोहन राय के बगीचे में बड़े ही सुंदर फूलों के पेड़ लगे थे। एक व्यक्ति था जो हर रोज वहां आता और उनसे पूछे बिना ही पूजा के लिए फूल तोड़ कर ले जाता। यह सिलसिला लगातार कई दिनों तक चलता रहा। रोज की तरह ही एक दिन उस व्यक्ति ने फूल तोड़ने के लिए अपनी चादर उतारी और पेड़ पर लटका कर फूल तोड़ने लगा। उसी समय राजा राम मोहन राय के आदेशानुसार एक सेवक ने उस व्यक्ति की वह चादर उठा ली और राजा राम मोहन राय को दे दी।

फूल तोड़ने के बाद जब वह व्यक्ति अपनी चादर लेने के लिए उस पेड़ के पास गया, जहां उसने उसे लटकाई थी, तो वहां चादर न देख वह हैरान रह गया और सोचने लगा कि आखिर उसकी चादर गई कहां? वह गुस्से से आग-बबूला हो गया। कुछ देर बाद राजा राम मोहन राय आए और उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी चादर लौटाते हुए कहा, 'अब तो खुश हैं आप, आपको आपकी चादर वापस मिल गई।

उस व्यक्ति ने गुस्से में ही जवाब दिया, खुश? इसमें खुश होने वाली कौन-सी बात है, मुझे अपनी ही वस्तु मिली है।''

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से पूछा, आप रोज फूल तोड़कर कहां ले जाते हैं?

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं ये फूल तोड़कर मंदिर में ले जाता हूं। भगवान को खुश करने के लिए उनको ये फूल अर्पित करता हूं।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति का यह जवाब सुनकर कहा, पहली बात तो यह कि आप बिना पूछे ही फूल तोड़कर ले जाते हैं। चलो कोई बात नहीं, लेकिन आप भगवान की दी हुई वस्तु भगवान को अर्पित करते हैं, तो इससे भगवान खुश होते हैं क्या?

उस व्यक्ति ने कहा, क्यों नहीं, भगवान को फूल ही तो पसंद हैं, भगवान को फूलों से खुशी मिलती है।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से कहा, तो आपको चादर मिलने पर खुशी क्यों नहीं हुई?

राजा राम मोहन राय की यह बात सुनकर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया और राजा राम मोहन राय बिना कुछ और कहे लौट गए।

# निकिता लूथर ने द ट्रेटर्स के साथ अपनी यात्रा को अवास्तविक बताया

पेशेवर पोकर खिलाड़ी निकिता लूथर को करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल किया गया है। निकिता ने खास बातचीत में शो में अपने अनुभव को अवास्तविक बताया। शो के लिए अपनी रणनीति शेयर करते हुए निकिता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि मुझे ऐसा मंच दिया जाएगा। शोबिज की दुनिया में, जहां हर कोई ड्रामा लेकर आता है, मैंने यह दिखाने के लिए रणनीति का इस्तेमाल किया कि मैं एक अलग तरह की प्रतियोगी हूं। यह एक अवास्तविक यात्रा रही है, और मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कार्ड या प्रतियोगियों में से किसमें अधिक मजा आया, तो निकिता ने प्रतियोगियों को चुनते हुए कहा, कार्ड में, यह सरल है – आप धोखा देते हैं, और आप या तो जीतते हैं या हारते हैं। लेकिन यहां धोखा चिप्स से नहीं, बल्कि शब्दों से होता है। आपको लोगों की आंखों में देखना होता है, धोखा देना होता है, और फिर अगली सुबह उनके साथ नाश्ता करना होता है। इससे यह और भी ज्यादा गहरा हो जाता है। यह पूछे जाने पर कि क्या शो के दौरान उनका कोई दीर्घकालिक जुड़ाव बना, निकिता ने कहा, मैं कोई भी स्पॉइलर नहीं देना चाहती, लेकिन हां, शुरुआत में, बहुत से लोग मुझसे दूर रहते थे। कुछ लोग मुझे खतरनाक मानते थे क्योंकि मैं एक रणनीतिक, व्यावसायिक मानसिकता से आई थी। दूसरों को लगता था कि मैं इस श्रेणी में नहीं आती। मुझे लोगों के बीच फिट होने और लोगों को समझने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। द ट्रेटर्स के स्क्रिप्टेड होने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, ट्रेटर्स बिल्कुल भी स्क्रिप्टेड नहीं था। यह एक बहुत ही अनोखा अनुभव था। सबसे पहले, यह एक कैप्टिव रियलिटी शो था। हमारे पास दो सप्ताह तक कोई फोन नहीं था। हमें रात में बाहर जाने या अपने फोन चेक करने की अनुमति नहीं थी – हर चीज पर नजर रखी जाती थी। दूसरा, गाली-गलौज और लड़ाई-झगड़ों से भरे जहरीले रियलिटी शो के विपरीत, ट्रेटर्स ने बुद्धिमत्ता, रणनीति और सामाजिक संपर्क पर ध्यान केंद्रित किया। यह वास्तव में एक सोशल एक्सपेरिमेंट था। बता दें कि शो में निकिता का मुकाबला अंशुला कपूर, अपूर्व, राज कुंद्रा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, पूरव झा, रफ्तार, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद से होगा।

# फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद दीपिका ने उठाया बड़ा कदम

फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद से दीपिका पादुकोण चर्चा में हैं। ऐसे में दीपिका पादुकोण ने अपने पिता का जन्मदिन बहुत खास तरह से मनाया है। दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने बताया है कि वह पूरे देश में लोगों के लिए हर साल 75 बैडमिंटन स्कूल खोलेंगी। दीपिका पादुकोण के मुताबिक वह अपने पिता के 70वें जन्मदिन पर पूरे देश में पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन खोलेंगी। ये सेंटर बंगलूरू, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयम्बटूर और सूरत में खोले जाएंगे। दीपिका ने सोशल मीडिया पर अपने पिता प्रकाश पादुकोण के साथ एक तस्वीर साझा की है। पोस्ट के कैप्शन में दीपिका ने लिखा है बैडमिंटन खेलते हुए बड़े होने के नाते, मैंने खुद अनुभव किया है कि यह खेल किसी की जिंदगी को किस तरह बदलता है। यह लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बदलता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के जरिए हम सभी क्षेत्रों के लोगों तक बैडमिंटन का आनंद और अनुशासन पहुंचाने की उम्मीद करते हैं। हम एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना चाहते हैं जो स्वस्थ और खेल से प्रेरित हो।

### 2027 तक 250 होगी सेंटर की तादाद

दीपिका पादुकोण ने पोस्ट के साथ जो प्रेस रिलीज शेयर की है उसके मुताबिक पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन हर साल 75 बैडमिंटन सेंटर खोलेगा। 2027 तक इनकी तादाद 250 तक होगी। इससे बैडमिंटन सभी के लिए आसान बन सकेगा। सेंटर ने पहले साल में ही 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर स्थापित किए हैं।

### दीपिका के पिता भी देंगे साथ

आपको बता दें दीपिका पादुकोण के पिता बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं। वह पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन में एक सलाहकार के तौर पर शामिल हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा खेल बड़े होने का एक अभिन्न हिस्सा है। यह अनुशासन और जीतने की मानसिकता पैदा करता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के साथ, हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण कोचिंग को आसान और किफायती बनाना है। जमीनी स्तर से टैलेंट को उठाना और भारतीय बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखना है।

# हाउसफुल 5 की ओटीटी रिलीज पर आया अपडेट

सिनेमा के शौकीन यूं तो फिल्मों को बड़े पर्दे पर देखना ही पसंद करते हैं और थिएटर्स का रुख करते हैं। मगर, एक वर्ग ऐसा है जो फिल्मों की ओटीटी रिलीज के इंतजार में रहता है। ऐसे लोगों के लिए हाउसफुल 5 की ओटीटी रिलीज पर अपडेट आया है। लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की यह पांचवी कड़ी फिलहाल सिनेमाघरों में लगी है।

### इस ओटीटी के पास हैं अधिकार

तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 6 जून को रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर यह ठीकठाक प्रदर्शन कर रही है। अब इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। तेलुगु 123 की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म ओटीटी पर जल्दी आ सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग के अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो ने हासिल किए हैं।

### जुलाई में हो सकती है रिलीज

इस फिल्म का ओटीटी प्रीमियर पहले इस साल अगस्त में होना था। लेकिन, अब कहा जा रहा है कि फिल्म की ओटीटी स्ट्रीमिंग जुलाई के पहले सप्ताह में ही शुरू हो सकती है। हाउसफुल 5 की डिजिटल रिलीज में यह अचानक बदलाव कथित तौर पर बॉक्स ऑफिस पर इसे मिल रही प्रतिक्रिया के बाद आया है।

### क्यों लिया जल्दी ओटीटी रिलीज का फैसला?

दरअसल, फिल्म से उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं। लेकिन यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी उतरती नजर नहीं आ रही है। ऐसे में निर्माताओं ने इसकी डिजिटल रिलीज कुछ जल्दी करने का फैसला लिया है। हालांकि, मेकर्स या प्राइम वीडियो की तरफ से ओटीटी रिलीज पर अभी आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है।

# मैं अब वही करती हूं जो मेरे लिए सार्थक हो न कि परफेक्ट

अभिनेत्री पूजा बेदी ने समाज में परफेक्शन की चाहत रखने वालों पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि वह अब दिखावे की बजाय मन की शांति और सच्चाई को प्राथमिकता दे रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि प्रभावशाली दिखना जरूरी नहीं है। अभिनेत्री पूजा बेदी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने परफेक्शन पर अपने विचार रखे। पूजा ने अपने पोस्ट में बताया कि वास्तव में परफेक्शन को लेकर क्या नजरिया है। उन्होंने बताया, समाज हमसे हर समय, हर जगह परफेक्ट होने की उम्मीद करता है। हम देखने में परफेक्ट हों, काम में परफेक्ट हों और कोई कमी न रहे। लेकिन, मैं अब यह समझ गई हूं कि इस दबाव से बाहर निकलना होगा। इसलिए जो महत्वपूर्ण है, उसी का चयन करें, न कि प्रभावशाली दिखने की दौड़ में शामिल हों। उन्होंने बताया, मुझे सुनहरे पेन से डायरी लिखने, सुबह तक चमकते चेहरे के लिए टॉनिक या किसी तरह के जूस देने की जरूरत नहीं है। मैं ऊर्जा को सुंदरता से, उद्देश्य को प्रदर्शन से ज्यादा महत्व देती हूं। यह नियंत्रण बनाम अराजकता नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुने गए रास्ते की बात है। परफेक्शन एक बदलता लक्ष्य है, लेकिन प्राथमिकताएं एक दिशा-सूचक की तरह हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं अब वही करती हूं, जो मेरे लिए सार्थक हो, न कि परफेक्ट। प्राथमिकताएं शांति देती हैं। जबकि, परफेक्शन चमक के साथ तनाव देता है। कुछ दिन मैं चमकती हूं, कुछ दिन ठोकर खाती हूं, लेकिन हमेशा उस दिशा में चलती हूं, जो सही लगता है। यही मेरे लिए काफी है। पूजा बेदी अभिनेता कबीर बेदी की बेटी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1991 में 'विषकन्या' से की थी। इसके बाद वह आमिर खान के साथ 'जो जीता वही सिकंदर' में नजर आईं, जो उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। इसके अलावा 'लुटेरे' और 'आतंक ही आतंक' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया है।

# डिटेक्टिव शेरदिल में जासूस बन मर्डर की गुत्थी सुलझाने निकले दिलजीत

एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ की फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल की रिलीज डेट का मेकर्स ने हाल ही में एलान किया। अब आज मंगलवार 10 जून को इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है। फिल्म में दिलजीत एक जासूस की भूमिका में हैं, जो एक मर्डर केस की गुत्थी सुलझाते हैं। फिल्म में सस्पेंस का डोज है तो कॉमेडी के भी छींटे हैं।

### अनोखे जासूस बने दिखे दिलजीत

रवि छाबड़िया के निर्देशन में बनी इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। आज जारी इसका ट्रेलर काफी दिलचस्प है। दिलजीत एक अनोखे डिटेक्टिव के रूप में नजर आए हैं। वे फिल्म में बोमन ईरानी के किरदार के मर्डर की गुत्थी सुलझाते हैं। गंभीर किरदार को भी उन्होंने इस तरह अदा किया है कि दर्शकों को हंसने के भरपूर मौके मिलेंगे।

दर्शकों को पसंद आया ट्रेलर

ट्रेलर पर दर्शकों की दिलचस्प प्रतिक्रिया आई है। एक यूजर ने लिखा, कुछ अलग देखने को मिला। एक यूजर ने लिखा, दिलजीत दोसांझ रॉक। डिटेक्टिव शेरदिल, दिलजीत दोसांझ और अली अब्बास जफर की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों जोगी फिल्म में साथ काम कर चुके हैं।

### इस ओटीटी पर दस्तक देगी फिल्म

दिलजीत दोसांझ और बोमन ईरानी के अलावा फिल्म में डायना पेंटी, सुमित व्यास, बनिता संधू, चंकी पांडे और रत्ना पाठक शाह भी अहम रोल में हैं। दिलजीत से लेकर रत्ना और बोमन जैसे धुरंधर जिस फिल्म का हिस्सा हों, वहां दर्शकों को हंसने के मौके न मिलें, ऐसा भला कैसे हो सकता है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी।

# बॉलीवुड में इसलिए फिट नहीं होते इमरान आमिर खान ने कही बड़ी बात

मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भतीजे इमरान खान ने फिल्म इंडस्ट्री में बहुत उम्मीदों के साथ एंट्री की थी। हालांकि जल्दी ही वो फिल्म इंडस्ट्री से दूर हो गए। स्क्रीन के साथ हाल ही में बातचीत में, आमिर ने बताया कि इमरान खान का बॉलीवुड में फिट होना मुश्किल लगता है।

### आमिर ने कहा बॉलीवुड में फिट नहीं इमरान

आमिर खान ने कहा इमरान खान में एक अलग काबिलियत है। उन्हें हमारे पास मौजूद ढांचे में फिट होना मुश्किल लगता है। यह उनकी जगह नहीं है। यही वजह है कि वह जाने तू... और देली बेली जैसी फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन कर पाए। लेकिन जैसे ही आप उन्हें एक नियमित हिंदी फिल्म में काम करने के लिए कहते, वे फिट नहीं होते। वह हीरोगिरी के साथ सहज नहीं हैं। वह एक वास्तविक व्यक्ति की भूमिका निभाना चाहते हैं। हर कोई उन्हें मुख्यधारा की फिल्में ऑफर कर रहा था क्योंकि वह अच्छे दिखते हैं। लेकिन वह एक अभिनेता बनना चाहते हैं, स्टार नहीं।

### इमरान ने पहली ही फिल्म से छोड़ी छाप

इमरान ने अपने करियर की शुरुआत एक चाइल्ड एक्टर के रूप में की थी। उन्होंने कयामत से कयामत तक और जो जीता वही सिकंदर जैसी फिल्मों में अपने चाचा के साथ काम किया। 2008 में बतौर लीड एक्टर उनकी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना थी। यह फिल्म एक युवा रोमांटिक कॉमेडी थी, जो दर्शकों को खूब पसंद आई थी। जेनेलिया डिसूजा के साथ बेहतरीन अदाकारी करने वाले इमरान को पहचान मिली। इस फिल्म में काम करने के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

### इमरान ने दी अच्छी फिल्में

डेब्यू के बाद, इमरान कई रोमांटिक कॉमेडी और हल्की-फुल्की फिल्मों में दिखाई दिए, जिनमें आई हेट लव स्टोरीज (2010), ब्रेक के बाद (2010), और मेरे ब्रदर की दुल्हन (2011) शामिल हैं। उन्होंने खुद को एक रोमांटिक एक्टर के तौर पर स्थापित किया। 2011 में, इमरान ने डार्क कॉमेडी देली बेली में काम किया। यह फिल्म कारोबार के लिहाज से काफी कामयाब रही। इसके बाद उन्होंने एक मैं और एक तू (2012) बनाई, जो एक रोमांटिक ड्रामा थी। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, 2012 के बाद, इमरान का करियर ढलान पर आ गया। मटरू की बिजली का मंडोला (2013) और गोरी तेरे प्यार में (2013) जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया।

### इमरान ने फिल्मों से बनाई दूरी

2010 के दशक के मध्य तक इमरान खान फिल्मों से दूर रहे। उन्हें कई फिल्में ऑफिर हुईं लेकिन उन्हें फिल्मों में किरदार अच्छा नहीं लगा। वह कभी-कभार साक्षात्कारों या सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई देते हैं। इमरान खान ने उस समय अपनी अच्छी छाप छोड़ी जब वह युवा रोमांटिक कॉमेडी करते थे।

# श्रेयस अय्यर का खिताब जीतने का सपना टूटा, मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने टी20 मुंबई लीग जीती

**लॉर्ड्स (एजेंसी)।** मुंबई = सिद्धेश लाड की अगुआई वाली मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने यहां प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए ग्रैंड फाइनल में श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली सोबो मुंबई फाल्कंस को 5 विकेट से हराकर टी20 मुंबई लीग 2025 का खिताब जीत लिया। इसी के साथ ही अय्यर का एक और टी20 लीग का खिताब जीतने का सपना टूट गया। इससे पहले अय्यर की कप्तानी में 11 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाली आईपीएल टीम पंजाब किंग्स को खिताबी मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

भारत की पहली विश्व कप विजेता टीम कपिल देव और दिलीप वेंगसरकर तथा 2024 टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा की मौजूदगी वाले खचाखच भरे वानखेड़े स्टेडियम में सोबो मुंबई फाल्कंस ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए मयूरेश टंडेल (नाबाद 50) के धैर्यपूर्ण अर्धशतक तथा हर्ष अघव के नाबाद 45 रनों की बदौलत 157/4 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जवाब में चिन्मय सुतार (53) ने तेज अर्धशतक के साथ एमएससी मराठा रॉयल्स की जीत की नींव रखी जिसमें साहिल जाधव (22), सचिन यादव (19) और विस्फोटक अवैस खान (38) का बहुमूल्य योगदान रहा।

कप्तान सिद्धेश लाड (15) और साहिल ने 32 रनों की तेज साझेदारी करके रॉयल्स को स्थिर शुरुआत दी। इसके बाद चिन्मय ने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं जिसमें सचिन यादव के साथ 41 रनों की साझेदारी और उसके बाद अवैस खान के साथ 63 रनों की साझेदारी शामिल थी। इससे रॉयल्स ने लक्ष्य का पीछा मजबूती से खेल को अपने नियंत्रण में कर लिया। हालांकि, 10 गेंदों पर केवल आठ रनों की आवश्यकता के साथ, बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक मिश्रा ने नाटकीय रूप से अंतिम ओवर में अवैस और चिन्मय दोनों को आउट करके फाल्कन्स को मुकाबले में वापस ला दिया। अंतिम ओवर में सात रन की जरूरत थी। ऐसे समय में रोहन राजे ने अपना धैर्य बनाए रखते पहली गेंद पर चौका लगाया

और चार गेंद शेष रहते जीत सुनिश्चित की जिससे रॉयल्स को तनावपूर्ण लेकिन अच्छी जीत मिली। इससे पहले पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर आए फाल्कंस शुरुआती लय पाने में विफल रहे। दोनों सलामी बल्लेबाजों अंगकृश रघुवंशी (7) और ईशान मूलचंदानी (20) सिर्फ 33 रन पर विकेट गंवा बैठे। कप्तान श्रेयस अय्यर (12) और अमोघ भटकल (16) भी अपनी शुरुआत का फायदा उठाए बिना आउट हो गए। बाएं हाथ के स्पिनर वैभव माली ने फाल्कंस को शुरू में ही परेशान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने रघुवंशी को आउट किया और फिर अय्यर का बेशकीमती विकेट लिया। 12 ओवर के बाद 72/4 पर संघर्ष करते हुए फाल्कंस मुश्किल में थे, इससे पहले मयूरेश और हर्ष ने पांचवें विकेट के लिए 85 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। उनकी अटूट साझेदारी ने न केवल पारी को संभाला, बल्कि टीम को फाइनल के दूसरे हाफ में महत्वपूर्ण गति भी दी।

# मेजर लीग क्रिकेट : न्यूजीलैंड के फिन ने 34 गेंदों में ही शतक लगाकर पूरन का रिकार्ड तोड़ा

## –टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरे सबसे तेज शतक लगाया

**सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड के फिन एलन ने मेजर क्रिकेट लीग 2025 के पहले ही मैच में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से खेलते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचा दी। एलन ने इस मैच में वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 34 गेंदों में ही शतक लगा दिया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास का दसरा सबसे तेज शतक है। एलन की इस आक्रामक पारी से यूनिकॉर्न्स ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। एलन ने 51 गेंदों पर 5 चौके और 19 छक्कों की सहायता से सबसे अधिक 151 रन बनाए। इस प्रकार एलन के नाम एक पारी में सबसे अधिक 19 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और इसटोनिया के साहिल चौहान के नाम था जिन्होंने एक पारी में 18-18 छक्के लगाये लगायये थे।

एलन अब मेजबर लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने इस पारी के साथ ही इसी सप्ताह संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज निकोलस पूरन को पीछे छोड़ दिया। पूरन ने इस टूर्नामेंट में 40 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। वहीं एलन 51 गेंदों पर 151 रन बनाकर मिशेल ओवेन की गेंद पर आउट हुए। एलन ने 49 गेंदों पर ही 150 रन पूरे कर दिये। इससे वह टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये।

एलन की इस तोड़ पारी से सैन फ्रांसिस्को ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। ये मेजर लीग में बना अब तक का सबसे अधिक स्कोर है।एलन की इस रिकार्ड पारी से की फ्रांसिस्को ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। , जो एमएलसी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। एलन के अलावा संजय कृष्णमूर्ति और हसन खान ने भी अहम भूमिका निभाई और 180 और 211.11 की स्ट्राइक रेट से क्रमशः 36 और 38 रन बनाए।

# हरभजन सिंह ने भारत की नम्बर 3 की समस्या सुलझाई, इंग्लैंड के खिलाफ इसे मौका देने की बात की

**स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।** भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की आगामी टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने नए नंबर 3 बल्लेबाज के तौर पर साई सुदर्शन का समर्थन किया है। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट से पूर्व हरभजन ने कहा कि सुदर्शन इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति होंगे। विदर्भ क्रिकेट लीग के दौरान बोलते हुए हरभजन ने कहा कि सुदर्शन हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में भी शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। हालांकि यह देखना बाकी है कि सुदर्शन को पहले टेस्ट में मौका मिलेगा या नहीं। हरभजन ने कहा, 'मेरे हिसाब से साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर खेलना चाहिए। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और हाल ही में उन्होंने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी तकनीक अच्छी है और मेरा मानना है कि वह इस स्थान के लिए सही विकल्प हो सकते हैं।' श्रेयस अय्यर को टेस्ट दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इस पर पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उन्हें टीम में शामिल किए जाने की बात कही थी। अब हरभजन ने भी अय्यर का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'श्रेयस अय्यर बहुत बढ़िया खिलाड़ी हैं। उन्होंने वनडे में खुद को साबित किया है, विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है।

# हेड कोच गौतम गंभीर भारत वापस लौटे, 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होनी है टेस्ट सीरीज

**लंदन (एजेंसी)।** लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने से एक सप्ताह पहले हेड कोच गौतम गंभीर पारिवारिक आपातकाल के कारण स्वदेश वापस लौट आए हैं। शुक्रवार से शुरू होने वाले इंट्रा-स्क्वाड अभ्यास मैच से पहले गंभीर बेकेनहैम में भारतीय टीम के साथ थे।

सूत्रों के हवाले से जानकारी के मुताबिक, 'हां, कल यह बात सामने आई कि गंभीर अपनी मां से संबंधित एक महत्वपूर्ण पारिवारिक आपात स्थिति के कारण घर वापस आ रहे हैं। अब तक, हमारा मानना है कि गंभीर पहले ही नई दिल्ली में अपने परिवार से जुड़ चुके हैं। मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, यह अभी तक पता नहीं है कि टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले वह भारतीय टीम से कब जुड़ेंगे।'

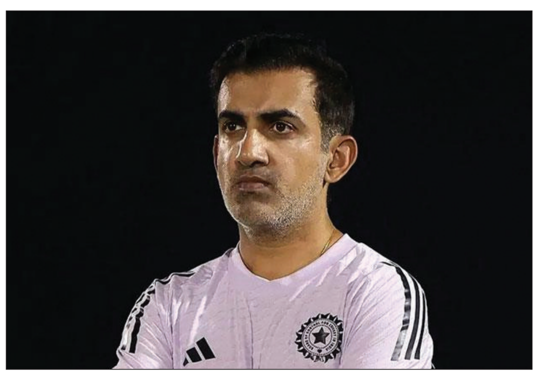

गंभीर की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, सहायक कोच रेयान टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप भारतीय टीम को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी में मदद करेंगे। इंग्लैंड का टेस्ट दौरा दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल का भारतीय टीम के कप्तान के रूप में पहला काम भी होगा क्योंकि पिछले महीने रोहित शर्मा और विराट कोहली ने संन्यास ले लिया था।

गिल 25 साल और 258 दिन की उम्र में टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन जाएंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भारत के उप-कप्तान होंगे। भारत और इंग्लैंड बर्मिंघम के एजबेस्टन, लंदन के लॉर्ड्स, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड और लंदन के द ओवल में भी मैच खेलेंगे। भारत 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का लक्ष्य बना रहा है। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत का पहला असाइनमेंट भी होगा।

# इंग्लैंड दौरे से बाहर हुई महिला क्रिकेटर सुचि उपाध्याय , राधा यादव शामिल

बेंगलुरु ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अभी इंग्लैंड दौरे पर जाना है। इसी के लिए बेंगलुरु स्थिति सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास चल रहा था जहां एक क्रिकेटर सुचि उपाध्याय चोटिल होने के कारण दौरे से बाहर हो गयी हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने उनकी जगह पर राधा यादव को विकल्प के तौर पर शामिल किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी20 और 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। पहला टी20 मैच 28 जून को खेला जाएगा। वहीं सीरीज का अंतिम मैच 12 जुलाई को होगा। इसके बाद 16 जुलाई से एकदिवसीय सीरीजशुरू होगी जिसका अंतिम मैच 22 जुलाई को होगा। भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्वकप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ ये सीरीज काफी अहम रहेगी। विश्वकप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक वर्ल्ड कप आयोजित होगा, जिसमें 8 टीमों के बीच कुल 31 मैच खेले जाएंगे। 2 नंबर को फाइनल मैच बेंगलुरु में होगा, अगर पाकिस्तान टीम फाइनल तक जगह बनाती है तो फिर खिताबी मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा।

# तिलक काउंटी क्रिकेट में हैंपशर की ओर से खेलेंगे

हैदराबाद ।आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की ओर से शानदार प्रदर्शन के बाद अब बल्लेबाज तिलक वर्मा इंग्लिश काउंटी में खेलते नजर आयेंगे। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने कहा कि बाएं हाथ का ये बल्लेबाज काउंटी टीम हैंपशर की ओर से खेलेगा। वह हैदराबाद की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। एचसीए ने कहा, ''हैदराबाद क्रिकेट संघ को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि तिलक को शामिल करने के लिए हैंपशर काउंटी टीम ने हमसे संपर्क किया है।'' साथ ही कहा कि 'हैदराबाद क्रिकेट संघ उन्हें हैंपशर काउंटी के साथ शानदार जुड़ने के लिए अपनी शुभकामनाएं देता है।'' गौरतलब है कि तिलक ने 18 प्रथम श्रेणी मैच में 50.16 की औसत से 1,204 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 121 रन रहा है। उन्होंने पांच शतक और चार अर्द्धशतक बनाये हैं। तिलक ने भारतीय टीम की ओर से 25 टी20 और चार एकदिवसीय मैचों में तकरीबन 749 और 68 रन बनाए हैं। तिलक काउंटी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर अगले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे वहीं भारत के ही एक अन्य बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ काउंटी चैंपियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों में वनडे कप के लिए यॉर्कशर की ओर से खेलेंगे। यॉर्कशर को सर्रे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मुकाबले खेलने हैं। गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम के साथ हैं। यॉर्कशर ने कहा कि रूतुराज एक अच्छे बल्लेबाज हैं और उनके आने से टीम को लाभ होगा।

# ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बनाए 207 रन, दक्षिण अफ्रीका के सामने 282 का लक्ष्य

**लंदन (एजेंसी)।** मिचेल स्टार्क (नाबाद 58) की अर्धशतकीय पारी और आखिरी विकेट के लिए जोश हेजलवुड (17) के साथ 59 रन की साझेदारी के बूते ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन शुक्रवार को अपनी दूसरी पारी में 207 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 282 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 144 रन से की और कागिसो रबाडा ने दिन के तीसरे ओवर में ही नाथन लियोन (दो) को पगबाधा कर उसे नौवां झटका दिया। लियोन ने मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं हुआ। स्टार्क और हेजलवुड ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाते हुए 135 गेंदों में 59 रन की साझेदारी की। एडेन मारक्रम ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के 65वें ओवर में केशव महाराज के हाथों हेजलवुड को कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया की पारी को खत्म

किया जिसके बाद अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी।

स्टार्क ने तीन घंटे से अधिक की पारी में 136 गेंद का सामना कर पांच चौके लगाए। वह बृहस्पतिवार को जब क्रीज पर उतरे थे उस समय ऑस्ट्रेलिया की टीम 73 रन पर सात विकेट गंवा कर मुश्किल स्थिति में थी। उन्होंने एलेक्स कैरी के साथ आठवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करने के बाद आखिरी विकेट के लिए 59 रन जोड़ कर मैच में ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद मजबूत कर दी। स्टार्क और हेजलवुड टेस्ट क्रिकेट में दसवें विकेट के लिए तीन बार पचास से अधिक की साझेदारी करने वाली दूसरी जोड़ी है, उनसे पहले यह उपलब्धि बीजे वाटलिंग और ट्रेंट बोल्ट ने हासिल की थी।

दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने परेशान किया। स्टार्क और हेजलवुड को किस्मत का भी साथ मिला जब गेंद बल्ले के करीब से निकली या बल्ले का किनारा लेते हुए क्षेत्ररक्षकों से दूर रही। हेजलवुड ने भी स्टार्क का साथ अच्छे से दिया और अपनी बल्लेबाजी तकनीक से प्रभावित करते हुए 53 गेंद की पारी में दो चौके लगाये। मार्को यानसेन की गेंद स्टार्क के बल्ले का किनारा लेते हुए स्लिप के ऊपर से चार रनों के लिए चली गई जिससे उन्होंने टेस्ट में अपना 11वां अर्धशतक पूरा किया और टीम के स्कोर को 200 रन तक पहुंचाया।

आखिरी विकेट चटकाने के लिए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने तेज गेंदबाजों को आजमाने के बाद केशव महाराज को गेंदबाजी दी। महाराज भी टीम को सफलता दिलाने में नाकाम रहे जिसके बाद मारक्रम को गेंद थमाई गयी। इस कामचलाऊ स्पिनर का पहला ओवर मेडन रहा लेकिन उनके दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में हेजलवुड महाराज को कैच दे बैठे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 212 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 138 रन पर आउट हो गयी थी।

# डब्ल्यूटीसी फाइनल में बल्लेबाज के पैड और पैर के बीच फंसी गेंद

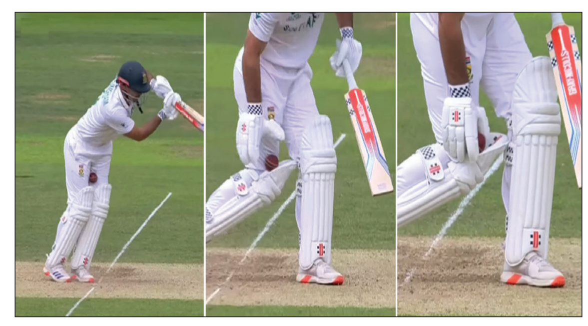

लॉर्ड्स ।यहां दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक अजब वाकया सामने आया। इस मैच में दूसरे दिन के खेल के दौरान जब दक्षिण अफ्रीका के डेविड बेडिंगम बल्लेबाजी कर रहे थे तो गेंद उनके बल्ले से लगने के बाद पैड और पैर के बीच की जगह में फंस गई। इसपर जब बल्लेबाज ने उसे निकाला तो ऑस्ट्रेलियाई फील्डर ने बॉल हैंडलिंग की अपील कर दी पर अंपायर ने बल्लेबाज को आउट नहीं दिया। आईसीसी ने इस घटना का वीडियो भी जारी किया है। ये मामला मैच के दूसरे दिन लंच से पहले के अंतिम ओवर का है। तब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 5 विकेट पर 113 रन था। इस दौरान बेडिंगम बल्लेबाजी कर रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज वेबस्टर की गेंद बेडिंगम के बल्ले से लगकर उनके पैर पर टकराई और फिर पैड और पैर के बीच में अटक गई। ऑस्ट्रेलियाई विकेट कीपर एलेक्स कैरी के गेंद को पकडने से पहले ही बेडिंगम ने गेंद को हाथ से पकड़कर पिच पर फेंक दिया। कैरी ने इसपर बॉल हैंडलिंग की अपील कर दी। बेडिंगम इससे डर गये पर अंपायरों ने फैसला किया कि उन्होंने मैदान में बाधा डालने से जुड़े नियम का उल्लंघन नहीं किया है इसलिए उन्हें संदेह का लाभ देते हुए नाटआउट करार दिया। इस तरह बेडिंगम आउट होते–होते बचे। आईसीसी नियमों अनुसार अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर गेंद को रोकता है या दोनों बल्लेबाजों में से कोई भी जानबूझकर कुछ ऐसा हरकत करता है जो फील्डर के कैच लेने में बाधा उत्पन्न करता है तो बल्लेबाज को आउट दिया जाता है।

# सचिन की तरह छोटी उम्र में ही बड़े रिकार्ड बना रहे वैभव

**मुम्बई (एजेंसी)।** 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी जिस प्रकार का प्रदर्शन आईपीएल में किया है उससे सभी हैरान है। इस टूर्नामेंट में वैभव ने विश्व के शीर्ष तेज गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। ऐसे में अब उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से होने लगी है। सचिन ने जो काम 16 से 17 साल में किया था वैभव उसे 14-15 साल में ही कर लेना चाहते हैं। भारतीय क्रिकेट में सचिन को भगवान का दर्जा हासिल है। ऐसे में वैभव से उनकी तुलना करना और भी अहम हो जाता है। उनका रणजी ट्रॉफी डेब्यू, घरेलू क्रिकेट में शतक पर नजर डालें तो वैभव भी सचिन की तरह लगते हैं। तेंदुलकर ने 1988 में केवल 15 साल की उम्र में मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। यह वो दौर था जब सचिन ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया था। उन्होंने अपने पहले रणजी मैच में शतक बनाकर भविष्य में नये रिकार्ड बनाने के संकेत दे दिये थे। वहीं वैभव ने 2024 में 13 साल और 269 दिन की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। इससे वे इस टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हालांकि डेब्यू मैच में वह सचिन की तरह रन नहीं बना पाये पर उनका मनोबल देखकर सभी हैरत में पड़ गये।

सचिन रणजी मैच में शतक जड़कर अपनी क्षमता साबित कर चुके थे। 1988 में हैरिस शील्ड टूर्नामेंट में विनोद कांबली के साथ उनकी 664 रन की ऐतिहासिक साझेदारी ने भी उनका नाम सभी जानने लगे थे। दूसरी ओर वैभव अपने रणजी डेब्यू में भले ही कमाल नहीं कर पाए लेकिन आईपीएल 2025 में अपने 35 गेंदों पर लगाये शतक से वह रातो-रात हीरो बन गये। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में 100 रन बनाकर टी20 क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वैभव ने ये रन मोहम्मद सिराज से और राशिद खान जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ बनाये थे।

# मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये

ढाका ।ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मिराज को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की है। मिराज अगले एक साल तक के लिए कप्तान बनाये गये हैं। उन्हें नजमुल हुसैन शांतो की जगह कप्तान बनाया गया है। वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से कप्तानी संभालेंगे। कप्तान बनोय जाने पर मिराज ने खुशी जतायी है। मिराज ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। इस ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की थी। 105 एकदिवसीय मैचों में 1617 रन और 110 विकेट के साथ, मिराज वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर हैं। वह मोहम्मद रफीक, मशरफे मुर्तजा और शाकिब अल हसन के साथ बांग्लादेशी क्रिकेटरों के एक ऐसे समूह का भी हिस्सा हैं, जिन्होंने इस प्रारूप में 1000 रन और 100 विकेट पूरे किए हैं। इससे पहले इस, ऑलराउंडर को अगले महीने श्रीलंका में होने वाले अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के अपने पहले असाइनमेंट के लिए बांग्लादेश की टेस्ट टीम में उप–कप्तान बनाया गया था। बीसीबी क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल अबेदीन ने उन्हें पुरस्कृत करने के निर्णय के पीछे ऑलराउंडर की निरंतरता की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'मिराज ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में जुझारू भावना और संक्रामक ऊर्जा लेकर आए हैं। उनके प्रदर्शन, नेतृत्व के गुण और समग्र परिपक्वता उन्हें हमारी एकदिवसीय टीम का मार्गदर्शन करने के लिए एक उपयुक्त विकल्प बनाती है।

# अहमदाबाद विमान हादसा:भारतीय खिलाड़ियों ने पीड़ितों की याद में रखा मौन और काली पट्टी बांधी

**बेकेनहैम (इंग्लैंड) (एजेंसी)।** भारतीय खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्यों ने शुक्रवार को यहां 'इंट्रा-स्क्वाड (भारत और भारत ए के खिलाड़ियों की टीमें)' मैच की शुरुआत से पहले अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखा और बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान पर उतरे।

बृहस्पतिवार दोपहर 242 लोगों को ले जा रहा बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई 171) विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें एक विमान सवार को छोड़कर सभी की मौत हो गयी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, 'बेकेनहैम में इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान में उतरे हैं।'

बयान में कहा गया, 'अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन भी रखा गया।' मुख्य कोच गौतम गंभीर, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी खिलाड़ी केएल राहुल और रविंद्र जडेजा सहित इंग्लैंड दौरे पर गए सदस्यों ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में दुर्घटना पर अपनी पीड़ा व्यक्त की है।

महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने भी सोशल मीडिया के जरिये इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, 'अहमदाबाद में विमान दुर्घटना से स्तब्ध और दुखी हूं। बहुत हृदय विदारक घटना। दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूं। ईश्वर उनके परिजनों को इस कठिन समय में साहस प्रदान करें।' चार दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच भारतीय खिलाड़ियों के लिए 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए तैयारी करने का आखिरी मौका होगा।